नई सोच • नई शुरूआत • नया भारत

# अनप्लग इंडिया

सच की आवाज, भारत की पहचान

नोएडा एनसीआर संस्करण

वर्ष : 01 | अंक : 40 | नोएडा, रविवार, 8 नवम्बर, 2026 | Website: www.unplugindia.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 03 रुपए

**आज का विचार**

**विश्वास और मेहनतः**
**'विश्वास सबसे बड़ी ताकत है, यह असंभव को संभव बनाता है। सपनों को सच करना है, तो मेहनत करनी होगी।**



# आतिशबाजी के रंगों से सराबोर रहा आसमान

## देश भर में धूमधाम से मनी दीवाली,लोगों ने की करोड़ों की आतिशबाजी



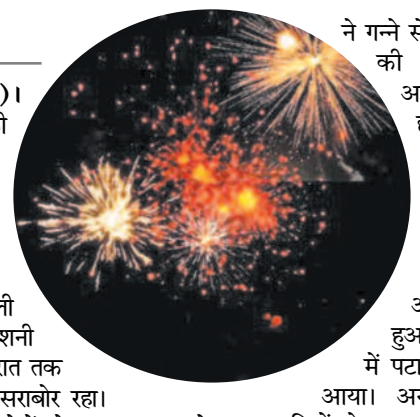

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** देश भर में दीपावली की धूम रही। इस बार कई करोड़ रुपए की आतिशबाजी हुई। नगर से लेकर गांवों तक दीपोत्सव की धूम रही। घरों में दीपों और बिजली की रंगीन मालाओं से रोशनी बिखरी तो आसमान देर रात तक आतिशबाजी के रंगों से सराबोर रहा। लक्ष्मी पूजन के बाद लोगों ने जमकर पटाखे जलाए। दीपावली से दो दिन पहले ही लोगों ने घरों को फूलों, रंगीन झालरों और बिजली की मालाओं से सजाना शुरू कर दिया था। रविवार को सुबह से ही घरों में पर्व की तैयारियां चलती रहीं। महिलाओं ने गन्ने से मां लक्ष्मी की प्रतिमा तैयार की और घरों के आंगन में आकर्षक रंगोलियां सजाईं। शाम होते ही लोगों ने विधि-विधान से मां लक्ष्मी का पूजन कर सुख-समृद्धि की कामना की और एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं दीं। लक्ष्मी पूजन के बाद आतिशबाजी का दौर शुरू हुआ। बच्चों से लेकर बड़ों तक में पटाखे जलाने का उत्साह नजर आया। अनार, रॉकेट, चकरी और फुलझड़ियों से आसमान देर रात तक रंगीन होता रहा। शहरों में इस बार कई करोड़ रुपये की आतिशबाजी का अनुमान लगाया जा रहा है। दीपावली के लिए आतिशबाजी की अस्थायी दुकानें सजाई गई थीं।

# पांच साल में डिफेंस एक्सपोर्ट साढ़े 4 गुना हुआ

## 38 हजार करोड़ पार, इसमें प्राइवेट सेक्टर का हिस्सा 45 फीसदी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** देश ने पिछले 5 साल में रक्षा उत्पादन में एक बड़ी क्रांति दर्ज की है। यह बदलाव सैन्य टेक्नोलॉजी निजी क्षेत्र के साथ साझा करने से हुआ है। सेना के लिए हथियार और साजो-सामान तैयार करने के मामले में अब सरकारी प्रतिष्ठानों के साथ निजी कंपनियों का बड़ा नेटवर्क खड़ा हो गया है। हथियार आयात करने के मामले में शीर्ष 5



देशों में गिने जाने वाले भारत ने इसके दम पर तस्वीर उलट दी है। पहली बार सेनाओं के लिए हथियारों के आयात पर जितनी रकम खर्च हुई, उससे अधिक का रक्षा निर्यात देश ने किया। अखबार ने उच्च स्तरीय और अत्याधुनिक सैन्य टेक्नोलॉजी निजी उद्योगों को देने और उससे हुए बदलाव की पड़ताल की। इसमें सामने आया कि रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) से मिली टेक्नोलॉजी के बल पर निजी कंपनियों का रक्षा निर्यात 5 सालों में 7,271 करोड़ रु. से बढ़कर 17,353 करोड़ रु. हो गया।

### निजी सैन्य इंडस्ट्री ने निर्यात में 138.7 फीसदी की बढ़ोतरी

निजी सैन्य इंडस्ट्री ने निर्यात में 138.7 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की। संसद में पेश आंकड़े के अनुसार, 2025-26 में विदेशी पूंजीगत रक्षा खरीद पर 37,047.31 करोड़ रु. खर्च हुए थे, जबकि इसी अवधि में भारत से सरकारी और निजी कंपनियों का रक्षा निर्यात 38,424 करोड़ रुपए रहा, जिसमें निजी सैन्य इंडस्ट्री का योगदान 45.2 फीसदी दर्ज हुआ। बड़ी वजह यह रही कि मिसाइलों से लेकर रडार, ड्रोन और कॉम्बैट उपकरणों तक निजी उद्योग को डीआरडीओ से 2,372 टेक्नोलॉजी का ट्रांसफर हुआ। रक्षा प्रतिष्ठान से जुड़े अधिकारियों ने कहा कि किसी बड़े सैन्य संकट में हथियारों और उपकरणों की आपूर्ति के लिए देश को सरकारी कारखानों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। सूत्रों ने बताया कि रक्षा उत्पादन में एक और बाधा दूर करने की दिशा में बड़ा फैसला हुआ है।

**संक्षिप्त समाचार**

### अर्से बाद तेजस्वी और तेज ने साथ काटा केक

**पटना (एजेंसी)।** बिहार की राजनीति के लिए ये वीडियो काफी बड़ा संदेश भी साबित हो सकता है। तेजस्वी यादव दीवाली के मौके पर पिता लालू प्रसाद यादव और मां राबड़ी देवी के घर कौटिल्य नगर पहुंचे थे। अगले ही दिन 9 नवंबर को उनका जन्मदिन भी था। इस दौरान आधी रात को ही तेजस्वी यादव ने जन्मदिन पर दो केक काटे। उनके साथ खड़े थे उनके बड़े भाई तेज प्रताप यादव। चौंकिए नहीं, अर्से बाद दोनों भाइयों का साथ खड़े वीडियो सामने आया है।



राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव को पॉलिटिकल मैनेजमेंट का माहिर खिलाड़ी माना जाता है। ऐसे में उनके दोनों बेटों के बीच गहरी खाई थी। राजद सुप्रीमो ने अपना दिमाग लगाया और अर्से बाद दोनों भाइयों को एक साथ, एक जगह लाकर खड़ा कर दिया। ये अलग बात है कि तेज प्रताप यादव राजद से अपनी राह जुदा कर चुके हैं। लालू प्रसाद यादव ने इस खाई को परिवार तक आता देख चुके हैं। ये दरार और चौड़ी हो, इससे पहले लालू यादव ने दिवाली के मौके पर तेजस्वी यादव और तेज प्रताप यादव को अपने आवास बुला लिया। यहीं लालू ने दिखाया कि जब वो पॉलिटिकल मैनेजमेंट कर सकते हैं, तो ये तो उनके घर की बात है।

### कर्नाटक के बाद अब केरलम जानेगा एथनॉल की मात्रा

**तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)।** केरलम सरकार ने राज्य भर के पेट्रोल पंपों पर औचक निरीक्षण और पेट्रोल के रैंडम नमूनों की लैब जांच शुरू करने के आदेश दिए हैं। इसका उद्देश्य यह पता लगाना है कि क्या ईंधन में एथनॉल का मिश्रण कानूनी रूप से तय 20 प्रतिशत (ई20) की सीमा से अधिक तो नहीं किया जा रहा है। केरलम नागरिक आपूर्ति विभाग की सख्ती पड़ोसी राज्य कर्नाटक में कांग्रेस सरकार के मंत्रियों द्वारा लगाए गए उन आरोपों के बाद सामने आई है, जिसमें दावा किया गया था कि पेट्रोल में अत्यधिक एथनॉल मिलाने से गाड़ियों के इंजन खराब हो रहे हैं और माइलेज में भारी गिरावट आ रही है। आदेश जारी



होते ही प्रवर्तन टीमों ने कोच्चि सहित राज्य भर के ईंधन स्टेशनों पर ई 20 पेट्रोल के नमूने एकत्र करने की प्रक्रिया शुरू कर दी। एर्नाकुलम जिले के चेम्बुमुक्कू स्थित इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के एक पेट्रोल पंप पर अधिकारियों ने तेल कंपनी के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में पेट्रोल के कई बैच से नमूने लिए। निरीक्षण की निगरानी कर रहे एर्नाकुलम के जिला नागरिक आपूर्ति अधिकारी शाजी पीआर ने बताया कि चेम्बुमुक्कू स्थित पंप से साधारण पेट्रोल के एक-एक लीटर के छह नमूने एकत्र किए गए हैं। इनमें से दो नमूनों को एथनॉल की मात्रा जांचने के लिए लैब भेज दिया गया है और रिपोर्ट का इंतजार है।

**दीवाली की रात**

# देश भर में आग से 23 की मौत

## एमपी में 13 की जान गई,महाराष्ट्र में एक ही परिवार के 6 की मौत



**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दीवाली की रात देश के कई शहरों में पटाखों और अन्य कारणों से लगी आग में 23 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल और कुछ लापता हैं।

सबसे ज्यादा मौतें मध्य प्रदेश में हुईं, जहां तीन अलग-अलग घरों में आग लगने से 13 लोगों की जान चली गई। वहीं महाराष्ट्र के धाराशिव जिले में एक मकान में रहने वाले परिवार के छह लोगों की मौत हो गई।

मुंबई के लोखंडवाला में आग लगने की एक अन्य घटना में भी एक व्यक्ति की जान चली गई। इसके अलावा, राजस्थान के पाली में पटाखों की दुकान में आग लगने से 2 लोगों की मौत हो गई, जबकि 3 लोग लापता हैं।

हादसे में तीन दुकानें और कई दोपहिया वाहन जल गए। वहीं, दिल्ली के नरेला में रॉकेट पटाखा पेट में लगने से 10 साल के बच्चे की मौत हो गई। मध्य प्रदेश के कटनी जिले में मकान में आग लगने से एक ही परिवार के 6 लोगों की मौत हो गई। इनमें 3 बच्चे भी शामिल हैं जिनमें से एक 2 महीने का था। वहीं, सिवनी जिले में सराफा व्यापारी के मकान में आग लगने से 6 लोगों की जान चली गई। इनमें एक 16 साल का किशोर भी शामिल है।

### यूपी में कबाड़ की दुकान, 25 लाख का नुकसान

उत्तर प्रदेश के बांदा में कबाड़ की दुकान में आग लगने से करीब 20-25 लाख रुपए का नुकसान हुआ। पुणे में आग की 63 घटनाएं हुईं, इनमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। जम्मू के नेहरू मार्केट में आग से 12 से ज्यादा दुकानें जल गईं, जबकि नागपुर में टीवीएस शोरूम में आग लगने से कई दोपहिया वाहन जल गए।

### मुंबई के डोंगरी में झुग्गियों में आग

मुंबई के डोंगरी इलाके में आग से कई दुकानें और झुग्गियां जल गईं, जबकि दादर के कामगार स्टेडियम में लगी आग पर दमकलकर्मियों ने 17 मिनट में काबू पा लिया। महाराष्ट्र के ठाणे में 17 मंजिला बिल्डिंग में आग लगी। ठाणे में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। इसके अलावा असम के जोनाई, पुणे के वडगांव शेरी, मुंबई के विद्याविहार, सिक्किम के गंगटोक में सरकारी आवास और गाजियाबाद के क्रॉसिंग रिपब्लिक इलाके में भी आग लगने की घटनाएं सामने आईं। इन घटनाओं के बाद दमकल विभाग और पुलिस की टीमें राहत एवं बचाव कार्य में जुटी रहीं।

# मोदी ने बस्तर में जवानों के साथ मनाई दीवाली

*कहा-हथियार वाले नक्सली गए, अब दिमागी नक्सलियों से लड़ना होगा, ये लोगों को भड़का रहे*



**नई दिल्ली (एजेंसी)।** पीएम मोदी ने रविवार को कहा कि नक्सलवाद का खतरा अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। जंगलों से हथियारबंद नक्सलियों का सफाया हो चुका है, लेकिन अब दिमागी नक्सलियों से खतरा है। उन्होंने दावा किया कि इन लोगों ने कई राजनीतिक संगठनों में घुसपैठ कर ली है। हमें उनकी पहचान कर खत्म करना होगा। ये लोगों को संविधान और लोकतंत्र के खिलाफ भड़का रहे हैं। पीएम ने यह बात छत्तीसगढ़ के बस्तर में कोबरा ऑपरेशंस बेस में जवानों के सामने कही। पीएम यहां दीवाली मनाने पहुंचे थे। उन्होंने 42 मिनट स्पीच दी। पीएम लगातार 13वीं बार जवानों के साथ दीवाली मनाने पहुंचे थे। इससे पहले 12 मौकों पर उन्होंने देश के अलग-अलग सीमावर्ती इलाकों का दौरा किया था। सबसे ज्यादा 3 बार जम्मू-कश्मीर गए। दो-दो बार हिमाचल प्रदेश और लद्दाख जा चुके हैं।

### पीएम बोले-देश का हर जिला नक्सलवाद से मुक्त हुआ

2026 की दीवाली बेहद खास है। 40-50 साल बाद पहली बार देश का हर जिला नक्सलवाद से मुक्त हुआ है। करोड़ों लोगों ने नक्सलवाद का डर पीछे छोड़ दिया है। पिछले एक साल में ड्यूटी के दौरान सीआरपीएफ के किसी जवान की जान नहीं गई। यह सुरक्षा बलों के शौर्य, साहस और सरकार की सही नीतियों की जीत है। 2004 से 2013 तक हर साल नक्सलियों के मुकाबले हमारे ज्यादा जवान शहीद हुए। पिछली सरकारों ने नक्सलवाद को ऐसी बीमारी मान लिया था, जिसका कोई इलाज नहीं है। जब किसी देश की आंतरिक सुरक्षा मजबूत होती है, तो बाहरी दुश्मन सफल नहीं हो पाते, लेकिन जब आंतरिक सुरक्षा कमजोर होती है, तो बाहरी दुश्मन भी सिर उठाने लगते हैं। वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि पिछले 12 साल में भारत के 50 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं।

**राहुल गांधी ने आठ दिन में पीएम को 6वीं बार दी चुनौती**

# पीएम ने हमें नक्सली कहा मुझसे बहस करें

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक बार फिर खुली बहस की चुनौती दी है। इस बार उन्होंने सीधे सीआरपीएफ के जवानों को टैग करके पोस्ट किया है। पिछले 8 दिन में यह छठी बार है, जब राहुल गांधी ने पीएम मोदी को बहस के लिए बोला है। राहुल गांधी ने ङ्क पर लिखा -प्रिय सीआरपीएफ के जवानों, आपके चेहरों ने सब बता दिया - आपको प्रधानमंत्री के झूठ पर भरोसा नहीं। उन्होंने हमें नक्सली कहा। मेरी चुनौती कायम है। वो मुझसे बहस करें - देशद्रोही कौन है पता चल जाएगा।



**मोदी ने कहा था-दिमागी नक्सलियों से लड़ना है-** छत्तीसगढ़ के बस्तर में सुरक्षा बलों के साथ दिवाली मनाने के बाद पीएम मोदी ने उन्हें संबोधित भी किया था। वहां पीएम ने कहा - ये पहली दीवाली है जब देश का हर जिला नक्सलवाद से मुक्त है। उन्होंने कहा- नक्सलवाद का खतरा अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। जंगलों से हथियारबंद नक्सलियों का सफाया हो चुका है, लेकिन अब दिमागी नक्सलियों से खतरा है। उन्होंने दावा किया कि इन लोगों ने कई राजनीतिक संगठनों में घुसपैठ कर ली है। हमें उनकी पहचान कर खत्म करना होगा। ये लोगों को संविधान और लोकतंत्र के खिलाफ भड़का रहे हैं।

### 1930 में आरएसएस पर बैन लगाने की हुई थी कोशिश

**नागपुर (एजेंसी)।** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने 1930 के दशक का एक किस्सा सुनाते हुए बताया कि उस समय सेंट्रल प्रोविंस की विधानसभा में संघ पर प्रतिबंध लगाने की कोशिश हुई थी। उन्होंने कहा- उस समय संघ के समर्थन में कोई स्वयंसेवक सामने नहीं आया था। ऐसे में इब्राहिम नाम के एक व्यक्ति ने संघ का पक्ष रखते हुए कहा था कि संघ को बंद नहीं किया जाना चाहिए और क्योंकि वह सांप्रदायिक संगठन नहीं है। भागवत ने बताया कि इब्राहिम का कहना था- जो लोग कहते हैं कि हिंदुस्तान हिंदू राष्ट्र है, उन्हें मेंटल हॉस्पिटल भेज देना चाहिए। मैं डॉ. हेडगेवार को जानता हूं, वह मेंटल नहीं हैं, वह एक अच्छे इंसान हैं।



**4 दिन से फरार था,मई में भाजपा सरकार बनने के बाद चौथा एनकाउंटर**

# बंगाल में भतीजी से रेप-मर्डर का आरोपी एनकाउंटर में ढेर

**कोलकाता (एजेंसी)।** पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले में 12 साल की भतीजी से रेप-मर्डर के आरोपी दिलीप रॉय की सोमवार सुबह पुलिस एनकाउंटर में मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, रायगंज के परापुकुर गांव में उसे पकड़ने के लिए छापेमारी की गई थी। इस दौरान आरोपी ने पुलिस पर गोली चलाई, जो पुलिस वैन के टायर में लगी। जवाबी गोलीबारी में वह घायल हो गया। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस घटना के बाद से फरार आरोपी की चार दिन से तलाश कर रही थी। राज्य मंत्री दिलीप घोष ने कहा कि कानून तोड़ने वालों को पुलिस का सामना करना पड़ेगा। राज्य में मई में भाजपा की सरकार बनने के बाद पुलिस मुठभेड़ में किसी आरोपी की मौत का यह चौथा मामला है। परिवार के मुताबिक, बच्ची 3 नवंबर को साइकिल लेकर घर से निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। 5 नवंबर को कुलिक नदी के पास जंगल में उसका शव मिला। परिजनों ने दुष्कर्म के बाद हत्या का आरोप लगाया था। पुलिस के मुताबिक, दिलीप रॉय बच्ची का रिश्तेदार था और उसे नदी दिखाने के बहाने जंगल ले गया था। घटना के बाद वह फरार हो गया था।



### बंगाल में 5 महीने में रेप के 2,454 और हत्या के 600 मामले

पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार बनने के बाद 1 मई से 24 सितंबर के बीच रेप के 2,454 मामले दर्ज हुए। यानी औसतन हर दिन करीब 17 मामले सामने आए। इस दौरान हत्या के 600, हत्या की कोशिश के 13,114 और गंभीर चोट पहुंचाने के 32,341 मामले भी दर्ज किए गए। वहीं, क्राइम सीन रीक्रिएशन के दौरान पुलिस की रिवॉल्वर छीनकर फायरिंग करने वाले आरोपी की मौत छह महीने में यह चौथी घटना है। ये आंकड़े राज्य अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के हवाले से आरटीआई के जवाब में सामने आए हैं। आरटीआई आवेदन टीएमसी नेता और पूर्व राज्यसभा सांसद साकेत गोखले ने दाखिल किया था।

### 4 आतंकियों की तलाश, लालचौक पर बैनर लगा

**श्रीनगर (एजेंसी)।** श्रीनगर के लाल चौक इलाके में रविवार सुबह चार वांटेड आतंकियों की जानकारी मांगने वाला बैनर लगाया गया है। यह बैनर प्रताप पार्क की दीवार पर टांगा गया है। इसमें आतंकियों के नाम और तस्वीरें हैं। बैनर में मोहम्मद लतीफ भट की तस्वीर भी शामिल है। वह इस साल जुलाई में अनंतनाग में एक पुलिसकर्मी की हत्या में शामिल था। इसके अलावा बिलाल अहमद मीर, मोहम्मद उमर मीर और आबिद कयूम लोन का नाम भी है। ये तीनों बारामूला जिले के रहने वाले हैं। बैनर पर लिखा है, जो भी इन आतंकियों की आवाजाही या मौजूदगी के बारे में विश्वसनीय जानकारी दे सकता है, उसकी पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी और अच्छा इनाम दिया जाएगा। **लतीफ पर 15 लाख का ईनाम पहले से-** इससे पहले अगस्त-सितंबर में काउंटर इंटेलीजेंस कश्मीर ने वांछित लश्कर-ए-तैयबा आतंकी लतीफ अहमद भट की गिरफ्तारी के लिए श्रीनगर के विभिन्न इलाकों में पोस्टर लगाए हैं।

# हर्ष मल्होत्रा ने हाथी घाट पर छठ की तैयारियों का किया निरीक्षण

## 14 से 16 नवंबर तक आंदोलन न करने की अपील

**नई दिल्ली, 09 नवम्बर (वेब वार्ता)।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा और दिल्ली सरकार के मुख्य प्रवक्ता एवं विधायक अभय वर्मा ने सोमवार को लक्ष्मी नगर विधानसभा स्थित हाथी घाट, आई.टी.ओ. पर छठ महापर्व की तैयारियों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि छठ एक आस्था का एवं प्रकृति पूजन का महापर्व है, जिसमें स्वच्छता का विशेष महत्व है।

हर्ष मल्होत्रा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पूरी दिल्ली, विशेषकर पूर्वी दिल्ली में छठ घाटों की सभी तैयारियां 13 नवंबर की शाम तक हर हाल में पूरी कर ली जाएं। उन्होने घाट की दीवारों पर किये आस्था से



जुड़े सौन्दर्यीकरण की सराहना की। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से अपील की कि लोक आस्था के महापर्व के तीन दिनों 14 से 16 नवंबर के बीच दिल्ली में कोई आंदोलन ना रखा जाए, ताकि व्रतधारी महिलाओं को कोई असुविधा ना हो। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि इस बार पूर्वांचल मोर्चा के साथ-साथ महिला मोर्चा एवं युवा मोर्चा के कार्यकर्ता सभी घाटों पर सेवा वालंटियर के रूप में श्रद्धालुओं की सहायता करेंगे। इस अवसर पर विधायक अभय वर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता स्वयं इस छठ महापर्व आयोजन की तैयारियों पर लगातार निगाह रखे हुए हैं और यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि श्रद्धालुओं को हर सुविधा उपलब्ध हो। उन्होने कहा की सरकार का प्रयास रहेगा की इस बार लक्ष्मी नगर विधान सभा के सभी घाट मॉडल घाट के रूप में उभरें। इस अवसर पर दिल्ली सरकार एवं नगर निगम के संबंधित अधिकारी और भाजपा पूर्वांचल मोर्चा अध्यक्ष संतोष ओझा एवं पूर्व महापौर बिपिन बिहारी सिंह उपस्थित रहे।

# 1984 के पीड़ित परिवारों को न्याय, सम्मान और सहारा देना दिल्ली सरकार का संकल्प : रेखा गुप्ता

**नई दिल्ली, 09 नवम्बर (वेब वार्ता)।** दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी के आवास पर आयोजित 'संवाद- 1984 के सिख नरसंहार के पीड़ित परिवारों के साथ' कार्यक्रम में भागीदारी की। इस अवसर पर उन्होंने पीड़ित परिवारों के सदस्यों से मुलाकात कर उनकी पीड़ा, संघर्ष और लंबे समय से न्याय की प्रतीक्षा से जुड़ी भावनाओं को सुना। उन्होंने कहा कि 1984 की घटनाओं को याद करना आज भी बेहद पीड़ादायक है। पीड़ित परिवारों ने वर्षों तक जिन कठिन परिस्थितियों का सामना किया है, उनका दर्द शब्दों में व्यक्त करना संभव नहीं है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दीपावली जैसे खुशियों के त्योहार के अवसर पर भी इन परिवारों के मन में अपने प्रियजनों को खोने का दर्द उमड़ आता है। उन्होंने कहा कि वर्ष 1984 में जो हुआ, उसे केवल दंगों की संज्ञा देना उचित नहीं है। यह दो समूहों के बीच संघर्ष नहीं था, बल्कि निर्दोष और बेगुनाह लोगों पर किया गया एकतरफा हमला था। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवारों द्वारा सुनाई गई घटनाएं अत्यंत हृदयविदारक हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 1984 के पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास किए गए। प्रधानमंत्री जी द्वारा विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया, जिसके माध्यम से उन मामलों की जांच आगे बढ़ी, जिनमें पहले कार्रवाई नहीं हो पाई थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाना केवल एक प्रशासनिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि उनके प्रति हमारी नैतिक जिम्मेदारी भी है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार ने पीड़ित परिवारों के जीवन को बेहतर बनाने और उन्हें आर्थिक एवं सामाजिक सहारा देने के लिए लगातार प्रयास किए हैं। पिछले डेढ़ वर्ष में पीड़ित परिवारों के 150 सदस्यों को सरकारी नौकरी दी जा चुकी है। इसके साथ ही नियुक्ति प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए नियमों में आवश्यक बदलाव किए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि नियुक्ति के लिए शिक्षा संबंधी शर्तों में राहत दी गई है और आयु सीमा को भी शिथिल किया गया है। अब परिवार के पात्र सदस्य की उम्र अधिक होने या निर्धारित शैक्षणिक योग्यता पूरी न होने के कारण नियुक्ति में बाधा नहीं आएगी। परिवार अपनी परिस्थितियों के अनुसार उस सदस्य को नौकरी के लिए नामित कर सकता है, जिसे वे उपयुक्त समझते हैं। उन्होंने कहा कि जिन परिवारों के दस्तावेज और मामले स्पष्ट हो रहे हैं, उन्हें लगातार नियुक्ति प्रदान की जा रही है।

# दिवाली पर पंजाब में पराली जलाने की घटनाओं में 10 गुना वृद्धि- कपिल मिश्रा

## 'किसान पूरी कोशिश कर रहे थे कि पराली न जलाएं।'

**नई दिल्ली, 09 नवम्बर (वेब वार्ता)।** दिल्ली के पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने पंजाब में दिवाली के दिन पराली जलाने की 10 गुना वृद्धि (1200 घटनाओं) को लेकर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि दिवाली की शाम से पंजाब के किसानों के फोन आने शुरू हुए, जिनमें बताया गया कि जब किसान अपने परिवार के साथ दिवाली मना रहे थे, उस दौरान उनके खेतों में आग लगाई जा रही थी। शुरुआत में इन शिकायतों पर विश्वास करना कठिन था, लेकिन लगातार विभिन्न क्षेत्रों से ऐसी सूचनाएं मिलने के बाद मामले की गंभीरता को देखते हुए भारत सरकार के सैटेलाइट डेटा मंगवाया गया। कपिल मिश्रा ने सोमवार को अपने सरकारी आवास 9 शाम नाथ मार्ग, सिविल लाइन पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि सैटेलाइट आंकड़ों के अनुसार पंजाब में 5, 6 और 7 नवंबर को पराली जलाने की घटनाएं लगभग 100 से 125 के बीच दर्ज हुई थीं, जबकि 8 नवंबर की शाम यह संख्या अचानक बढ़कर लगभग 1200 हो गई। उन्होंने कहा कि कुछ ही दिनों में घटनाओं की संख्या में इतनी बड़ी वृद्धि कई गंभीर सवाल खड़े करती है। उन्होंने आशंका जताई कि किसानों के खेतों में जानबूझकर



आग लगाकर दिवाली, किसानों और दिल्ली को बदनाम करने का प्रयास किया गया है। कपिल मिश्रा ने कहा कि '7 नवंबर को लगभग 125 स्थानों पर पराली जलने की घटनाएं थीं, फिर दिवाली के दिन अचानक 1200 स्थानों पर आग कैसे लग गई? 10 गुना से ज्यादा आंकड़ा कैसे बढ़ गया? यह बहुत गंभीर विषय है। 'मंत्री कपिल मिश्रा ने पंजाब के किसानों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि किसान पूरी कोशिश कर रहे थे कि पराली न जलाएं। कुछ जगहों पर मजबूरी में आग लगी होगी, लेकिन दिवाली के दिन अचानक इतनी बड़ी संख्या में घटनाएं सामने आना कई गंभीर सवाल खड़े करता है। उन्होंने कहा कि 'यह किसानों के खिलाफ साजिश है, यह दिवाली के खिलाफ साजिश है, यह दिल्ली के खिलाफ साजिश है और यह पंजाब के खिलाफ साजिश है। ' कपिल मिश्रा ने पंजाब के विभिन्न शहरों के प्रदूषण स्तर का उल्लेख करते हुए कहा कि 9 नवंबर की सुबह मलोट में एक्यूआई 1238, अबोहर में 1307 और संगरूर में 1651 दर्ज किए जाने की जानकारी सामने आई है। उन्होंने कहा कि पंजाब के किसानों और आम नागरिकों का भी दम घुट रहा है। उन्होंने सवाल किया कि 'आज संगरूर का जो एक्यूआई है, उसकी जिम्मेदारी किसकी होगी? बठिंडा का AQI किसकी जिम्मेदारी होगी?

# मुख्यमंत्री ने एक दीप सैनिकों और पुलिसकर्मियों के नाम जलाने का किया आह्वान

**नई दिल्ली, 09 नवम्बर (वेब वार्ता)।** दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दीपावली के पावन अवसर पर सभी दिल्लीवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए सुख, समृद्धि, खुशहाली और मंगलमय जीवन की कामना की। उन्होंने कहा कि हम सभी अपने परिवारों के साथ हंसी-खुशी और सुकून से त्योहार मना पाते हैं, क्योंकि देश के लाखों जवान दिन-रात हमारी सीमाओं की रक्षा में तैनात रहते हैं। उनका समर्पण और सतर्कता हमें सुरक्षित वातावरण में अपने त्योहार मनाने का अवसर देता है। मुख्यमंत्री ने एक दीप सैनिकों और पुलिसकर्मियों के नाम जलाने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि दीपावली के इस पावन अवसर पर हमें उन वीर जवानों और सुरक्षा कर्मियों को भी याद करना चाहिए, जो देश और समाज की सुरक्षा के लिए निरंतर अपना कर्तव्य निभाते हैं। उन्होंने आग्रह किया कि अपने घरों में दीप जलाते समय एक दीप देश के सैनिकों, जवानों और पुलिसकर्मियों के नाम भी जलाएं। यह दीप उन सभी के प्रति सम्मान, कृतज्ञता और अपनत्व का प्रतीक होगा, जो त्योहारों के अवसर पर भी अपने कर्तव्य को सर्वोपरि रखते हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने दिल्ली के सफाई कर्मियों के योगदान को भी विशेष रूप से सराहा। उन्होंने कहा कि दीपावली के अवसर पर जब पूरा शहर उत्सव की खुशियों में डूबा होता है, तब हमारे सफाई कर्मी दिल्ली को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने के लिए पूरी निष्ठा से काम करते हैं। उनकी मेहनत और समर्पण से ही राजधानी की स्वच्छता और सुंदरता कायम रहती है। मुख्यमंत्री ने सभी सफाई कर्मियों को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि उनका योगदान सम्मान और सराहना का हकदार है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली की दीपावली अपनी विविधता और सांस्कृतिक एकता के लिए विशेष है। राजधानी में देश के अलग-अलग राज्यों और संस्कृतियों से जुड़े लोग मिलकर इस त्योहार को उत्साह और उमंग के साथ मनाते हैं। दिल्ली की सांस्कृतिक विविधता और सामूहिक उत्सव की भावना ही दीपावली के इस पावन अवसर को और मजबूत करेगा।

## खड़गे के 'खुशियों की ईद' वाले बयान पर भाजपा का हमला, कांग्रेस को बताया हिंदू-विरोधी

**नई दिल्ली, 09 नवम्बर (वेब वार्ता)।**

भाजपा ने सोमवार को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के 'खुशियों की ईद' वाले बयान पर तीखा हमला बोला। भाजपा ने कांग्रेस पर 'हिंदू-विरोधी और सनातन-विरोधी मानसिकता' रखने का आरोप लगाया और खड़गे को 'रिमोट-कंट्रोल से चलने वाला अध्यक्ष' बताया। नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि जब भी देश में जश्न का माहौल होता है, तो कांग्रेस तुष्टिकरण की राजनीति करती है और हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं का अनादर करती है। भाटिया ने कहा कि पूरे देश में खुशी और जश्न का माहौल साफ तौर पर देखा जा सकता है। लेकिन जब भी भारत में खुशी और जश्न का माहौल होता है, तो कांग्रेस जैसी विपक्षी पार्टी सिर्फ तुष्टिकरण की राजनीति क्यों करती है? यह हिंदू अनुयायियों और सनातनियों की भावनाओं का भी अनादर और अपमान करती है, जो हिंदुत्व को बहुत सम्मान की दृष्टि से देखते हैं। यह अब कांग्रेस पार्टी का चरित्र बन गया है। यह कांग्रेस पार्टी का डीएनए है। खड़गे पर निशाना साधते हुए भाजपा प्रवक्ता ने उन्हें 'रिमोट-कंट्रोल्ड अध्यक्ष' बताया और आरोप लगाया कि उन्हें कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी नियंत्रित कर रही हैं, जबकि पार्टी के नेतृत्व में राहुल गांधी की भी भूमिका है।

उन्होंने आरोप लगाया कि मल्लिकार्जुन खड़गे जो भी बयान देते हैं, उसे राहुल गांधी, सोनिया गांधी और खुद खड़गे की हिंदू-विरोधी और सनातन-विरोधी सोच के रूप में देखा जाना चाहिए। अपने शब्दों और बयानों के जरिए, वे उसी विचारधारा को आगे बढ़ा रहे हैं। भाटिया ने कहा कि भाजपा को यह उम्मीद नहीं थी कि खड़गे हिंदुओं को दिवाली की बधाई देंगे, लेकिन उन्होंने त्योहार का जिक्र करते समय उनके शब्दों के चुनाव पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि हम सभी भगवान राम का सम्मान करते हैं। फिर भी, कांग्रेस - या यूं कहें कि 'मुस्लिम पार्टी' - के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे 'दिवाली' शब्द बोलने में हिचकिचाते हैं और इसके बजाय इसे 'खुशियों की एक ईद' कहते हैं। दिवाली को 'खुशियों की ईद' बताने पर सवाल उठाते हुए, भाटिया ने आरोप लगाया कि हिंदू त्योहार का जिक्र करते समय खड़गे असहज नजर आ रहे थे।

# दिल्ली इमारत हादसा: सात मजदूरों की मौत पर आआपा का सरकार पर हमला, मुआवजा और कार्रवाई की मांग

**नई दिल्ली, 09 नवम्बर (वेब वार्ता)।** आम आदमी पार्टी (आआपा) ने दिल्ली में इमारत हादसे में सात मजदूरों की मौत के मामले को लेकर सरकार पर तीखा हमला बोला है। बुराड़ी से विधायक संजीव झा और विधायक कुलदीप कुमार ने सोमवार को पार्टी मुख्यालय में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए दिल्ली में इमारत हादसे में सात मजदूरों की मौत पर मृतकों के परिजनों को उचित मुआवजा देने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। आआपा नेता संजीव झा ने कहा कि साकेत में हुए बिल्डिंग हादसे के समय सरकार की ओर से इमारतों का ऑडिट कराने और




जर्जर इमारतों के खिलाफ कार्रवाई करने का आश्वासन दिया गया था। यदि उस समय इमारतों का ऑडिट और जरूरी कार्रवाई कर दी गई होती, तो शायद चावड़ी बाजार में सात मजदूरों की जान नहीं जाती। उन्होंने आरोप लगाया कि बिल्डिंग ऑडिट के नाम जमीनी स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो रही है। संजीव झा ने सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि एक तरफ सात मजदूरों की मौत हो गई, वहीं दूसरी ओर पूरी कैबिनेट दिवाली उत्सव मनाने में व्यस्त रही। मंत्रियों के आवासों पर कार्यक्रम आयोजित हो रहे थे और सरकार जश्न में डूबी हुई थी, लेकिन हादसे में जान गंवाने वाले मजदूरों के परिवारों की सुध लेने वाला कोई नहीं था। उन्होंने कहा कि तीन दिनों तक रेस्क्यू अभियान चला, लेकिन सरकारी अधिकारी दिवाली समारोह में व्यस्त रहे। संजीव झा ने मुख्यमंत्री से अपील की कि उत्सव और समारोहों से समय निकालकर मृतक मजदूरों के परिवारों को उचित मुआवजा दिया जाए और हादसे के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। पराली जलाने के मुद्दे पर संजीव झा ने कहा कि यदि कपिल मिश्रा के दावों को सही भी मान लिया जाए, तब भी आंकड़ों के मुताबिक पहले पराली जलाने की करीब 72 हजार घटनाएं होती थीं, जो घटकर अब 1,500 से 2,000 के बीच रह गई हैं। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी सरकार के दौरान पराली जलाने की घटनाओं में करीब 90 प्रतिशत की कमी आई थी। झा ने कहा कि किसानों की सराहना करने के बजाय उन्हें निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने सरकार से मांग की है कि हादसे की निष्पक्ष जांच कराई जाए, लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों और जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई हो तथा मृतक मजदूरों के परिवारों को जल्द उचित मुआवजा दिया जाए।

## दिल्ली में गंभीर प्रदूषण के लिए पराली और स्थानीय स्रोत दोनों जिम्मेदार, समाधान मार्केट लिंकेज और तकनीकी सुधार में : चंद्र भूषण

**नई दिल्ली।** देश की राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में दिवाली के बाद प्रदूषण चरम सीमा पर पहुंच चुका है। पर्यावरणविद और आईफॉरेस्ट के सीईओ-अध्यक्ष चंद्र भूषण ने कहा कि इस समय दिल्ली के वायु प्रदूषण का करीब 50 फीसदी कारण पराली जलाना है। उन्होंने बताया कि 30 अक्टूबर की बारिश के बाद पराली जलाने की घटनाएं लगभग पांच गुना बढ़ी हैं, जिसका असर सैटेलाइट इमेज से भी दिख रहा है और इसका समाधान कंबाइन हार्वेस्टर को री-डिजाइन करने और पराली के लिए मजबूत मार्केट लिंकेज बनाने में है।

# दिल्ली में सरकारी सेवाओं में देरी पर तय होगी जवाबदेही

**नई दिल्ली, 09 नवम्बर (वेब वार्ता)।** दिल्ली सरकार ने 'दिल्ली (नागरिकों को समयबद्ध एवं सुगम सेवा वितरण का अधिकार) अधिनियम, 2026' (दिल्ली राइट ऑफ सिटिजन टू टाइम बाउंड एंड ईज ऑफ डिलीवरी ऑफ सर्विस एक्ट, 2026) को अधिसूचित किया है। इसका उद्देश्य सरकारी विभागों में सेवाओं के वितरण को निर्धारित समय-सीमा से बांधना और अनावश्यक देरी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करना है। यह अधिनियम वर्ष 2011 के पुराने समयबद्ध सेवा वितरण कानून की जगह एक अधिक आधुनिक और जवाबदेह व्यवस्था स्थापित करेगा।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को कहा कि नए कानून से नागरिकों को सरकारी सेवाएं निर्धारित समय के भीतर प्राप्त करने का वैधानिक अधिकार मिलेगा। सरकार अधिसूचना के माध्यम से यह तय करेगी कि कौन-कौन सी सेवाएं इस कानून के दायरे में आएंगी और प्रत्येक सेवा को उपलब्ध कराने के लिए अधिकतम कितने दिन निर्धारित होंगे। प्रत्येक सेवा के लिए एक नामित अधिकारी की जिम्मेदारी तय की जाएगी। संबंधित विभागों, स्थानीय निकायों और अधिसूचित संस्थाओं को भी कानून के दायरे में लाया जा सकेगा।

उन्होंने कहा कि इससे किसी आवेदन के लंबित रहने पर जिम्मेदारी तय करना

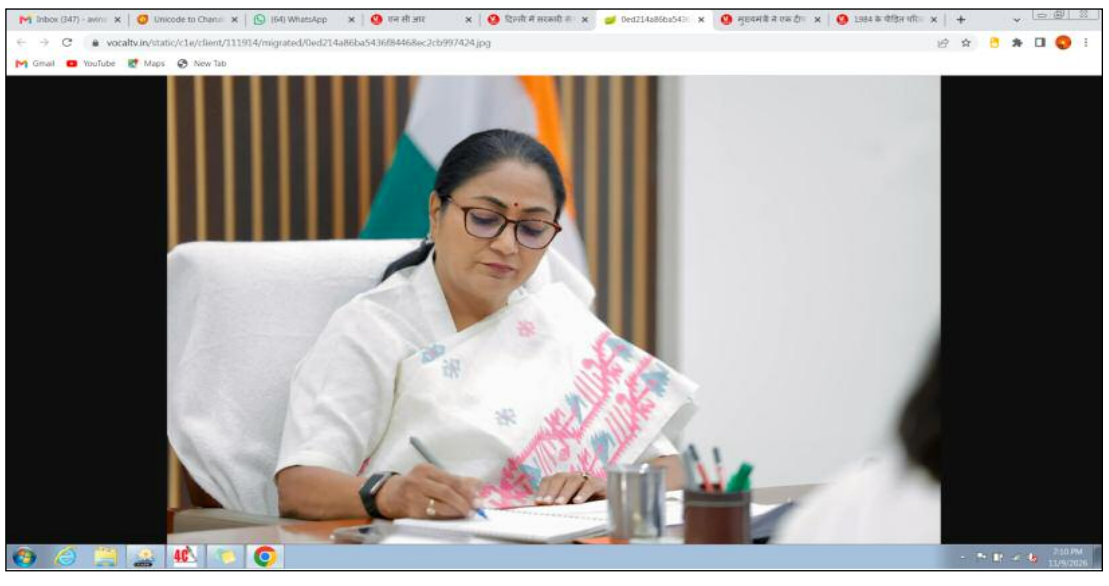

आसान होगा। इस व्यवस्था का लाभ यह होगा कि नागरिकों को अपनी सेवा के लिए अनिश्चितकाल तक प्रतीक्षा नहीं करनी पड़ेगी। उन्हें यह जानकारी रहेगी कि उनका काम किस अधिकारी को करना है और उसे पूरा करने की निर्धारित समय-सीमा क्या है। मुख्यमंत्री ने बताया कि अधिनियम में सरकारी सेवाओं के लिए ऑनलाइन आवेदन और उनकी निगरानी की व्यवस्था की गई है। प्रत्येक आवेदन को एक विशिष्ट आवेदन संख्या दी जाएगी, जिसके माध्यम से आवेदक अपने आवेदन की स्थिति ऑनलाइन देख सकेंगे। संबंधित विभागों को सभी आवेदनों का डिजिटल रिकॉर्ड रखना होगा और उनकी स्थिति नियमित रूप से अपडेट करनी होगी।

उन्होंने कहा कि आवेदन प्राप्त होने के बाद निर्धारित समय-सीमा में सेवा उपलब्ध कराना अथवा आवेदन अस्वीकार करने का कारण लिखित रूप में बताना संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारी होगी। इससे नागरिकों को केवल अपने आवेदन की जानकारी लेने के लिए बार-बार सरकारी कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। साथ ही, विभागीय स्तर पर लंबित मामलों की निगरानी भी अधिक प्रभावी ढंग से हो सकेगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस अधिनियम का एक महत्वपूर्ण प्रावधान स्वतः अपील (ऑटोमेटिक एस्क्लेशन) की व्यवस्था है। यदि नामित अधिकारी निर्धारित समय-सीमा में सेवा उपलब्ध नहीं कराता है तो मूल आवेदन को ही नागरिक शिकायत निवारण प्राधिकरण के समक्ष अपील माना जाएगा। नागरिक को केवल देरी के कारण अलग से अपील दाखिल करने की जरूरत नहीं होगी। प्रत्येक विभाग में नामित अधिकारी से वरिष्ठ स्तर के अधिकारी को नागरिक शिकायत निवारण प्राधिकरण के रूप में नियुक्त किया जाएगा। यह प्राधिकरण मामले की सुनवाई करेगा, आवश्यक होने पर सेवा उपलब्ध कराने का निर्देश देगा और देरी के लिए जिम्मेदारी भी तय कर सकेगा। उन्होंने बताया कि अपील का सामान्यतः 30 दिनों के भीतर निपटारा करना होगा। यदि प्राधिकरण निर्धारित अवधि में अपील का निपटारा नहीं करता है तो मामला स्वतः दिल्ली सेवा अधिकार आयोग तक पहुंचने की व्यवस्था भी की गई है।

## दिल्ली में गंभीर प्रदूषण के लिए पराली और स्थानीय स्रोत दोनों जिम्मेदार, समाधान मार्केट लिंकेज और तकनीकी सुधार में : चंद्र भूषण

**नई दिल्ली, 09 नवम्बर (वेब वार्ता)।**

देश की राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में दिवाली के बाद प्रदूषण चरम सीमा पर पहुंच चुका है। पर्यावरणविद और आईफॉरेस्ट के सीईओ-अध्यक्ष चंद्र भूषण ने कहा कि इस समय दिल्ली के वायु प्रदूषण का करीब 50 फीसदी कारण पराली जलाना है। उन्होंने बताया कि 30 अक्टूबर की बारिश के बाद पराली जलाने की घटनाएं लगभग पांच गुना बढ़ी हैं, जिसका असर सैटेलाइट इमेज से भी दिख रहा है और इसका समाधान कंबाइन हार्वेस्टर को री-डिजाइन करने और पराली के लिए मजबूत मार्केट लिंकेज बनाने में है। पर्यावरणविद और इंटरनेशनल फोरम फॉर एनवायरनमेंट सस्टेनबिलिटी एंड टेक्नोलॉजी के सीईओ-अध्यक्ष चंद्र भूषण ने कहा, 'आज के दिन में वायु प्रदूषण का जो प्रमुख कारण है, वह पराली जलाना है। दिल्ली का अपना प्रदूषण तो है ही। प्रदूषण के स्रोत हैं गाड़ियां हैं, फैक्टरियां हैं, घरों से निकलने वाला प्रदूषण है। वह लगभग 50 फीसदी है, लेकिन आज के दिन जो 50 फीसदी प्रदूषण आप देख रहे हैं, वह पराली जलाने से है। इस पर अब कोई विवाद नहीं है।' उन्होंने कहा कि पिछले 10 दिनों में अगर आप देखें, बारिश के बाद दिल्ली में 30 अक्टूबर को बारिश हुई थी।

## दिवाली पर दिल्ली में आग संबंधी सूचनाओं में गिरावट, कोई बड़ी घटना नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली अग्निशमन सेवा को इस साल दिवाली के दौरान आग संबंधी 257 सूचनाएं प्राप्त हुईं, जिसमें पिछले साल की तुलना में 4.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। राजधानी में पिछले साल आग संबंधी 269 सूचनाएं दर्ज की गई थीं। अग्निशमन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, इस साल आग की किसी बड़ी घटना की सूचना नहीं मिली और प्राप्त सभी सूचनाएं मामूली या मध्यम स्तर की आग की घटनाओं से संबंधित थीं। अधिकारी ने बताया कि विभाग को 2025 की तुलना में इस साल 12 कम सूचनाएं प्राप्त हुईं। दिवाली से पहले, दिल्ली अग्निशमन सेवा ने भीड़भाड़ वाले रिहायशी इलाकों और व्यस्त बाजारों सहित संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त अग्निशमन कर्मियों और वाहनों को तैनात करके अपनी आपातकालीन प्रतिक्रिया व्यवस्था को मजबूत किया था। त्वरित प्रतिक्रिया दलों को ऐसे स्थानों पर तैनात किया गया था जो आग लगने के लिहाज से संवेदनशील हैं। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि दमकल वाहन बिना किसी देरी के घटना स्थल तक पहुंच सकें। अधिकारियों के मुताबिक, विभाग ने किसी भी स्थिति से निपटने के लिए अपने नियंत्रण कक्ष और आपातकालीन प्रतिक्रिया नेटवर्क को भी अलर्ट पर रखा था।

## दीपावली पर झुलसने के 42 मामले एम्स में आए, पांच मरीजों की सर्जरी हुई

नई दिल्ली (एजेंसी)। दीपावली के दौरान पटाखों और अन्य कारणों से झुलसने के कुल 42 मामले अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में आए। इनमें 11 मरीज गंभीर रूप से झुलसे हैं, जबकि 31 को मामूली चोटें आई हैं। गंभीर रूप से झुलसे मरीजों में चार आईसीयू और सात वार्ड में भर्ती हैं। अब तक पांच मरीजों की सर्जरी की गई है। एम्स के प्लास्टिक, रिकंस्ट्रक्टिव और बर्न्स सर्जरी विभाग की ओर से सोमवार को जारी आधिकारिक सूचना के अनुसार यह स्थिति सोमवार सुबह 11 बजे तक की है। इनमें 37 मामले पटाखों से जलने के हैं, जबकि दो लोग पोटाश से झुलसे हैं। पोटाश से झुलसने वालों में 13 साल का एक बच्चा भी शामिल है। फिलहाल 8 मरीज अस्पताल में भर्ती हैं, जिनमें एक की हालत गंभीर है। झुलसने वालों में 10 वर्ष से कम उम्र के छह बच्चे हैं। इनमें सबसे कम उम्र का बच्चा पांच साल का है। आठ साल का एक बच्चा शरीर का 45 प्रतिशत हिस्सा जलने के कारण गंभीर स्थिति में है। 10 से 18 वर्ष आयु वर्ग के 12 और 18 से 60 वर्ष आयु वर्ग के 22 मामले हैं। 60 वर्ष से अधिक उम्र का एक मरीज भी शामिल है। एम्स ने बताया कि इसके अलावा आंखों में चोट के कुछ मरीज सीधे आरपी सेंटर के नेत्र आपातकालीन विभाग में आए हो सकते हैं। ऐसे मरीजों की संख्या इन आंकड़ों में शामिल नहीं की गई है।

## हजरत निजामुद्दीन यार्ड में रेलवे पार्सल से 1,286 किलोग्राम संदिग्ध मांस जब्त, एफएसएल जांच के आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली के हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन यार्ड में रेलवे पार्सल के बीच लगभग 1,286 किलोग्राम ऐसा सामान मिला है, जिसके मांस होने का संदेह है। पुलिस ने एक अपुष्ट जानकारी मिलने के बाद जांच शुरू की थी, जिसमें बताया गया था कि इस खेप में बीफ (गोमांस) हो सकता है, जिसे मटन या मांस बताकर ले जाया जा रहा था। जानकारी के अनुसार, यह मामला 8 नवंबर 2026 को सामने आया, जब बड़ौदा हाउस स्थित रेलवे विजिलेंस यूनिट को सुबह करीब 9 बजे सूचना मिली कि रेलवे यार्ड में आए एक कार्गो कंसाइनमेंट में संदिग्ध बीफ ले जाया जा रहा है। इस सूचना के बाद, जांच अधिकारी और स्टेशन हाउस ऑफिसर (एसएचओ) मौके पर पहुंचे ताकि माल की जांच की जा सके और जरूरी कानूनी कार्रवाई शुरू की जा सके। पुलिस को थर्मोकोल के 20 कार्टन मिले, जिनमें ऐसा सामान था, जिसके मांस होने का संदेह है। इन पैकेजों का वजन लगभग 1,286.35 किलोग्राम था। यह माल हैदराबाद से ट्रेन नंबर 12721, 'दक्षिण एक्सप्रेस' के जरिए नई वाशिंग लाइन पहुंचा था। पुलिस द्वारा दी गई शुरुआती जानकारी के अनुसार, इस माल को 'मटन' और 'मीट' बताकर बुक किया गया था। नमूने लेने और यह पता लगाने के लिए कि वह सामान असल में क्या है, मौके पर फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी की टीम और एक पशु चिकित्सक को बुलाया गया। पुलिस ने बताया कि इन नमूनों की जांच की जाएगी। साथ ही, 'ई-साक्ष्य' प्लेटफॉर्म के जरिए जरूरी कागजी कार्रवाई सहित अन्य कानूनी औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं। मौके पर गवर्नमेंट रेलवे पुलिस और रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स की टीमें भी मौजूद थीं। पुलिस ने बताया कि नमूने लेने के बाद, जब्त किए गए सामान को नष्ट करने या उसके निपटान के लिए आगे की कानूनी प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इस बात का पता लगाने के लिए जांच चल रही है कि असल में वह सामान क्या था और उसे किस तरह से ले जाया जा रहा था। इससे पहले अक्टूबर में एक अलग मामले में, गुजरात के कलोल की एक सेशन कोर्ट ने तीन लोगों को गोहत्या और मांस बेचने की कोशिश करने के आरोप में आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। अगस्त 2024 में पुलिस की एक छापेमारी के दौरान उनके पास से 277 किलोग्राम बीफ जब्त किया गया था, जिसकी कीमत लगभग 55,000 रुपए थी। अदालत ने प्रत्येक दोषी पर 2 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया।

## दिमागी नक्सल वाले बयान पर राहुल का पीएम को बहस की चुनौती, कहा...

## पीएम ने हमें नक्सली कहा, मुझसे बहस करें

नई दिल्ली (एजेंसी)। राहुल गांधी ने पीएम मोदी को एक बार फिर खुली बहस की चुनौती दी है। इस बार उन्होंने सीधे सीआरपीएफ के जवानों को टैग करके पोस्ट किया है। राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा कि प्रिय सीआरपीएफ के जवानों, आपके चेहरों ने सब बता दिया - आपको प्रधानमंत्री के झूठ पर भरोसा नहीं। उन्होंने हमें नक्सली कहा। मेरी चुनौती कायम है। वो मुझसे बहस करें - देशद्रोही कौन है और विदेशी ताकतों के इशारे पर कौन चल रहा है। कोई भी समय, किसी भी जगह। मेरी गारंटी है उस बहस के बाद प्रधानमंत्री में एक भी जवान के सामने खड़े होने की हिम्मत नहीं होगी। पिछले 8 दिन में यह छठी बार है, जब राहुल ने पीएम मोदी को बहस के लिए बोला है। दरअसल, पीएम मोदी ने इस बार दिवाली छत्तीसगढ़ के बस्तर में सीआरपीएफ जवानों के साथ मनाई थी। राहुल ने उसी सेलिब्रेशन का एक वीडियो भी शेयर किया है। दरअसल, छत्तीसगढ़ के बस्तर में सुरक्षा बलों के साथ दिवाली मनाने के बाद पीएम मोदी ने उन्हें संबोधित भी किया था। वहां पीएम ने कहा - ये पहली दिवाली है जब देश का हर जिला नक्सलवाद से मुक्त है। उन्होंने कहा- नक्सलवाद का खतरा अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। जंगलों से हथियारबंद नक्सलियों का सफाया हो चुका है, लेकिन अब दिमागी नक्सलियों से खतरा है। उन्होंने दावा किया कि इन लोगों ने कई राजनीतिक संगठनों में घुसपैठ कर ली है। हमें उनकी पहचान कर खत्म करना होगा। ये लोगों को संविधान और लोकतंत्र के खिलाफ भड़का रहे हैं।

## मातृत्व-करियर संतुलन : एनसीडब्ल्यू का साझा जिम्मेदारी पर जोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने कहा कि मातृत्व को महिलाओं के करियर में बाधा नहीं बननी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि बच्चे के जन्म के बाद भी महिलाएं अपनी पेशेवर यात्रा जारी रख सकें, इसके लिए माता-पिता के बीच बच्चों के पालन-पोषण की जिम्मेदारी का समान बंटवारा और मजबूत संस्थागत सहयोग जरुरी है। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रहाटकर के अनुसार, बच्चे की परवरिश माता और पिता दोनों की समान जिम्मेदारी है। उन्होंने एक इसतरह के सहयोगात्मक माहौल के निर्माण का आह्वान किया, जहां महिलाएं मातृत्व की जिम्मेदारियों को निभाकर अपनी पेशेवर आकांक्षाओं को पूरा करे। उन्होंने बच्चों की देखभाल के लिए अवकाश (लीव) के महत्व पर प्रकाश डाला, यह देखकर की मोदी सरकार यह सुविधा प्रदान कर रही है, लेकिन इस कोशिश को निचले स्तरों और निजी कंपनियों तक भी व्यापक रूप से पहुंचाने के प्रयासों की आवश्यकता है। एनसीडब्ल्यू अध्यक्ष ने कहा कि महिलाओं को अपने सपनों को साकार करने और करियर में आगे बढ़ने का मौका मिलना चाहिए, बिना मातृत्व से समझौता किए। उनका मानना है कि अगर माता-पिता मिलकर बच्चों का पालन-पोषण करें और आयोग द्वारा सुझाई गई अन्य सिफारिशों पर अमल हो, तब महिलाएं घर और बच्चों की देखभाल कुशलता से कर सकेंगी, साथ ही अपने करियर को भी जारी रख सकेंगी।

# दिल्ली में प्रदूषण का कहर: अक्षरधाम में एक्यूआई 840 के पार, लोगों को सांस लेने में हो रही परेशानी

**नई दिल्ली, एजेंसी।**
राजधानी दिल्ली में प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ता जा रहा है। दीपावली के बाद कई इलाकों में हवा की गुणवत्ता बेहद खराब स्थिति में पहुंच गई है। अक्षरधाम में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) करीब 840 दर्ज किए जाने की जानकारी सामने आई है। प्रदूषण के बढ़ते स्तर के कारण लोगों को आंखों में जलन, सांस लेने में तकलीफ और अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। जहरीली हवा को लेकर स्थानीय लोगों में चिंता बढ़ती जा रही है। लोगों ने बच्चों, बुजुर्गों और अस्थमा के मरीजों का विशेष ध्यान रखने की अपील की है।
प्रदूषण को लेकर शाहदरा निवासी एक युवक ने कहा कि दीपावली भारत का सबसे बड़ा और पवित्र त्योहार है। यह भगवान श्रीराम के वनवास से लौटने की खुशी में मनाया जाता है लेकिन लोगों को त्योहार मनाते समय दूसरों की सेहत का भी ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि बच्चों और बुजुर्गों के स्वास्थ्य को लेकर विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। अस्थमा के मरीजों और छोटे बच्चों के फेफड़ों पर प्रदूषण का अधिक असर पड़ सकता है।
युवक ने दावा किया कि दीपावली की रात दिल्ली के कई इलाकों में प्रदूषण का स्तर काफी बढ़ गया था। उन्होंने बताया कि समाचारों में द्वारका के कुछ इलाकों में एक्यूआई 2700 के पार पहुंचने की जानकारी देखी थी। वहीं, शाहदरा, नई दिल्ली, चांदनी चौक और लक्ष्मी नगर जैसे क्षेत्रों में भी एक्यूआई 1500 से 1700 के बीच होने का दावा किया। हालांकि, इन आंकड़ों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।
एक अन्य स्थानीय युवक ने कहा कि दिल्ली में प्रदूषण की समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है। दीपावली की शाम से ही हवा की गुणवत्ता बिगड़ने लगी थी। उन्होंने कहा कि प्रदूषण को लेकर चेतावनी और सावधानियां जारी होने के बावजूद लोगों ने लापरवाही बरती और आतिशबाजी के जरिए प्रदूषण बढ़ाया।
वहीं, जयपुर से आए एक बुजुर्ग ने दिल्ली की हवा को बेहद खराब बताया। उन्होंने कहा कि जयपुर की तुलना में दिल्ली में प्रदूषण काफी अधिक महसूस हो रहा है। आसमान में धुंध छाई हुई है और सूरज भी ठीक से दिखाई नहीं दे रहा है। उन्होंने पंजाब सहित अन्य राज्यों में पराली जलाने को भी दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण की एक बड़ी वजह बताया।
दिल्ली में बिगड़ती वायु गुणवत्ता ने एक बार फिर स्वास्थ्य और पर्यावरण को लेकर चिंता बढ़ा दी है। स्थानीय लोगों का कहना



है कि प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए सरकार के साथ-साथ आम नागरिकों को भी जिम्मेदारी समझनी होगी।

## दिल्ली में सरकारी सेवाओं में देरी पर तय होगी जवाबदेही

**नई दिल्ली, एजेंसी।**
दिल्ली सरकार ने 'दिल्ली (नागरिकों को समयबद्ध एवं सुगम सेवा वितरण का अधिकार) अधिनियम, 2026' (दिल्ली राइट ऑफ सिटिजन टू टाइम बाउंड एंड ईज ऑफ डिलीवरी ऑफ सर्विस एक्ट, 2026) को अधिसूचित किया है। इसका उद्देश्य सरकारी विभागों में सेवाओं के वितरण को निर्धारित समय-सीमा से बांधना और अनावश्यक देरी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करना है। यह अधिनियम वर्ष 2011 के पुराने समयबद्ध सेवा वितरण कानून की जगह एक अधिक आधुनिक और जवाबदेह व्यवस्था स्थापित करेगा।
मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को कहा कि नए कानून से नागरिकों को सरकारी सेवाएं निर्धारित समय के भीतर प्राप्त करने का वैधानिक अधिकार मिलेगा। सरकार अधिसूचना के माध्यम से यह तय करेगी कि कौन-कौन सी सेवाएं इस कानून के दायरे में आएंगी और प्रत्येक सेवा को उपलब्ध कराने के लिए अधिकतम कितने दिन निर्धारित होंगे। प्रत्येक सेवा के लिए एक नामित अधिकारी की जिम्मेदारी तय की जाएगी। संबंधित विभागों, स्थानीय निकायों और अधिसूचित संस्थाओं को भी कानून के दायरे में लाया जा सकेगा।
उन्होंने कहा कि इससे किसी आवेदन के लंबित रहने पर जिम्मेदारी तय करना आसान होगा। इस व्यवस्था का लाभ यह होगा कि नागरिकों को अपनी सेवा के लिए अनिश्चितकाल तक प्रतीक्षा नहीं करनी पड़ेगी। उन्हें यह जानकारी रहेगी कि उनका काम किस अधिकारी को करना है और उसे पूरा करने की निर्धारित समय-सीमा क्या है।
मुख्यमंत्री ने बताया कि अधिनियम में सरकारी सेवाओं के लिए ऑनलाइन आवेदन और उनकी निगरानी की व्यवस्था की गई है। प्रत्येक आवेदन को एक विशिष्ट आवेदन संख्या दी जाएगी, जिसके माध्यम से आवेदक अपने आवेदन की स्थिति ऑनलाइन देख सकेंगे। संबंधित विभागों को सभी आवेदनों का डिजिटल रिकॉर्ड रखना होगा और उनकी स्थिति नियमित रूप से अपडेट करनी होगी।
उन्होंने कहा कि आवेदन प्राप्त होने के बाद निर्धारित समय-सीमा में सेवा उपलब्ध कराना अथवा आवेदन अस्वीकार करने का कारण लिखित रूप में बताना संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारी होगी। इससे नागरिकों को केवल अपने आवेदन की जानकारी लेने के लिए बार-बार सरकारी कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। साथ ही, विभागीय स्तर पर लंबित मामलों की निगरानी भी अधिक प्रभावी ढंग से हो सकेगी।
मुख्यमंत्री ने बताया कि इस अधिनियम का एक महत्वपूर्ण प्रावधान स्वतः अपील (ऑटोमेटिक एस्क्लेशन) की व्यवस्था है। यदि नामित अधिकारी निर्धारित समय-सीमा में सेवा उपलब्ध नहीं कराता है तो मूल आवेदन को ही नागरिक शिकायत निवारण प्राधिकरण के समक्ष अपील माना जाएगा। नागरिक को केवल देरी के कारण अलग से अपील दाखिल करने की जरूरत नहीं होगी। प्रत्येक विभाग में नामित अधिकारी से वरिष्ठ स्तर के अधिकारी को नागरिक शिकायत निवारण प्राधिकरण के रूप में नियुक्त किया जाएगा। यह प्राधिकरण मामले की सुनवाई करेगा, आवश्यक होने पर सेवा उपलब्ध कराने का निर्देश देगा और देरी के लिए जिम्मेदारी भी तय कर सकेगा। उन्होंने बताया कि अपील का सामान्यतः 30 दिनों के भीतर निपटारा करना होगा। यदि प्राधिकरण निर्धारित अवधि में अपील का निपटारा नहीं करता है तो मामला स्वतः दिल्ली सेवा अधिकार आयोग तक पहुंचने की व्यवस्था भी की गई है। आयोग दूसरी अपीलों की सुनवाई करने के साथ कानून के क्रियान्वयन की निगरानी करेगा। उसे सरकारी कार्यालयों का निरीक्षण करने, विभागीय कार्रवाई की सिफारिश करने, प्रक्रियाओं में सुधार सुझाने और आवश्यक मामलों में स्वतः संज्ञान लेकर जांच करने का अधिकार होगा।
मुख्यमंत्री ने कहा कि नए नियम में अधिकारियों की जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए आर्थिक दंड का भी प्रावधान किया गया है। यदि बिना उचित कारण सेवा देने में देरी होती है तो संबंधित अधिकारी पर देरी के प्रत्येक दिन के लिए 250 रुपये का अर्थदंड लगाया जा सकेगा। इसकी अधिकतम सीमा 5,000 रुपये निर्धारित की गई है। इसके अलावा किसी आवेदन को अनुचित या बिना पर्याप्त कारण अस्वीकार करने पर 250 से लेकर 5,000 रुपये तक का एकमुश्त अर्थदंड लगाया जा सकेगा। आर्थिक दंड लगाने से पहले संबंधित अधिकारी को अपना पक्ष रखने और स्पष्टीकरण देने का पर्याप्त अवसर देना होगा। इसका उद्देश्य सरकारी सेवाओं में अनावश्यक देरी कम करना, शिकायतों का प्रभावी निपटारा करना और प्रशासन को नागरिकों के प्रति अधिक संवेदनशील बनाना है।
मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य केवल सरकारी सेवाएं उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक को सम्मान, पारदर्शिता और निर्धारित समय-सीमा के भीतर उसका अधिकार सुनिश्चित करना है। समय पर सेवा मिलना नागरिक का अधिकार और प्रशासन की जिम्मेदारी है। नया समयबद्ध सेवा वितरण अधिनियम इसी सोच का परिणाम है।

## पेंशन वैलीडेशन एक्ट भेदभावपूर्ण, मोदी सरकार वापस ले: सुभाष लांबा

**नई दिल्ली, एजेंसी।**
अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुभाष लांबा ने वित्त अधिनियम, 2025 के तहत लाए गए पेंशन वैलीडेशन प्रावधानों की तीखी आलोचना की है। उन्होंने इस एक्ट को पेंशनभोगियों के हितों पर सीधा हमला बताकर केंद्र सरकार से एक्ट को तत्काल वापस लेने की मांग की है। लांबा ने स्पष्ट किया कि यह नया कानून सरकार को सेवानिवृत्ति की तारीख के आधार पर पेंशनभोगियों के बीच भेदभाव करने का अधिकार देता है, जिससे पुराने पेंशनभोगियों की पेंशन संशोधन को लेकर गंभीर अनिश्चितता पैदा हो गई है।
उन्होंने आठवें केंद्रीय वेतन आयोग के टर्म्स ऑफ रेफरेंस में पेंशनभोगियों की पेंशन रिवीजन की स्पष्ट व्यवस्था न होने पर सवाल उठाए, विशेषकर तब जब इसमें गैर-अंशदायी पेंशन के खर्च को शामिल किया गया है। लांबा ने जोर देकर कहा कि पेंशन कर्मचारी की दशकों की सेवा से अर्जित सामाजिक सुरक्षा का अधिकार है, न कि सरकार की कृपा या वित्तीय बोझ। सेवानिवृत्ति की तारीख के आधार पर पेंशनभोगियों को अलग-अलग वर्गों में बांटना सरासर अन्यायपूर्ण है और केंद्र सरकार को बंद करना चाहिए।
महासंघ के अध्यक्ष ने मांग की कि सरकार को 1 जनवरी, 2026 से पहले और बाद में सेवानिवृत्त होने वाले सभी कर्मचारियों की पेंशन समान रूप रूप से संशोधित करने की स्पष्ट गारंटी देनी चाहिए। उन्होंने पीएफआरएडी एक्ट, एनपीएस और यूपीएस को कर्मचारियों की सामाजिक सुरक्षा को कमजोर करने वाला बताते हुए, इन तीनों को रद्द कर पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) को तत्काल बहाल करने की अपील की।
पेंशन वैलीडेशन एक्ट की वापसी, पुरानी पेंशन बहाली सहित कर्मचारियों एवं पेंशनभोगियों के ज्वलंत मुद्दों को लेकर 12 दिसंबर को नई दिल्ली के रामलीला मैदान में एक विशाल कर्मचारी आक्रोश रैली आयोजित की जाएगी। इस रैली में कम्युटेशन राशि की वसूली 10 साल 8 महीने में करने, 65, 70 और 75 वर्ष की आयु में मूल पेंशन में 5 प्रतिशत की वृद्धि, आठवें वेतन आयोग में 3.8 फिटमेंट फैक्टर और 5 प्रतिशत वार्षिक वेतन वृद्धि जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे प्रमुखता से उठाए जाएंगे। इसके अतिरिक्त, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के लिए न्यूनतम 40 हजार रुपये वेतन, निजीकरण पर रोक, ठेका कर्मियों को नियमित करना, खाली पदों पर स्थायी भर्ती, टीईटी अनिवार्यता समाप्त करना और 18 महीने का डीए/ डीआर जारी करने की मांगें भी रखी जाएंगी। लांबा ने देशभर के कर्मचारियों, शिक्षकों और पेंशनभोगियों से इस रैली में भारी संख्या में शामिल होकर सरकार को अपनी एकजुट शक्ति का प्रदर्शन करने का आह्वान किया।

## एक्यूआई आंकड़ों में फर्जीवाड़ा कर दिल्लीवालों को धोखा दे रही सरकार : सौरभ भारद्वाज




नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी ने आरोप लगाया है कि दिल्ली में प्रदूषण के वास्तविक आंकड़ों के साथ भाजपा सरकार फर्जीवाड़ा कर लोगों की जान के साथ खिलवाड़ कर रही है। प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि जब प्रदूषण को वास्तविक आंकड़ों से कम दिखाया जाएगा, तो इससे हार्ट अटैक, अस्थमा, रेस्पिरेटरी फेल्योर समेत अन्य गंभीर स्थितियां पैदा हो सकती हैं। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि सरकार औसत एक्यूआई कम दिखाने के लिए मॉनिटरिंग स्टेशन पर पानी का छिड़काव कर रही है और 20 स्टेशनों को हरे-भरे इलाकों में लगाया है। इस फर्जीवाड़े में शामिल होने के कारण ही शिकायत के बावजूद सीएक्यूएम और सीपीसीबी कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है। सौरभ भारद्वाज ने बताया कि सरकार ने बाकायदा 20 नए मॉनिटरिंग स्टेशन हरे-भरे और खुले इलाकों में लगाए हैं। आनंद विहार और जहांगीरपुरी जैसे इलाकों में प्रदूषण, ट्रैफिक और आबादी ज्यादा है। इसलिए सरकार ने ऐसे नए इलाके ढूंढे जहां आबादी और ट्रैफिक कम है और हरे-भरे हैं। जब इसका औसत निकाला जाएगा, तो औसत कम हो जाएगा। इससे प्रदूषण कम नहीं होगा, मगर डेटा कम करके दिखाया जाएगा। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि जहांगीरपुरी आईटीआई के एक्यूआई मॉनिटरिंग स्टेशन के ऊपर लगातार पानी छिड़का जा रहा है। प्रदूषण कम न हो, मगर पानी के छिड़काव से एक्यूआई का डेटा कम हो जाता है। उन्होंने कहा कि जो सरकार दीवाली की रात को एक्यूआई मॉनिटरिंग स्टेशन बंद करा दे, उस सरकार पर कैसे विश्वास किया जा सकता है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि सरकार से हमारा निवेदन है कि जानता को सच्चा एक्यूआई दिखाइए। अगर ऐसा नहीं किया गया, तो जो लोग बीमार हैं, जो बुजुर्ग हैं और जो बच्चे हैं, उनकी जान जा सकती है।

## दीपावली पर सफदरजंग अस्पताल में 2 दिन में आए 135 बर्न इंजरी के केस, 129 पटाखों से जले

नई दिल्ली (एजेंसी)। दीपावली के दौरान राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पटाखों से जलने के मामलों में भारी बढ़ोतरी देखने को मिली है। वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल के बर्न्स इमरजेंसी विभाग में 7 और 8 नवंबर को दो दिनों में दीपावली से जुड़े जलने के कुल 135 मामले दर्ज किए गए। अधिकारियों ने बताया कि इनमें से 129 मामले पटाखों से लगी चोट के कारण थे जबकि बाकी 6 मामले दीये से जलने के थे। दीपावली के मौके पर देशभर में कई जगहों से आग लगने की घटनाएं भी सामने आईं। अधिकारियों के मुताबिक, दीपावली से जुड़ी चोटों के लिए इलाज कराने आए मरीजों में 35 बच्चे पटाखों से जलने के शिकार हुए और उनका अस्पताल की ओपीडी में इलाज किया गया। हालांकि, एक बच्चे को आगे के इलाज के लिए भर्ती करना पड़ा। त्योहार के दौरान बर्न इंजरी के मामलों में संभावित बढ़ोतरी को देखते हुए अस्पताल ने पहले से तैयारी कर रखी थी। अस्पताल ने दीपावली से जुड़े जलने के कारण भर्ती होने वाले मरीजों के लिए 20 बेड अलग से रखे थे। अधिकारियों ने बताया, 'इनमें से दीपावली से जुड़ी बर्न इंजरी से पीड़ित सात मरीज अभी अस्पताल में भर्ती हैं।' अस्पताल ने त्योहार के दौरान मरीजों की संख्या बढ़ने की आशंका को देखते हुए जरूरी व्यवस्थाएं की थीं और प्रभावित लोगों को उचित चिकित्सा और इलाज देना जारी है। एहतियाती उपायों के महत्व को दोहराते हुए अस्पताल ने जोर दिया कि पटाखों से जुड़ी चोटों को रोकने और पूरे समुदाय की सुरक्षा के लिए जन जागरूकता, जिम्मेदार तरीके से पटाखे जलाना और सावधानियों का सख्ती से पालन करना जरूरी है।

### 88 दिन से संसद का मानसून सत्र खत्म न होने पर अमित शाह पर कांग्रेस का आरोप, कहा...

# परिसीमन बिल पास कराने दो-तिहाई बहुमत जुटाने की हो रही कोशिश

**नई दिल्ली, एजेंसी।**
कांग्रेस ने सोमवार को संसद के मानसून सत्र का औपचारिक समापन नहीं होने को लेकर मोदी सरकार पर निशाना साधा है। पार्टी ने आरोप लगाया कि सरकार ने जानबूझकर सत्रावसान नहीं किया। यानी औपचारिक तौर पर संसद सत्र का समापन नहीं किया। ताकि गृह मंत्री अमित शाह को लोकसभा में किसी तरह दो-तिहाई बहुमत जुटाने का समय मिल सके। कांग्रेस का दावा है कि सरकार इस बहुमत के जरिए परिसीमन से जुड़े विधेयकों को पास कराना चाहती है।
कांग्रेस महासचिव (संचार प्रभारी) जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि संसद के मानसून सत्र को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हुए 88 दिन हो चुके हैं, लेकिन अब तक उसका औपचारिक समापन यानी सत्रावसान नहीं किया गया है। उनके मुताबिक, यह अब तक का सबसे लंबा अंतर है।

**2008 का रिकॉर्ड भी टूटा**

मानसून सत्र की आखिरी बैठक 13 अगस्त को हुई थी। इसके बाद लोकसभा और राज्यसभा को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया था। हालांकि, दोनों सदनों का औपचारिक सत्रावसान नहीं हुआ। इससे पहले 2008 में मानसून सत्र के दौरान 87 दिनों तक सत्रावसान नहीं हुआ था। जयराम रमेश ने संसदीय कार्यप्रणाली पर लिखी किताब 'प्रैक्टिस एंड प्रोसीजर ऑफ पार्लियामेंट' का हवाला देते हुए कहा कि आमतौर पर लोकसभा के अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होने और उसके सत्रावसान के बीच दो से चार दिनों का अंतर होता है। इससे पहले अधिकतम अंतर 28 दिनों का रहा था, जो 2015 के मानसून सत्र में दर्ज किया गया था। हालांकि, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने 19 अक्टूबर को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को लिखे पत्र में 2008 के मानसून सत्र का जिक्र करते हुए 87 दिनों तक सत्रावसान नहीं होने की बात कही थी। जयराम रमेश ने कहा कि सरकार के अपने आंकड़ों के मुताबिक भी अब नया रिकॉर्ड बन गया है।



## संपादकीय

# कथावाचकों का बाजार और आस्था का कारोबार



भारत की पहचान सदियों से आध्यात्मिकता, धार्मिक सहिष्णुता और नैतिक मूल्यों की भूमि के रूप में रही है। यहाँ धर्म का अर्थ केवल पूजा-पाठ, कर्मकांड और मंदिरों में दर्शन करना नहीं, बल्कि सत्य, करुणा, सेवा, त्याग और मानवता को जीवन में उतारना रहा है। संतों, ऋषियों और मनीषियों ने धर्म को मनुष्य के भीतर की चेतना को जागृत करने का माध्यम बनाया। रामायण, महाभारत, श्रीमद्भगवद्गीता और पुराणों की कथाएँ पीढ़ियों को जीवन जीने की कला सिखाती रही हैं। लेकिन आज धार्मिक आयोजनों और कथाओं के बढ़ते वैभव के बीच एक गंभीर प्रश्न खड़ा हो रहा है कि क्या धर्म वास्तव में जनकल्याण का माध्यम बना हुआ है या धीरे-धीरे एक बड़े व्यावसायिक आयोजन में परिवर्तित होता जा रहा है?

आज देश के विभिन्न हिस्सों में कथा-वाचन का एक विशाल संसार खड़ा हो गया है। बड़े-बड़े पंडाल, भव्य मंच, आकर्षक सजावट, महंगे ध्वनि उपकरण, विशेष अतिथि, प्रचार वाहन और सामाजिक माध्यमों पर व्यापक प्रचार धार्मिक आयोजनों की पहचान बनते जा रहे हैं। कथावाचकों की लोकप्रियता अब केवल उनके ज्ञान और विचारों से नहीं, बल्कि उनके अनुयायियों की संख्या, आयोजनों की भव्यता और उनकी प्रसिद्धि से भी आँकी जाने लगी है। कुछ कथावाचकों के कार्यक्रमों में उमड़ने वाली भीड़ किसी बड़े मनोरंजन आयोजन का दृश्य प्रस्तुत करती है। धार्मिक प्रवचन के साथ-साथ प्रसिद्धि, प्रचार और आर्थिक सामर्थ्य का प्रदर्शन भी दिखाई देने लगा है। कथा-वाचन अपने आप में सम्मानजनक और महत्वपूर्ण परंपरा है। कथावाचक समाज को धार्मिक ग्रंथों का मर्म समझाते हैं, नैतिक शिक्षा देते हैं और लोगों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ते हैं। अनेक संत और विद्वान बिना किसी दिखावे के वर्षों से समाज में आध्यात्मिक चेतना फैलाने का कार्य कर रहे हैं। समस्या कथावाचन की परंपरा में नहीं, बल्कि उसके व्यावसायीकरण में है। जब कथा की गुणवत्ता से अधिक कथावाचक की कीमत महत्वपूर्ण हो जाए, जब आयोजन की सफलता का पैमाना श्रद्धालुओं की संख्या और चढ़ावे की राशि बन जाए तथा जब धर्म के नाम पर आर्थिक सामर्थ्य का प्रदर्शन होने लगे, तब आत्ममंथन आवश्यक हो जाता है। आज कई धार्मिक आयोजनों में कथावाचकों के आगमन, मंच व्यवस्था, ठहरने, सुरक्षा और अन्य सुविधाओं पर भारी धनराशि खर्च की जाती है। आयोजकों और श्रद्धालुओं के बीच प्रतिष्ठा की प्रतिस्पर्धा भी दिखाई देती है। कौन कितना बड़ा आयोजन करवा सकता है, किसके कार्यक्रम में कितनी भीड़ आई और किस कथावाचक के मंच पर कौन-सी प्रतिष्ठित हस्ती पहुँची, ये चर्चाएँ कथा के मूल संदेश पर भारी पड़ने लगती हैं। कहीं-कहीं कथा-वाचन के नाम पर आर्थिक लेन-देन और महँगी व्यवस्थाओं की चर्चा भी सार्वजनिक होती है। हालाँकि सभी कथावाचकों या आयोजनों को एक ही दृष्टि से देखना उचित नहीं है,

# प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा का वैश्विक सम्मान



महेन्द्र तिवारी
साहित्यकार एवं लेखक
पूर्व वायुसैनिक, नई दिल्ली

भारतवर्ष की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और दार्शनिक विरासत अत्यंत प्राचीन और बहुआयामी है। हाल ही में इस समृद्ध परंपरा को वैश्विक स्तर पर एक नई और ऐतिहासिक पहचान प्राप्त हुई है। इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय समिति की बैठक में यह अत्यंत महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया कि भारत की तीन महान और प्राचीन रचनाओं को एशिया प्रशांत क्षेत्र के विश्व स्मृति पटल पर अंकित किया जाएगा। इस निर्णय के साथ ही अब इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय सूची में भारत की कुल छह रचनाएं सम्मिलित हो गई हैं। यह सम्पूर्ण राष्ट्र के लिए असीम गौरव और हर्ष का विषय है। यह मान्यता इस बात का अकाट्य प्रमाण है कि भारत का बौद्धिक अन्वेषण और चिंतन सम्पूर्ण मानव जाति के लिए असीमित महत्व रखता है।

इन तीनों ग्रंथों का चयन केवल उनके प्राचीन होने के कारण नहीं किया गया है। इनका चयन इसलिए हुआ है क्योंकि इनमें निहित ज्ञान, दर्शन और नीतियां आज के आधुनिक युग में भी पूरी तरह से प्रासंगिक हैं। ये ग्रंथ मानव सभ्यता को सही मार्ग दिखाने वाले प्रकाश स्तंभ की तरह हैं। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के पीछे भारत के संस्कृति मंत्रालय और विशेष रूप से इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र का अथक और निरंतर प्रयास रहा है। इस संस्थान के सदस्य सचिव डॉक्टर सच्चिदानंद जोशी और उनके दल ने इन अमूल्य पांडुलिपियों के ऐतिहासिक महत्व को विश्व पटल पर अत्यंत तार्किक और प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। उनकी इसी लगन और भगीरथ प्रयास के कारण ही राष्ट्र को यह सफलता प्राप्त हो सकी है।

इस सूची में सम्मिलित होने वाली पहली



महान रचना महाकवि कल्हण द्वारा रचित राजतरंगिणी है। बारहवीं शताब्दी में रची गई यह कृति केवल कश्मीर घाटी का सामान्य इतिहास नहीं है। यह संपूर्ण भारतीय उपमहाद्वीप में इतिहास लेखन की एक अत्यंत प्रामाणिक, तटस्थ और वैज्ञानिक पद्धति का प्रतिनिधित्व करती है। प्राचीन काल से ही यह भ्रांति फैली हुई थी कि भारतीयों को अपना इतिहास व्यवस्थित तरीके से लिखना नहीं आता था। कल्हण की राजतरंगिणी इस निराधार भ्रांति को पूरी तरह से नष्ट कर देती है। इस ग्रंथ में प्राचीन राजाओं की वंशावली और उनके उत्थान तथा पतन के कारणों का अत्यंत निष्पक्ष भाव से वर्णन किया गया है। कल्हण ने एक सच्चे इतिहासकार की भांति केवल तत्कालीन शासकों की प्रशंसा ही नहीं की, बल्कि उनकी त्रुटियों और अत्याचारों का भी उल्लेख किया है। यह ग्रंथ उस समय की सामाजिक स्थिति, आर्थिक व्यवस्था और भौगोलिक परिस्थितियों का अत्यंत सजीव चित्र प्रस्तुत करता है।

दूसरी महान रचना महर्षि वेदव्यास द्वारा रचित महाभारत है। महाभारत को केवल एक महाकाव्य या दो परिवारों के बीच हुए युद्ध की कथा मान लेना इसकी व्यापकता को सीमित करना होगा। यह ग्रंथ वास्तव में मानवीय भावनाओं, धर्म, कर्तव्य, नीति, राजनीति, समाजशास्त्र और दर्शन का एक अनंत सागर है। भारतीय परंपरा में इसे पंचम वेद का दर्जा प्राप्त है। महाभारत मानव मन की गहराइयों, उसकी कमजोरियों और जटिलताओं का जितना सूक्ष्म विश्लेषण करता है, वैसा संसार के किसी अन्य साहित्य में मिलना दुर्लभ है। इस ग्रंथ में मानव जीवन का कोई ऐसा पक्ष नहीं है जिसका वर्णन न हो। यह ग्रंथ सिखाता है कि जब व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाएं और लालच लोक कल्याण पर हावी हो जाते हैं, तो विनाश निश्चित होता है। इसी महाकाव्य में श्रीमद्भगवद्गीता का वह अमूल्य उपदेश समाहित है जो आज भी हर संशयग्रस्त मनुष्य को सही मार्ग दिखाता है। महाभारत का यह सार्वभौमिक संदेश कि धर्म की रक्षा करने पर ही धर्म हमारी रक्षा करता है, आज के संघर्षरत विश्व के लिए संजीवनी के समान है।

तीसरी रचना जिसने वैश्विक पटल पर अपना स्थायी स्थान सुनिश्चित किया है, वह है आचार्य चाणक्य अर्थात कौटिल्य द्वारा रचित अर्थशास्त्र। लगभग तेईस सौ वर्ष पूर्व लिखा गया यह ग्रंथ राज्य संचालन, लोक प्रशासन, कूटनीति, अर्थनीति, न्याय व्यवस्था और सैन्य रणनीति का अमर मार्गदर्शक है। आचार्य चाणक्य ने एक ऐसे मजबूत और कल्याणकारी राज्य की कल्पना की थी जिसमें प्रजा के सुख और हित में ही राजा का सुख निहित होता है। उन्होंने राजा के कर्तव्यों, योग्य मंत्रियों की नियुक्ति, कर प्रणाली और न्याय प्रक्रिया का इतना सूक्ष्म और व्यावहारिक वर्णन किया है कि आधुनिक युग के प्रशासक भी आश्चर्यचकित रह जाते हैं। अर्थशास्त्र केवल कोरे सिद्धांतों की पुस्तक नहीं है, बल्कि यह पूर्ण रूप से व्यावहारिकता पर आधारित नियमावली है। विदेशी राज्यों के साथ संबंध स्थापित करने को लेकर कौटिल्य का मंडल सिद्धांत आज भी अंतरराष्ट्रीय संबंधों और कूटनीति को समझने के लिए अत्यंत उपयोगी है। ऐसे महान ग्रंथ का विश्व स्मृति पटल पर अंकित होना इस बात की स्वीकृति है कि प्राचीन भारत का चिंतन अपने समय से कई सदियां आगे था।

इन तीनों अमूल्य ग्रंथों का अंतरराष्ट्रीय सूची में सम्मिलित होना मात्र प्रतीकात्मक सम्मान नहीं है। इसका मानव सभ्यता पर अत्यंत गहरा और दूरगामी प्रभाव पड़ने वाला है। इस अंतरराष्ट्रीय मान्यता के पश्चात इन प्राचीन पांडुलिपियों और ग्रंथों के संरक्षण की दिशा में एक नई गति आएगी। वैश्विक स्तर पर इन धरोहरों के अंकीयकरण, संरक्षण और शोध के लिए नई तकनीक प्राप्त हो सकेगी। इससे यह सुनिश्चित होगा कि समय के प्रवाह से इन अमूल्य कृतियों को कोई क्षति न पहुंचे। इसके अतिरिक्त, इस कदम से विश्व भर के विचारकों और विद्यार्थियों का ध्यान भारतीय ज्ञान परंपरा की ओर आकर्षित होगा। विदेशी विश्वविद्यालयों में इन प्राचीन ग्रंथों पर नए सिरे से व्यापक अध्ययन और गहन शोध कार्य प्रारंभ होंगे जिससे भारतीय संस्कृति का वैश्विक प्रसार होगा।

आज का विश्व कई प्रकार की सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक और वैचारिक चुनौतियों का सामना कर रहा है। अशांति के ऐसे कठिन समय में भारत के यह प्राचीन ग्रंथ दुनिया को सकारात्मक दिशा दिखा सकते हैं। राजतरंगिणी से देश यह सीख सकते हैं कि अतीत की गलतियों से सबक लेकर भविष्य कैसे संवारा जाए। महाभारत से यह शिक्षा मिलती है कि सत्य और कर्तव्य का पालन हर परिस्थिति में किया जाना चाहिए। वहीं, अर्थशास्त्र आधुनिक सरकारों को सुशासन, आर्थिक अनुशासन, पारदर्शिता और लोक कल्याणकारी नीतियां अपनाने के लिए निरंतर प्रेरित कर सकता है।

अंत में यह कहना उचित होगा कि हमारी प्राचीन धरोहरें केवल पुस्तकालयों की शोभा बढ़ाने वाली वस्तुएं नहीं हैं। ये कृतियां हमारे महान राष्ट्र की जीवंत आत्मा और उसके वैचारिक विस्तार का साक्षात रूप हैं। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र का यह प्रयास हमें याद दिलाता है कि हम निरंतर बहने वाली ज्ञान की पवित्र नदी के वारिस हैं जिसने सदियों तक मानवता को सिंचित किया है। अब आधुनिक पीढ़ी का यह परम कर्तव्य है कि इन महान ग्रंथों में छिपे ज्ञान को केवल पढ़ें ही नहीं, बल्कि उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारें। विश्व मंच पर मिली यह ऐतिहासिक स्वीकृति इस बात का स्पष्ट संकेत है कि भारत का प्राचीन ज्ञान सम्पूर्ण वसुंधरा के कल्याण के लिए है। यह सफलता प्रत्येक भारतीय के हृदय में गौरव और भविष्य के प्रति नई आशा का संचार करती है।

# अमेरिकी मध्यावधि चुनाव में ट्रंप की ताकत को चुनौती, भारतवंशियों का बढ़ता प्रभाव बना भारत के लिए नई उम्मीद

**कांतिलाल मांडोत**



अमेरिका के मध्यावधि चुनाव ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की राजनीतिक ताकत और उनके प्रशासन की कार्यशैली के सामने नई चुनौती खड़ी कर दी है। दुनिया के सबसे शक्तिशाली लोकतंत्र में मतदाताओं ने जिस तरह सत्तारूढ़ रिपब्लिकन पार्टी के मुकाबले डेमोक्रेटिक पार्टी पर भरोसा जताया है, उससे अमेरिकी राजनीति में सत्ता के संतुलन का नया अध्याय शुरू हुआ है। सीनेट और प्रतिनिधि सभा दोनों में डेमोक्रेट्स का बहुमत हासिल करना केवल चुनावी परिणाम नहीं, बल्कि राष्ट्रपति ट्रंप की नीतियों के प्रति जनता के रुख का महत्वपूर्ण संकेत है। इस परिणाम का प्रभाव अमेरिका की घरेलू राजनीति के साथ अंतरराष्ट्रीय संबंधों और भारत-अमेरिका साझेदारी पर भी पड़ना स्वाभाविक है।

अमेरिका में मध्यावधि चुनाव राष्ट्रपति के चार वर्षीय कार्यकाल के बीच में होते हैं। इन चुनावों में प्रतिनिधि सभा की सभी सीटों और सीनेट की एक तिहाई सीटों के लिए मतदान होता है। इसके साथ कई राज्यों में गवर्नर और अन्य महत्वपूर्ण पदों के चुनाव भी होते हैं। इन चुनावों का महत्व इसलिए अधिक है, क्योंकि इनके परिणाम राष्ट्रपति के शेष कार्यकाल की राजनीतिक दिशा तय करते हैं। ट्रंप के लिए इस बार का परिणाम इसलिए बड़ा झटका है कि उनकी पार्टी ने संसद के दोनों सदनों में अपना नियंत्रण खो दिया है। सीनेट में डेमोक्रेट्स ने सात सीटों पर बढ़त बनाकर बहुमत हासिल किया, वहीं प्रतिनिधि सभा में भी 218 के आवश्यक आंकड़े को पार कर लिया। पांच राज्यों में गवर्नर पदों पर रिपब्लिकन उम्मीदवारों को भी चुनौती मिली है।

इस राजनीतिक बदलाव का सीधा असर राष्ट्रपति ट्रंप की निर्णय लेने की क्षमता पर पड़ेगा। अब तक रिपब्लिकन बहुमत के कारण उन्हें संसद में अपनी नीतियों को आगे बढ़ाने में अपेक्षाकृत आसानी थी। लेकिन आने वाले दो वर्षों में बजट, सरकारी खर्च, नई योजनाओं, नियुक्तियों और कानूनों को लेकर विपक्ष की भूमिका मजबूत होगी। डेमोक्रेट्स राष्ट्रपति के फैसलों पर सवाल उठा सकेंगे और प्रशासनिक कार्यप्रणाली की जांच के लिए संसदीय समितियों का उपयोग कर सकेंगे। महत्वपूर्ण नियुक्तियों और विधायी प्रस्तावों पर भी उन्हें विरोध का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि राष्ट्रपति के पास विधेयकों को वीटो करने का संवैधानिक अधिकार रहेगा, लेकिन अब ट्रंप के लिए एकतरफा राजनीतिक फैसले लेना आसान नहीं होगा। यह परिणाम अमेरिकी लोकतंत्र में सत्ता पर निगरानी और जवाबदेही की व्यवस्था को भी मजबूत करता है।

चुनाव परिणामों के पीछे महंगाई, ईंधन की बढ़ती कीमतें, ईरान युद्ध और सरकार की कार्यशैली को लेकर मतदाताओं की नाराजगी प्रमुख कारण माने जा रहे हैं। अमेरिकी मतदाता भी अन्य लोकतांत्रिक देशों की जनता की तरह अपनी आर्थिक स्थिति, रोजगार, महंगाई और भविष्य की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हैं। चुनाव ने यह संदेश दिया है कि राष्ट्रपति कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, जनता के विश्वास को स्थायी रूप से अपनी निजी राजनीतिक संपत्ति नहीं मान सकता। ट्रंप ने हार को व्यक्तिगत झटका मानने से इनकार किया है, लेकिन संसद में बदला हुआ समीकरण उनके राजनीतिक प्रभाव की वास्तविक परीक्षा लेगा।

इस चुनाव का एक महत्वपूर्ण और गौरवपूर्ण पक्ष भारतीय मूल के लोगों की बढ़ती राजनीतिक भागीदारी है। विभिन्न स्तरों पर 11 भारतवंशियों की जीत ने यह साबित किया है कि भारतीय मूल के लोग अब केवल अमेरिका की अर्थव्यवस्था, विज्ञान, चिकित्सा, तकनीक और शिक्षा के क्षेत्र में ही अपनी पहचान नहीं बना रहे, बल्कि वहां की राजनीतिक व्यवस्था में भी प्रभावशाली भूमिका निभा रहे हैं। प्रतिनिधि सभा में अमी बेरा, रो खन्ना, प्रमिला जयपाल और सुहास सुब्रमण्यम ने अपनी सीटें बरकरार रखीं। वहीं फ्लोरिडा से पिया डांडिया की जीत ने भारतीय समुदाय के लिए एक नई उपलब्धि दर्ज की है। बहुमत वाले दल में भारतीय मूल के प्रतिनिधियों की मौजूदगी से उनकी आवाज और नीतिगत चर्चाओं में भागीदारी का महत्व बढ़ेगा।

फ्लोरिडा के 22वें निर्वाचन क्षेत्र से पिया डांडिया की जीत विशेष रूप से उल्लेखनीय है। जयपुर मूल के परिवार से संबंध रखने वाली 39 वर्षीय पिया ने अपनी प्रतिभा, शिक्षा के प्रति समर्पण और सामाजिक कार्यों के अनुभव के आधार पर अमेरिकी राजनीति में जगह बनाई है। उनकी सफलता के पीछे केवल पारिवारिक पहचान नहीं, बल्कि वर्षों का परिश्रम और नेतृत्व क्षमता भी है। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में वंचित परिवारों के बच्चों के लिए काम किया। न्यूयॉर्क के हार्लेम क्षेत्र में आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को बेहतर शिक्षा देने की दिशा में उनका योगदान उल्लेखनीय रहा। महज 28 वर्ष की उम्र में विद्यालय की संस्थापक प्रधानाचार्य बनने से लेकर व्हाइट हाउस फेलोशिप और अमेरिकी शिक्षा विभाग में जिम्मेदारी निभाने तक का उनका सफर उनकी बहुआयामी प्रतिभा को दर्शाता है। बाद में एप्पल जैसी प्रतिष्ठित कंपनी में भी उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पिया डांडिया की उपलब्धि भारत के लिए गर्व का विषय है। जयपुर और राजस्थान से जुड़ी पारिवारिक जड़ों वाली एक महिला का विश्व की सबसे प्रभावशाली लोकतांत्रिक संस्थाओं में पहुंचना नई पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक उदाहरण है। यह उपलब्धि बताती है कि प्रतिभा, शिक्षा, मेहनत और नेतृत्व की क्षमता भौगोलिक सीमाओं में बंधी नहीं होती। भारतवंशी जहां भी रहते हैं, अपनी योग्यता से समाज और देश का नाम रोशन कर सकते हैं। उनकी सफलता भारतीय परिवारों के संस्कारों और शिक्षा के महत्व को भी अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहचान दिलाती है।

भारत के लिए इस चुनाव का महत्व केवल भारतीय मूल के प्रतिनिधियों की जीत तक सीमित नहीं है। अमेरिका भारत का महत्वपूर्ण रणनीतिक, आर्थिक और तकनीकी साझेदार है। रक्षा सहयोग, व्यापार, अंतरिक्ष अनुसंधान, ऊर्जा, शिक्षा और आतंकवाद के विरुद्ध साझा प्रयास दोनों देशों के संबंधों के महत्वपूर्ण आधार हैं। संसद में डेमोक्रेट्स की बढ़ी ताकत से व्यापार शुल्क, वीजा व्यवस्था और प्रवासी भारतीयों से जुड़े मुद्दों पर नई बहस हो सकती है। एच-1बी वीजा और ग्रीन कार्ड जैसे विषयों पर भी संसदीय निगरानी बढ़ने की संभावना है। हालांकि नीतियों में तत्काल बदलाव की उम्मीद करना उचित नहीं होगा।

भारत को इस बदले हुए राजनीतिक परिदृश्य में संतुलित और दूरदर्शी कूटनीति अपनानी होगी। अमेरिका में राष्ट्रपति कोई भी हो और संसद में बहुमत किसी भी दल का हो, भारत के राष्ट्रीय हित सर्वोपरि रहने चाहिए। दोनों देशों के संबंध केवल व्यक्तियों या राजनीतिक दलों पर आधारित नहीं, बल्कि साझा आर्थिक और सामरिक हितों पर टिके होने चाहिए।

अमेरिकी मध्यावधि चुनाव ने एक बार फिर लोकतंत्र की शक्ति दिखाई है। ट्रंप के सामने राजनीतिक चुनौतियां बढ़ी हैं, जबकि भारतीय मूल के प्रतिनिधियों की सफलता ने भारत की वैश्विक पहचान को नई मजबूती दी है। यह चुनाव भारत को यह भरोसा भी देता है कि दुनिया के महत्वपूर्ण निर्णयों में भारतीय मूल के लोगों की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। यही बदलते विश्व में भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा और प्रभाव का महत्वपूर्ण संकेत है।

# ट्रंप की चुनावी हार : भारत के लिए राहत, अवसर और कूटनीतिक आत्मनिर्भरता के अवसर

सुरेश सिंह बैस 'शाश्वत'

अमेरिका की राजनीति में हुए मध्यावधि (मिडटर्म) चुनाव के परिणामों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की राजनीतिक ताकत को बड़ा झटका दिया है। अमेरिकी संसद में डेमोक्रेटिक पार्टी की बढ़त ने यह स्पष्ट कर दिया है कि दुनिया की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक व्यवस्था में राष्ट्रपति की सत्ता भी असीमित नहीं है। इस चुनावी परिणाम का प्रभाव केवल अमेरिका की घरेलू राजनीति तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार, कूटनीति, ऊर्जा सुरक्षा और वैश्विक शक्ति संतुलन पर भी दिखाई दे सकता है। भारत के संदर्भ में यह घटनाक्रम विशेष महत्व रखता है। सवाल यह है कि ट्रंप की इस चुनावी पराजय से भारत को आखिर क्या हासिल हो सकता है? सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि ट्रंप राष्ट्रपति पद से हटे नहीं हैं। वे अपना कार्यकाल पूरा करेंगे, लेकिन संसद में विपक्ष की मजबूत स्थिति उनके फैसलों पर अंकुश लगाने की क्षमता रखती है। अब उनके लिए हर महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय को पहले की तरह आसानी से आगे बढ़ाना संभव नहीं होगा। यही बदला हुआ राजनीतिक समीकरण भारत के लिए संभावनाओं के नए द्वार खोल सकता है।

**टैरिफ की राजनीति पर लग सकता है अंकुश**

ट्रंप की आर्थिक और व्यापारिक नीति का एक प्रमुख आधार संरक्षणवाद रहा है। उन्होंने अमेरिका के आर्थिक हितों के नाम पर कई देशों पर आयात शुल्क बढ़ाने और व्यापारिक दबाव बनाने की रणनीति अपनाई। भारत भी इससे अछूता नहीं रहा। भारतीय उत्पादों पर अमेरिकी शुल्क संबंधी फैसलों ने कपड़ा, दवा, इंजीनियरिंग, रत्न-आभूषण और अन्य निर्यात क्षेत्रों के सामने चुनौतियां खड़ी की हैं। अब अमेरिकी संसद में डेमोक्रेटिक पार्टी की मजबूती से ट्रंप की व्यापारिक नीतियों पर सवाल उठने और उनकी समीक्षा की संभावना बढ़ सकती है। इससे भारत को अपने निर्यात हितों की रक्षा करने तथा अमेरिका के साथ अधिक संतुलित व्यापार समझौते की दिशा में बातचीत करने का अवसर मिल सकता है। हालांकि यह मान लेना जल्दबाजी होगी कि सभी शुल्क तत्काल समाप्त हो जाएंगे, क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति के पास कुछ परिस्थितियों में कार्यकारी अधिकार भी बने रहेंगे।

**रूस से तेल खरीदने के मामले में भारत की रणनीतिक स्वतंत्रता**

भारत के लिए सबसे महत्वपूर्ण मुद्दों में एक रूस से कच्चे तेल की खरीद का है। भारत की ऊर्जा जरूरतें बहुत बड़ी हैं और कच्चे तेल का आयात उसकी अर्थव्यवस्था की अनिवार्य आवश्यकता है। रूस से प्रतिस्पर्धी कीमतों पर तेल खरीदने से भारत को अपनी ऊर्जा लागत नियंत्रित रखने में मदद मिली है। ट्रंप प्रशासन ने रूस के साथ ऊर्जा व्यापार करने वाले देशों पर दबाव बनाने की नीति अपनाई है। भारत ने हमेशा स्पष्ट किया है कि उसकी ऊर्जा खरीद का आधार राष्ट्रीय हित और अपने नागरिकों की आवश्यकताएं हैं। अमेरिकी संसद में विपक्ष की मजबूत स्थिति से रूस संबंधी प्रतिबंधों और अतिरिक्त शुल्क की नीतियों पर अधिक बहस तथा निगरानी संभव है। इससे भारत को अपने ऊर्जा हितों की रक्षा के लिए कूटनीतिक अवसर मिल सकते हैं। यहां भारत को विशेष सावधानी बरतनी होगी। रूस और अमेरिका दोनों के साथ संबंध भारत के लिए महत्वपूर्ण हैं। इसलिए किसी एक देश के दबाव में दूसरे देश के साथ संबंध कमजोर करना भारत की दीर्घकालिक विदेश नीति के अनुकूल नहीं होगा।

**भारतीय युवाओं और आईटी पेशेवरों के लिए उम्मीद**

अमेरिका में भारतीय पेशेवरों की बड़ी भागीदारी है। सूचना प्रौद्योगिकी, चिकित्सा, इंजीनियरिंग, अनुसंधान और उच्च शिक्षा जैसे क्षेत्रों में भारतीय प्रतिभाओं ने अपनी विशेष पहचान बनाई है। एच-1बी वीजा और आव्रजन संबंधी कठोर नीतियों ने भारतीय युवाओं तथा अमेरिकी कंपनियों में कार्यरत पेशेवरों की चिंताएं बढ़ाई हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी की मजबूत संसदीय स्थिति से आव्रजन नीतियों, कुशल विदेशी कामगारों के अधिकारों और वीजा व्यवस्था पर पुनर्विचार की मांग तेज हो सकती है। यदि इस दिशा में सकारात्मक बदलाव होते हैं तो भारतीय युवाओं को इसका लाभ मिल सकता है। हालांकि वीजा व्यवस्था में परिवर्तन के लिए विधायी और प्रशासनिक प्रक्रियाएं आवश्यक होंगी। इसलिए इसे तत्काल मिलने वाली राहत के बजाय एक संभावित अवसर के रूप में देखना चाहिए।

**भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों में बदलेगा शक्ति संतुलन?** अमेरिका भारत का महत्वपूर्ण व्यापारिक और रणनीतिक साझेदार है। लेकिन दोनों देशों के बीच व्यापारिक असंतुलन, कृषि बाजार, डिजिटल कारोबार, बौद्धिक संपदा और आयात शुल्क जैसे मुद्दों पर मतभेद भी रहे हैं। ट्रंप की आक्रामक व्यापार नीति के कारण भारत पर कई बार दबाव की स्थिति बनी। अब अमेरिकी संसद में विपक्ष की मजबूती से राष्ट्रपति की नीतियों पर संसदीय विमर्श और जवाबदेही बढ़ सकती है। इससे भारत को बातचीत में अपनी शर्तें मजबूती से रखने का अवसर मिल सकता है। भारत को यह सुनिश्चित करना होगा कि किसी भी व्यापार समझौते में किसानों, छोटे उद्योगों, घरेलू विनिर्माण और स्थानीय उद्यमियों के हितों से समझौता न हो। भारत का विशाल उपभोक्ता बाजार उसकी सबसे बड़ी आर्थिक शक्तियों में से एक है। उसे इस ताकत का उपयोग आत्मविश्वास के साथ करना चाहिए।

**शेयर बाजार और वैश्विक निवेश पर संभावित प्रभाव**-अमेरिका की राजनीतिक अस्थिरता और व्यापारिक अनिश्चितता का असर दुनिया के वित्तीय बाजारों पर पड़ता है। ट्रंप की टैरिफ घोषणाओं और बदलती नीतियों ने कई बार वैश्विक निवेशकों को असमंजस में डाला है। यदि अमेरिकी संसद राष्ट्रपति की नीतियों पर प्रभावी निगरानी रखती है और व्यापारिक अनिश्चितता कम होती है तो अंतरराष्ट्रीय निवेश वातावरण में सुधार की संभावना बन सकती है। भारत को इसका लाभ विदेशी निवेश, विनिर्माण और तकनीकी सहयोग के रूप में मिल सकता है। लेकिन भारतीय शेयर बाजार का भविष्य केवल अमेरिकी चुनाव पर निर्भर नहीं है। कच्चे तेल की कीमतें, घरेलू महंगाई, ब्याज दरें, कंपनियों के वित्तीय परिणाम और विदेशी निवेश की दिशा भी उतनी ही महत्वपूर्ण रहेंगी।

**भारत की विदेश नीति : किसी का दबाव नहीं, केवल राष्ट्रीय हित सर्वोपरि**

इस पूरे घटनाक्रम का सबसे महत्वपूर्ण पहलू भारत की विदेश नीति से जुड़ा है। भारत ने हमेशा रणनीतिक स्वायत्तता की नीति अपनाई है। अमेरिका के साथ रक्षा और तकनीकी सहयोग, रूस के साथ ऐतिहासिक संबंध, यूरोप के साथ व्यापारिक साझेदारी तथा एशिया में क्षेत्रीय सहयोग, ये सभी भारत की बहुआयामी कूटनीति के महत्वपूर्ण हिस्से हैं। भारत को किसी एक वैश्विक शक्ति के पक्ष में खड़े होने के बजाय अपने राष्ट्रीय हितों के अनुरूप निर्णय लेने चाहिए। ट्रंप की चुनावी पराजय भारत को यही अवसर देती है कि वह अमेरिका के साथ संबंधों को और संतुलित बनाए तथा अपनी स्वतंत्र विदेश नीति को मजबूती से आगे बढ़ाए। यह भी ध्यान रखना होगा कि डेमोक्रेटिक पार्टी की जीत का अर्थ यह नहीं है कि अमेरिका की भारत संबंधी सभी नीतियां बदल जाएंगी। चीन, हिंद-प्रशांत क्षेत्र, रक्षा सहयोग और आतंकवाद जैसे मुद्दों पर दोनों अमेरिकी दलों के बीच भारत के साथ सहयोग को लेकर व्यापक सहमति बनी रह सकती है। दूसरी ओर, व्यापार, मानवाधिकार और रूस के साथ भारत के संबंधों पर मतभेद जारी रह सकते हैं। ट्रंप की चुनावी पराजय को भारत की तत्काल कूटनीतिक जीत कहना उचित नहीं होगा, लेकिन इसे भारत के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर अवश्य माना जा सकता है। अमेरिकी लोकतंत्र ने एक बार फिर यह संदेश दिया है कि सत्ता का वास्तविक संतुलन केवल राष्ट्रपति के हाथों में नहीं होता।

## मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने भगवान विश्वकर्मा दिवस पर किया नमन



अनप्लग इंडिया

**चंडीगढ़।** हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को भगवान विश्वकर्मा दिवस के पावन अवसर पर संत कबीर कुटीर में भगवान विश्वकर्मा का पूजन कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रदेश एवं प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान विश्वकर्मा को सृष्टि का प्रथम शिल्पकार और निर्माण एवं सृजन का देवता माना जाता है। उनका जीवन और शिक्षाएं हमें श्रम, कौशल, रचनात्मकता और समर्पण का संदेश देती हैं। भगवान विश्वकर्मा की कृपा से सभी के जीवन में उन्नति और समृद्धि आए तथा प्रदेश निरंतर विकास के पथ पर आगे बढ़े। मुख्यमंत्री ने इस पावन अवसर पर प्रदेशवासियों को भगवान विश्वकर्मा पूजन दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं भी दीं।

## परिवार के साथ दिवाली मनाने पहुंचे सीएम नायब सैनी, लाडवा के गांवों में ग्रामीणों से की मुलाकात

अनप्लग इंडिया

**चंडीगढ़।** हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने दीपावली का पावन पर्व अपने परिवार के साथ मनाया। इस दौरान उन्होंने लाडवा विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों और स्थानों पर रुककर ग्रामीणों से मुलाकात की और उनका हाल-चाल जाना। मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर ग्रामीणों में खासा उत्साह देखने को मिला। मुख्यमंत्री ने क्षेत्रवासियों को दीपावली की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। उन्होंने कहा कि दीपावली अंधकार पर प्रकाश, बुराई पर अच्छाई और निराशा पर आशा की विजय का प्रतीक है। यह पर्व हमें आपसी प्रेम, भाईचारे और सद्भाव के साथ मिल-जुलकर रहने की प्रेरणा देता है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने परिवार सहित भगवान गणेश और मां लक्ष्मी की विधिवत पूजा-अर्चना की। उन्होंने प्रदेश एवं प्रदेशवासियों के उज्ज्वल भविष्य, सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

## डबचिक चौक अब कहलाएगा गोवर्धन चौक, आज होगा भव्य उद्घाटन

अनप्लग इंडिया

**पलवल।** नगर परिषद होडल द्वारा नेशनल हाईवे-44 दिल्ली-आगरा हाईवे पर स्थित शहर के चर्चित डबचिक चौक का नाम अब गोवर्धन चौक होगा। आज गोवर्धन पूजा के पावन अवसर पर केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर एवं स्थानीय विधायक हरेंद्र रामरतन इसका विधिवत उद्घाटन करेंगे। उद्घाटन समारोह को लेकर शहर में उत्साह का माहौल है। इस चौक पर श्रीकृष्ण द्वारा अपनी एक उंगली पर गोवर्धन पर्वत को उठाए हुए भव्य झांकी प्रस्तुत की गई है। कान्हा अपनी एक ही उंगली पर गोवर्धन पर्वत को उठाए हुए हैं और नीचे बृजवासी खड़े हैं। यह प्रतिमा उस दिव्य दृश्य को दर्शाती है, जब इंद्रदेव के प्रकोप से बृजवासियों को बचाने के लिए भगवान श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत



को उंगली पर उठा लिया था।

चौक को रंगीन लाइटों और फव्वारों से सजाया गया है, जिससे रात के समय इसकी सुंदरता और भी बढ़ जाती है। नगर परिषद द्वारा करोड़ों रुपये की लागत से बनाए गए इस चौक ने पहले ही सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। आते-जाते लोग यहां रुककर सेल्फियां ले रहे हैं और इस भव्य झांकी को निहार रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस चौक के निर्माण से होडल की सुंदरता में चार चांद लग गए हैं। हाईवे से गुजरने वाले यात्रियों के लिए भी यह चौक आकर्षण का केंद्र बन गया है। धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी यह चौक शहर की पहचान बनेगा।

नगर परिषद अधिकारियों के अनुसार उद्घाटन समारोह में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और बड़ी संख्या में शहरवासियों के शामिल होने की उम्मीद है। सुरक्षा और यातायात व्यवस्था के भी पुख्ता प्रबंध किए गए हैं।

गोवर्धन चौक न केवल होडल की शोभा बढ़ाएगा, बल्कि भगवान श्रीकृष्ण की लीला और बृज संस्कृति की याद भी दिलाता रहेगा।

# धूमधाम एवं श्रद्धा के साथ मनाया गया बाबा विश्वकर्मा जी का प्रकाश पर्व

अनप्लग इंडिया

**करनाल।** शहर के विश्वकर्मा भवन में रामगढ़िया सभा की ओर से भगवान बाबा विश्वकर्मा जी का प्रकाश पर्व बड़े ही हर्षोल्लास, श्रद्धा एवं धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विश्वकर्मा भवन को फूलों की लड़ियों एवं आकर्षक सजावट से भव्य रूप दिया गया।

कार्यक्रम के दौरान दो दिन पूर्व आरंभ हुए अखंड पाठ का भोग डाला गया। इसके उपरांत श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के समक्ष अरदास की गई। स्त्री सभा की ओर से कीर्तन किया गया। वहीं हजूरी रागी जत्थे के ज्ञानी जोगिंदर सिंह ने अपने साथियों सहित गुरबाणी कीर्तन के माध्यम से संगत को गुरु घर के साथ जुड़ने की प्रेरणा दी। जालंधर से पहुंचे इंटरनेशनल टाडी पाठक टाडी जितेंद्र सिंह बैंस, सुखदीप सिंह गुरदीप सिंह विक्रम सिंह ने भी अपने जाति के साथ ने भी अपने जत्थे के साथ कीर्तन किया तथा बाबा विश्वकर्मा जी के जीवन, शिक्षाओं एवं इतिहास पर प्रकाश डालते हुए संगत को उनके बताए मार्ग पर चलने का संदेश दिया। समारोह में मुख्य




अतिथि के रूप में नीलोखेड़ी के विधायक भगवान दास कबीरपंथी ने शिरकत की। उनके साथ नगर पालिका चेयरपर्सन सनमीत कौर आहूजा, चेयरपर्सन प्रतिनिधि सतनाम आहूजा तथा मार्केट कमेटी के अध्यक्ष शिवनाथ कपूर भी उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के समक्ष शीश नवाकर शहर की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर विधायक भगवान दास कबीरपंथी ने अपने संबोधन में कहा कि भगवान बाबा विश्वकर्मा जी सृजन, निर्माण एवं मेहनत के प्रतीक हैं। हमें उनके जीवन से प्रेरणा लेते हुए उनके बताए मार्ग पर चलना चाहिए। उनके आदर्श हमें परिश्रम, समर्पण और समाज के निर्माण में योगदान देने की प्रेरणा देते हैं।

कार्यक्रम के दौरान रामगढ़िया सभा की ओर से लंगर हॉल के निर्माण के लिए आर्थिक सहयोग का आग्रह किया गया, जिस पर विधायक भगवान दास कबीरपंथी ने 11 लाख रुपये की राशि देने की घोषणा की। इस घोषणा पर सभा के अध्यक्ष सतनाम सिंह, सेक्ट्री अरविंदर सिंह सग्गू, मीत प्रधान सुखबीर सिंह, कैशियर तेजिंदर सिंह, स्वर्ण सिंह, शलिदर सिंह, अमरजीत सिंह, जगजीत सिंह भिंडर, जसबीर सिंह ऑटो सहित हरप्रीत सिंह सग्गू के अलावा अन्य सदस्यों एवं उपस्थित संगत ने उनका आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर रामगढ़िया सभा की ओर से मुख्य अतिथि एवं अन्य गणमान्य अतिथियों को सिरोपा भेंट कर तथा बाबा विश्वकर्मा जी का स्वरूप देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के उपरांत विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने बड़ी श्रद्धा एवं उत्साह के साथ प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर लवली कुकरेजा गुरचरण सिंह बलकार सिंह सैनी, राजेश शर्मा, गुरमीत सिंह, लाडी, त्रिलोक सिंह, जितेंद्र सिंह, अमनप्रीत सिंह, के अलावा काफी संख्या में संगत मौजूद रही।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं शहरवासियों ने भाग लेकर बाबा विश्वकर्मा जी के प्रकाश पर्व की खुशियां साझा कीं।

## पेंशनभोगियों में भेदभाव की साजिश बर्दाश्त नहीं, पेंशन वैलीडेशन एक्ट वापस ले सरकार : सुभाष लांबा

अनप्लग इंडिया

**चंडीगढ़।** अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुभाष लांबा ने वित्त अधिनियम, 2025 के माध्यम से लाए गए पेंशन वैलीडेशन प्रावधानों की कड़ी आलोचना करते हुए इसे पेंशनभोगियों के हितों पर हमला बताया है। उन्होंने कहा कि इस कानून के तहत सरकार को सेवानिवृत्ति की तारीख के आधार पर पेंशनभोगियों के बीच भेदभाव करने का अधिकार दिया गया है। इससे पुराने पेंशनभोगियों की पेंशन संशोधन को लेकर गंभीर अनिश्चितता पैदा हो गई है।

लांबा ने कहा कि आठवें केंद्रीय वेतन आयोग के टर्म्स ऑफ रेफरेंस में पेंशनभोगियों की पेंशन रिवीजन की स्पष्ट व्यवस्था नहीं की गई है। इसके विपरीत, गैर-अंशदायी पेंशन और पेंशनरी लाभों पर होने वाले खर्च को शामिल किया गया है। यह सरकार की मंशा पर सवाल खड़े करता है और ओपीएस से छेड़छाड़ करने और पुराने पेंशनभोगियों को आठवें वेतन आयोग का लाभ देने को लेकर आशंकाएं बढ़ाता है।

उन्होंने मांग की कि सरकार को आगे आकर 1 जनवरी, 2026 से पहले और बाद में सेवानिवृत्त सभी कर्मचारियों की पेंशन समान रूप से संशोधित करने की स्पष्ट गारंटी देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पेंशन कर्मचारी की वर्षों की सेवा से अर्जित सामाजिक सुरक्षा का अधिकार है, न कि सरकार की मेहरबानी या वित्तीय बोझ। सेवानिवृत्ति की तारीख के आधार पर पेंशनभोगियों को अलग-अलग वर्गों में बांटना अन्यायपूर्ण है। सरकार पेंशन वैलीडेशन एक्ट वापस ले और सभी पेंशनभोगियों के लिए समान पेंशन संशोधन सुनिश्चित करे।

लांबा ने कहा कि PFRDA एक्ट, NPS और UPS ने कर्मचारियों की सामाजिक सुरक्षा को कमजोर किया है। महासंघ इन तीनों को रद्द कर पुरानी पेंशन बहाल करने की मांग करता है। उन्होंने बताया कि इन मांगों सहित कर्मचारियों एवं पेंशनभोगियों के ज्वलंत मुद्दों को लेकर 12 दिसंबर को नई दिल्ली के रामलीला मैदान में विशाल कर्मचारी आक्रोश रैली आयोजित की जाएगी। रैली में पेंशन वैलीडेशन एक्ट की वापसी, पुरानी पेंशन बहाली, कम्युटेशन राशि 10 साल 8 महीने में रिकवर करने, 65,70,75 साल में बेसिक पेंशन में 5 प्रतिशत बढ़ोतरी करने, आठवें वेतन आयोग में 3.8 फिटमेंट फैक्टर, 5 प्रतिशत वार्षिक वेतन वृद्धि तथा चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी का न्यूनतम वेतन 40 हजार रुपये निर्धारित करने, निजीकरण पर रोक, ठेका संविदा कर्मियों को रेगुलर करने, खाली पदों को स्थाई भर्ती से भर बेरोजगारों को रोजगार देने, टीईटी की अनिवार्यता समाप्त करने,18 महीने का डीए डीआर रिलीज करने की मांग प्रमुखता से उठाई जाएगी। लांबा ने देशभर के कर्मचारियों, शिक्षकों और पेंशनभोगियों से रैली में भारी संख्या में शामिल होकर सरकार को अपनी एकजुट ताकत दिखाने का आह्वान किया।

## हरियाणा की अनाज मंडियों में किसानों को नहीं होगी परेशानी, श्याम सिंह राणा ने किया निरीक्षण

अनप्लग इंडिया

**चंडीगढ़।** हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने रविवार को पलवल जिले की हथीन, होडल, हसनपुर और पलवल अनाज मंडियों का दौरा कर फसल खरीद सीजन की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों के साथ बैठक कर खरीद प्रक्रिया को सुचारू, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए। कृषि मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार किसानों की मेहनत और उनकी उपज का पूरा सम्मान करती है। सरकार का लक्ष्य किसानों की फसल का एक-एक दाना न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीदना है। किसानों को मंडियों में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। गेट पास बनवाने से लेकर फसल की बिक्री, माप-तौल, उठान और भुगतान तक की प्रक्रिया सुचारू रूप से पूरी होनी चाहिए। इसके लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ काम करें। मंडियों की समस्याओं और विकास कार्यों की समीक्षा

मंत्री ने चारों मंडियों में फसल की आवक, खरीद, उठान प्रक्रिया और किसानों को आ रही समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने मंडियों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार और विकास कार्यों से जुड़ी मांगों पर भी चर्चा की। हथीन और पलवल अनाज मंडियों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने उनके समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विकास कार्यों से संबंधित समस्याएं लिखित रूप में प्रस्तुत की जाएं, ताकि उनका जल्द से जल्द समाधान किया जा सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाना और मंडियों में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाना सरकार की प्राथमिकता है।

बाजरा किसानों को एमएसपी और भावांतर योजना का लाभ-श्याम सिंह राणा ने बाजरा खरीद और भावांतर योजना के बारे में बताया कि सरकार ने बाजरे का न्यूनतम



समर्थन मूल्य निर्धारित किया है। यदि बाजार में बाजरे की बिक्री एमएसपी से अधिक भाव पर होती है तो किसानों को बाजार भाव का लाभ मिलेगा। वहीं, यदि किसानों को निर्धारित एमएसपी से कम कीमत मिलती है तो भावांतर योजना के तहत मूल्य के अंतर की भरपाई की जाएगी।

इस अवसर पर हथीन के विधायक मोहम्मद इसराइल, एसडीएम हरीराम, एसडीएम पलवल भूपेंद्र सिंह, मार्केट कमेटी पलवल के चेयरमैन पंकज विरमानी, कृषि उपनिदेशक डॉ. जगिर, चेयरमैन जगविंदर सिंह सहित विभिन्न एसोसिएशन के पदाधिकारी मौजूद रहे।

## समारी अमावस्या पर पांडु पिंडारा धाम में उमड़ा आस्था का सैलाब, राघव नंद महाराज बोले- यहां आने से मिलता है पुण्य

अनप्लग इंडिया

**जींद।** हरियाणा के जींद जिले में स्थित एक प्रसिद्ध पौराणिक और धार्मिक तीर्थस्थल पांडु पिंडारा धाम में समारी अमावस्या पर लाखों श्रद्धालु उमड़ पड़े, जहां पितरों की शांति के लिए पिंडदान किया गया। इस धाम की महिमा को भक्तों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे राघव नंद महाराज ने कहा कि यह तीर्थ प्राचीन काल से ही विशेष है, जहां भगवान कृष्ण के आदेश पर पांडवों ने पिंडदान किया था और यहां आने, जल का आचमन करने और आकाश दर्शन तीनों का पुण्य मिलता है। राघव नंद महाराज ने कहा, 'समारी अमावस्या का महत्व वेदों में भी बताया गया है। इस तीर्थ का बहुत प्राचीन महत्व है। यह बहुत विशाल और पवित्र तीर्थ माना जाता है। इसके महत्व को समझाते हुए कहा जाता है कि भगवान कृष्ण ने कुरुक्षेत्र युद्ध के बाद पांडवों को आदेश दिया था कि युद्ध में अत्यधिक विनाश हुआ है और अनेक लोगों की मृत्यु हुई है। उनकी आत्मा की शांति और मोक्ष की प्राप्ति के लिए तीर्थ पर जाकर पिंडदान करें। इसलिए इस तीर्थ का महत्व प्राचीन काल से ही माना जाता है।' उन्होंने कहा कि सोमवती अमावस्या (समारी अमावस्या) का विशेष महत्व है। कहा जाता है कि पांडव बारह वर्ष तक यहां प्रतीक्षा करते रहे, लेकिन उन्हें सोमवती अमावस्या का सौभाग्य प्राप्त नहीं हुआ। अंत में उन्होंने श्राद्ध अमावस्या के दिन पिंडदान किया और वहां से चले गए। कलियुग में बार-बार यह सौभाग्य प्राप्त होता है, इसलिए इसका महत्व और भी बढ़ जाता है।

राघव नंद महाराज ने कहा कि यह भूमि ऐसी है कि यहां आने का भी पुण्य है, यहां के जल का आचमन करने का भी पुण्य है और यहां के आकाश का भी विशेष महत्व माना जाता है। सामान्यतः किसी तीर्थ पर दो प्रकार के लाभ प्राप्त



होते हैं, लेकिन यहां तीन प्रकार के पुण्य प्राप्त होने की मान्यता है।

उन्होंने कहा कि दिवाली का पर्व भी इसी समय आता है। जब अधर्म पर धर्म की विजय हुई, जैसे रावण का वध कर राम अयोध्या लौटे, तब लोगों ने हर्ष और उत्साह के साथ दीपावली मनाई। इसलिए दीपावली को धर्म की विजय और प्रकाश उत्सव के रूप में मनाया जाता है।

राघव नंद महाराज ने कहा कि इसके साथ ही गुरु नानक देव जी की जयंती भी इसी माह में आती है। हमारी माताएं और बहनें प्रातःकाल शुभ गीत गाते हुए स्नान के लिए तालाबों और जलाशयों पर जाती थीं। उन्हें भी ज्ञात था कि कार्तिक माह अत्यंत पवित्र और पुण्यदायी होता है। इस प्रकार सोमवती अमावस्या, दीपावली और कार्तिक माह, तीनों का विशेष धार्मिक महत्व है। भगवान सब पर कृपा करें, सबको सुख, शांति और समृद्धि प्रदान करें।

प्रताप सिंह नाम के एक श्रद्धालु ने कहा कि यह महीना अत्यंत विशेष माना जाता है। देश-विदेश से लोग यहां आते हैं। ऐसी मान्यता है कि यहां अनेक संत-महात्माओं ने तपस्या की और लोगों को आशीर्वाद दिया। यह एक अत्यंत पवित्र और ऐतिहासिक स्थान है। कहा जाता है कि पांडवों ने यहां स्नान किया था और कुछ समय तक यहां निवास भी किया था। यही कारण है कि इस अमावस्या का बहुत महत्व है।

उन्होंने कहा कि यहां लोग अपने पितरों की शांति के लिए पिंडदान करवाते हैं। लाखों और कभी-कभी करोड़ों की संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं। दूर-दूर से लोग आते हैं, अन्य राज्यों से भी आते हैं और विदेशों से भी आते हैं। विदेशी श्रद्धालु भी यहां दर्शन के लिए आते हैं।

एक श्रद्धालु ने कहा कि यह पर्व कल से प्रारंभ हुआ था। आधा दिन कल और आधा दिन आज के प्रभाव में रहा। दीपावली का उत्सव भी इसी अवधि में मनाया गया। आज अमावस्या होने के कारण इसका विशेष धार्मिक महत्व माना जाता है और इसे अत्यंत पुण्यदायी अवसर माना जाता है।

## आजादी की पहली लड़ाई के शहीद स्मारक की एक महीने की नि:शुल्क बुकिंग कुछ ही घंटों में पूरी - अनिल विज



अनप्लग इंडिया

**चंडीगढ़।** चंडीगढ़ हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि अंबाला छावनी में बनाए गए आजादी की पहली लड़ाई के शहीद स्मारक की शुल्क सहित बुकिंग जल्द आरंभ की जाएगी। आज विज ने मीडिया कर्मियों से बातचीत के दौरान बताया कि गृह सहकारिता मंत्री अमित शाह द्वारा इस स्मारक के लोकार्पण के पश्चात ऑनलाइन बुकिंग कुछ ही घंटे में निशुल्क एक महीने की पूरी बुकिंग हो गई है।

उन्होंने कहा कि आजादी की पहली लड़ाई कांग्रेस के गठन के से 28 वर्ष पूर्व लड़ी गई थी। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई सशस्त्र लड़ी गई और दस्तावेजों के अनुसार इस लड़ाई की शुरुआत अंबाला छावनी से हुई और यह लड़ाई फिर पूरे देश में लड़ी गई। विज ने कहा कि आजादी की पहली लड़ाई को समर्पित सही स्मारक अंबाला छावनी में बनाया गया है।

उन्होंने कहा कि देश के यशस्वी गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने 5 नवंबर को इस स्मारक का लोकार्पण किया है। उन्होंने कहा कि इस स्मारक को देखने के लिए अगले दिन से ही ऑनलाइन बुकिंग शुरू की गई थी और कुछ घंटे में ही पूरे महीने की बुकिंग हो गई है। एक महीने के लिए एक दिन में 500 लोगों को निशुल्क बुकिंग की सुविधा दी गई थी लेकिन अब से शुल्क सहित बुकिंग जल्द ही शुरू की जाएगी।

## न्यायमूर्ति हरसिमरन सिंह सेठी ने विधिक सेवा दिवस पर विशेष प्रचार वाहन किया रवाना

अनप्लग इंडिया

**चण्डीगढ** - हरियाणा राज्य विधिक सेवा दिवस के अवसर पर न्यायाधीश, पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय तथा कार्यकारी अध्यक्ष, हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण श्री हरसिमरन सिंह सेठी ने निःशुल्क कानूनी सहायता, कानूनी अधिकारों तथा विधिक सेवा प्राधिकरणों द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं सेवाओं के प्रति आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से विशेष रूप से जागरूकता प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह प्रचार वाहन हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा निःशुल्क कानूनी सहायता की उपलब्धता, कानूनी अधिकारों तथा विधिक सेवा प्राधिकरणों की विभिन्न महत्वपूर्ण पहलों से संबंधित जानकारीपूर्ण हेतू फ्लेक्स एवं बैनरों से सुसज्जित किया गया है। इस पहल का उद्देश्य कानूनी जागरूकता को आमजन के द्वार तक पहुंचाना तथा विशेष रूप से समाज के कमजोर एवं वंचित वर्गों को उनके निःशुल्क एवं सक्षम कानूनी सेवाएं प्राप्त करने के अधिकार के प्रति जागरूक करना है। इस विशेष जागरूकता अभियान के अंतर्गत यह प्रचार वाहन, 9 से 15 नवम्बर तक पंचकूला के विभिन्न स्थानों पर एवं गावों का भ्रमण करेगा। इस दौरान आमजन को निःशुल्क कानूनी सहायता, विधिक जागरूकता कार्यक्रमों तथा विधिक सेवा प्राधिकरणों द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रदान की जाएगी। इस अभियान को और अधिक प्रभावी एवं जनोपयोगी बनाने के लिए वाहन में स्थापित जन उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से नालसा का गीत तथा विधिक जागरूकता संबंधी वृत्तचित्र भी प्रसारित किए जाएंगे। इससे जनसंपर्क एवं जन-जागरूकता को और अधिक बढ़ावा मिलेगा तथा लोगों को अपने कानूनी अधिकारों एवं न्याय तक पहुंच के महत्व के प्रति जागरूक किया जा सकेगा।प्राधिकरण की यह पहल जनसामान्य तक अपनी पहुंच को निरंतर सुदृढ़ करने तथा सुनिश्चित करने की दिशा में किए जा रहे

# मिठाई की दुकान पर प्लास्टिक थैली को लेकर महासंग्राम, दोनों पक्षों में जमकर चले लात-घूंसे और कुर्सियां

### पुलिसकर्मी के साथ भी हुई धक्का-मुक्की, कार को घेरकर किया हंगामा; सीसीटीवी फुटेज आया सामने

अनप्लग इंडिया

**घरौंडा :** दिल्ली से धार्मिक पूजा-अर्चना करने घरौंडा आए एक परिवार का रेलवे रोड स्थित मिठाई की दुकान के संचालक के साथ विवाद हो गया। विवाद की वजह मिठाई खरीदने के बाद एक प्लास्टिक की थैली मांगना बताया जा रहा है। देखते ही देखते मामूली कहासुनी ने हिंसक रूप ले लिया और दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट शुरू हो गई। घटना के दौरान दुकान में रखी कुर्सियां और मिठाई बनाने में इस्तेमाल होने वाला सामान तक एक-दूसरे पर फेंका गया। इस पूरी घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें दोनों पक्षों के बीच हुई हाथापाई और हंगामे के दृश्य दिखाई दे रहे हैं।

जानकारी के अनुसार, दिल्ली से आया परिवार घरौंडा में पूजा-अर्चना करने के लिए पहुंचा था। इस दौरान परिवार के कुछ सदस्य रेलवे रोड स्थित एक मिठाई की दुकान पर मिठाई खरीदने गए। मिठाई खरीदने के बाद



प्लास्टिक की थैली को लेकर दुकानदार और ग्राहक के बीच कहासुनी हो गई। दुकानदार का आरोप है कि ग्राहक ने उसके साथ गाली-गलौज की, जिसके बाद विवाद बढ़ गया और दिल्ली से आए लोगों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। वहीं, ग्राहक पक्ष का आरोप है कि जब उन्होंने दुकानदार से अपने पैसे वापस मांगे तो दुकानदार और उसके सहयोगियों ने उनके साथ मारपीट की।

दोनों पक्षों के आरोप-प्रत्यारोप के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि दुकान के अंदर और बाहर जमकर हंगामा हुआ। दोनों तरफ से लात-घूंसे चले और दुकान में रखी कुर्सियों के साथ मिठाई बनाने में इस्तेमाल होने वाला सामान भी फेंका गया। आसपास मौजूद लोगों ने बीच-बचाव करने का प्रयास किया, लेकिन काफी देर तक स्थिति तनावपूर्ण बनी रही। विवाद के बाद दुकानदार और उसके कुछ सहयोगियों ने दिल्ली से आए परिवार की कार को घेर लिया। इस दौरान मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मियों ने दोनों पक्षों को शांत करवाने का प्रयास किया, लेकिन हंगामा कर रहे लोगों ने पुलिसकर्मियों के साथ भी धक्का-मुक्की कर दी। इससे मौके पर तनाव और बढ़ गया। आखिरकार पुलिस ने हस्तक्षेप कर स्थिति को संभालने का प्रयास किया।

रेलवे रोड जैसे व्यस्त क्षेत्र में सुबह-सुबह हुई इस घटना से आसपास के दुकानदारों और राहगीरों में भी हलचल मच गई। मामूली सी बात पर शुरू हुआ विवाद जिस तरह मारपीट और हंगामे में बदल गया, उससे बाजार में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना के सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। अब पुलिस जांच में दोनों पक्षों के आरोपों और घटनाक्रम की वास्तविक स्थिति स्पष्ट होने की उम्मीद है।

## संक्षिप्त डायरी

### पटाखे की चिंगारी से कारखाने में लगी आग, दमकल ने पाया काबू

एजेंसी

**चकेरी** थानाक्षेत्र के श्यामनगर में दीपवाली की रात में कारखाने और गोदाम में आग लग गई। आग की लपटें उठती देख हड़कंप मच गया। दमकल की तीन गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। हालांकि आग से हुए नुकसान का आंकलन नहीं हो सका है। श्यामनगर बी ब्लाक निवासी बंटी अग्रवाल अपने घर के ग्राउंड फ्लोर पर रजाई और तकियों का कारखाना चलाते है। वहीं पर उन्होंने गोदाम भी बना रखा है। प्रथम तल पर वह परिवार के साथ रहते भी है। सर्दी के सीजन की तैयारी के कारण उन्होंने माल का काफी स्टाक भी कर रखा था। बीती रविवार रात उनके गोदाम में पटाखे की चिंगारी से आग लग गई। आग से धुआं उठता देख हड़कंप मैक गया। घर में बंटी अग्रवाल के अलावा उनके पिता विजय अग्रवाल समेत मां, पत्नी व बच्चा था। सभी लोग घर से बाहर निकल आए। जाजमऊ अग्निशमन अधिकारी मो. शमीम ने बताया कि तीन दमकल की गाड़ियों ने आग पर काबू पा लिया है। घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है। आग से हुए नुकसान का आंकलन नहीं हो सका है।

### कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे नाले में पलटी, दो लोग घायल

एजेंसी

**कानपुर।** कैंट थानाक्षेत्र में गोल्फ क्लब के पास रविवार रात तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे नाले में पलट गई। हादसे में जाजमऊ निवासी हर्ष शर्मा और फैजान घायल हो गए। दोनों युवक पटाखों की खरीदारी कर जाजमऊ लौट रहे थे। इसी दौरान कार अनियंत्रित होकर नाले में जा गिरी। मौके पर पहुंचे राहगीरों ने दोनों को बाहर निकाला। सूचना पर पहुंची पुलिस और परिजनों ने घायलों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया। थाना प्रभारी अरविंद राय ने बताया कि क्षतिग्रस्त कार को क्रेन से हटवा दिया गया है। हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई।

### फेरी लगाकर आइसक्रीम बेचने वाले युवक की ट्रेन से कटकर मौत, आत्महत्या की आशंका

एजेंसी

**इटावा।** रेलवे स्टेशन के पूर्वी ओर डाउन ट्रैक पर गेट नंबर 20 के पास सोमवार सुबह करीब 8:35 बजे 20434 जम्मू मेल ट्रेन की चपेट में आने से 28 वर्षीय युवक की कटकर मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक की पहचान शिवम (28) पुत्र रामदास कश्यप निवासी इंद्रा नगर, कस्बा भरथना के रूप में हुई है। हादसा डाउन रेल ट्रैक पर किलोमीटर संख्या 1136/12 के पास हुआ। बताया गया कि सोमवार सुबह इटावा से कानपुर की ओर जा रही 20434 जम्मू मेल ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक फेरी लगाकर आइसक्रीम बेचने का काम करता था और इसी से अपने परिवार का भरण-पोषण करता था।आसपास के लोगों के मुताबिक, घटना से पहले युवक को डाउन रेल लाइन पर बैठने और टहलते हुए देखा गया था। ट्रेन को आता देख लोगों ने चीखकर उसे पटरी से हटने के लिए आवाज भी लगाई, लेकिन वह नहीं हटा और ट्रेन की चपेट में आ गया। इसको लेकर युवक द्वारा आत्महत्या किए जाने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, मौके पर मौजूद परिजन घटना की वजह फिलहाल स्पष्ट नहीं कर सके। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन मौके पर पहुंच गए और शव देखकर बिलखने लगे। सूचना पर जीआरपी चौकी प्रभारी अजब सिंह पुलिसकर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी।

### 177 साल पहले काशी में दीपावली पर मिठाई के साथ बांटे जाते थे भुने अनाज

एजेंसी

**वाराणसी।** करीब 177 साल पहले भी काशी में दीपावली मनाने की अनूठी परंपरा थी। ब्रिटिश यात्री ने अपनी किताब ह्यसेक्रेड सिटी ऑफ हिंदूह्ल में उल्लेख किया है कि उस समय मिठाई के साथ भुने अनाज बांटे जाते थे। कुओं, मंदिरों और मूर्तियों के पास दीप जलाए जाते थे। अमावस्या की रात पूरा शहर दीपों से जगमगा उठता था। काशी की दीपावली की परंपराएं सदियों पुरानी हैं। रोशनी, पूजा-पाठ और उत्सव के साथ इस पर्व का सामाजिक और सांस्कृतिक स्वरूप भी खास रहा है। दीपावली पर मिठाइयां बांटने की परंपरा तो आज भी कायम है, लेकिन कभी काशी में मिठाइयों के साथ भुने हुए अनाज भी बांटे जाते थे। करीब 177 साल पहले काशी आए ब्रिटिश यात्री और लेखक एमए शेरिंग ने अपनी पुस्तक ह्यसेक्रेड सिटी ऑफ हिंदूह्ल में दीपावली के ऐसे ही स्वरूप का उल्लेख किया है। उनके विवरण से पता चलता है कि उस दौर में दीपावली केवल घरों तक सीमित त्योहार नहीं थी, बल्कि पूरा नगर सामूहिक उत्सव में शामिल होता था। शेरिंग ने लिखा है कि कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या को पूरे नगर में दीपावली का मेला लगता था। यह हिंदुओं के लिए अत्यंत हर्ष और उल्लास का पर्व था, जिसमें मुसलमान भी कुछ हद तक भागीदारी करते थे। इस दिन पूरा शहर दीपों की रोशनी से जगमगा उठता था। घरों से लेकर सार्वजनिक और धार्मिक स्थलों तक दीप जलाए जाते थे। काशी की अनोखी परंपरा का उल्लेख। त्योहार की खुशियां बांटने के लिए लोग अपने मित्रों और परिचितों के बीच मिठाइयां और भुने हुए अनाज वितरित करते थे। गरीबों को भी ये वस्तुएं दान की जाती थीं। यहां तक कि सबसे गरीब व्यक्ति भी अपने घर के दरवाजे के सामने अपना छोटा-सा चिराग या दीपक जलाता है। कुओं, मंदिरों, मूर्तियों और स्थानीय लोगों के लिए धार्मिक या सांस्कृतिक महत्व रखने वाले लगभग सभी स्थानों को दीपों से सजाया जाता है। यह त्योहार धन की देवी लक्ष्मी के सम्मान में मनाया जाता है। एमए शेरिंग ने अपनी पुस्तक में दीपावली की रात जुआ खेलने की परंपरा का भी जिक्र किया है। उन्होंने लिखा है कि समाज के सभी वर्गों, ऊंच-नीच और हर जाति के लोग इस रात जुआ खेलते थे। यहां तक कि ऐसे लोग भी इस परंपरा में शामिल होते थे, जो सामान्य दिनों में कभी जुआ नहीं खेलते थे। यानी दीपावली की रात जुआ खेलना भी उस समय के उत्सव का एक हिस्सा था। हालांकि, शेरिंग ने इस परंपरा के नकारात्मक पक्ष पर भी टिप्पणी की है। उनके अनुसार, इस प्रथा का समाज के लोगों के मन-मस्तिष्क पर अत्यंत अनैतिक और बुरा प्रभाव पड़ता था।

### ड्यूटी के दौरान पंप हाउस में फंदे से लटका मिला कर्मचारी का शव, पहुंची पुलिस; परिजनों में मातम

एजेंसी

**वाराणसी।** ड्यूटी के दौरान पंप हाउस में 21 वर्षीय कर्मचारी का शव फंदे से लटका मिला। अगली शिफ्ट में ड्यूटी पर पहुंचे कर्मचारियों ने शव देखा तो हड़कंप मच गया। सूचना पर संबंधित अधिकारी और पुलिस मौके पर पहुंचे। घटना के बाद सभासद ने पंप हाउस की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। अनपरा थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 13 स्थित लक्ष्मण नगर में विश्वकर्मा मंदिर के पास पंप हाउस में रविवार रात एक दर्दनाक घटना सामने आई। यहां ड्यूटी पर तैनात 21 वर्षीय कर्मचारी इबरार खान का शव पंप हाउस के अंदर लोहे की रेलिंग से लटका मिला। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक की पहचान पिपरी सोनवानी, डिबुलगंज निवासी इबरार खान पुत्र पप्पू खान उर्फ मोहम्मद साहब खान के रूप में हुई। वह पिछले एक वर्ष से लक्ष्मण नगर स्थित एलएंडटी के पंप हाउस में कार्यरत था। रविवार को उसकी ड्यूटी दोपहर दो बजे से रात 10 बजे तक थी। रात में अगली शिफ्ट के कर्मचारी पंप हाउस पहुंचे तो अंदर उसका शव नायलॉन की रस्सी के सहारे लोहे की रेलिंग से लटका मिला। कर्मचारियों ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस और सुपरवाइजर को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतरवाकर कब्जे में लिया और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। शव को रेणुसागर स्थित मोर्चरी हाउस में रखवाया गया है। अनपरा थानाध्यक्ष राजेश चौबे ने बताया कि घटना रविवार रात करीब नौ बजे की है। युवक ने किन परिस्थितियों में यह कदम उठाया, इसकी जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

# गोरखपुर, बिहार रूट की ट्रेनों में खचाखच भीड़, सीट के लिए मारामारी; खड़े होकर करनी पड़ी यात्रा

एजेंसी



**वाराणसी।** दीपावली के बाद गोरखपुर और बिहार रूट की ट्रेनों में यात्रियों की भारी भीड़ उमड़ रही है। जनरल और स्लीपर कोच खचाखच भरे होने से सीट के लिए मारामारी की स्थिति रही। कई यात्रियों को खड़े होकर सफर करना पड़ा। भीड़ को देखते हुए रेलवे स्टेशनों पर निगरानी बढ़ा दी गई है। यात्रियों की सुरक्षा के लिए अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है। दीपावली और छठ के मद्देनजर ट्रेनों में भीड़ का असर रविवार को दीपावली के दिन भी देखने को मिला। कैंट रेलवे स्टेशन से लेकर बनारस रेलवे स्टेशन और वाराणसी सिटी स्टेशन तक सकुर्लेटिंग एरिया से लेकर ट्रेनों में भीड़ सबसे अधिक रही। विशेषकर गोरखपुर और बिहार रूट पर जाने वाली ट्रेनें खचाखच भरी रहीं और सीट के लिए मारामारी करनी पड़ी। दो दिन पहले कैंट स्टेशन पर यात्रियों के बीच मारपीट के बाद रविवार को विशेष सतर्कता बरती गई। दीपावली पर दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद, सूरत सहित अन्य जगहों से कोई परिवार के साथ घर लौट रहा है तो बहुत से लोग अकेले यात्रा कर रहे हैं। अब जबकि दीपावली का त्योहार खत्म हो गया है, ऐसे में लोग छठ के लिए घर लौटने लगे हैं। इसी वजह से रविवार को कैंट रेलवे स्टेशन से गोरखपुर जाने वाली इंटरसिटी एक्सप्रेस, लोकमान्य तिलक-गोरखपुर एक्सप्रेस और चौरीचौरा एक्सप्रेस के साथ ही बिहार रूट पर जाने वाली ट्रेनों के जनरल और स्लीपर कोच में भी खूब भीड़ रही। स्थिति यह रही कि ज्यादातर लोगों को खड़े होकर यात्रा करनी पड़ी। इसी तरह का नजारा बनारस रेलवे स्टेशन पर भी दिखा। इस बीच रेलवे स्टेशन पर आरंपीएफ जवानों के साथ ही जीआरपी की टीम भी मुस्तैद रही। सकुर्लेटिंग एरिया से लेकर प्लेटफॉर्म और ट्रेनों तक चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान यात्रियों से बार-बार यात्रा करते समय सावधानी बरतने की अपील अनाउंसमेंट सिस्टम के माध्यम से भी की जाती रही। ट्रेनों में यात्रा के समय सावधानी बहुत जरूरी : डीआरएम पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) आशीष जैन ने यात्रियों से ट्रेन में यात्रा करते समय सावधानी बरतने की अपील की है। आशीष जैन ने अपनी अपील में कहा कि यात्रा के दौरान ट्रेनों में ज्वलनशील एवं विस्फोटक पदार्थ लेकर यात्रा नहीं करनी चाहिए। साथ ही ट्रेन की छत पर बैठकर अथवा दरवाजे पर लटककर यात्रा नहीं करनी चाहिए। यात्रियों से अपील है कि स्टेशनों पर एक प्लेटफॉर्म से दूसरे प्लेटफॉर्म पर जाने के लिए पैदल ऊपरीगामी पुल (एफओबी), लिफ्ट या एस्केलेटर का उपयोग करें।

## नाबालिग छात्रा के घर में घुसकर दुष्कर्म करने वाले गुनाहगार को उम्रकैद की सजा के साथ ही हुआ 22 हजार का जुमार्ना




**हमीरपुर (सैय्यद बासित अखतर)** के चिकासी क्षेत्र के इस्लामपुर गांव में 17 साल की नाबालिग छात्रा के घर में घुसकर दुष्कर्म की वारदात को अंजाम देने वाले गुनाहगार विपिन यादव को पाक्सो अदालत के स्कालर जज अनिल कुमार खरवार ने उम्रकैद की सजा के साथ ही सुनाया 22 हजार का जुमार्ना। अभियोजन की तरफ से पैरवी कर रहे एडीजीसी रुद्रप्रताप सिंह ने बताया कि पीड़िता के पिता की तहरीर पर चिकासी क्षेत्र के इस्लामपुर निवासी मुल्जिम विपिन यादव पुत्र गजराज के खिलाफ मुकदमा अपराध संख्या-112/2021 धारा-376/456 आईपीसी सहित 4 पोक्सो के तहत 3(2)5 एससीएसटी में 22 अक्टूबर 2021 को मामला दर्ज किया गया था। वहीं आपरेशन कन्विक्शन के तहत पाक्सो अदालत के स्कालर जज अनिल कुमार खरवार ने मुल्जिम विपिन यादव को गुनाहगार मानते हुये धारा- 456, आईपीसी सहित 4 पॉक्सों के साथ ही 3(2)5 एससीएसटी के तहत उम्रकैद की सजा के साथ ही सुनाया 22 हजार का जुमार्ना। जबकि मामले की जांच तत्कालीन सीओ अखिलेश राजन ने पूरी करते हुये अदालत में चार्जशीट दाखिल करदी थी।

## दिपावली के त्योहार के मद्देनजर जिलाधिकारी और पुलिस कप्तान ने सुरक्षा का लिया जायजा-



**हमीरपुर (सैय्यद बासित अखतर)** दीपावली त्यौहार के मद्देनजर जिलाधिकारी अशोक कुमार सहित पुलिस कप्तान मृगांक शेखर पाठक ने पुलिस बल के साथ सरीला और जरिया में पैदल गश्त कर सुरक्षा के इंतिजामों का जायजा लेने के साथ ही लोगों को उनकी सुरक्षा का भरोसा दिलाया। दीपावली त्यौहार को सकुशल, शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में सम्पन्न कराने के मद्देनजर जिलाधिकारी सहित पुलिस कप्तान ने जरिया और सरीला के मुख्य बाजारों, भीड़भाड़ वाले इलाकों के साथ ही मिली जुली आबादी वाले इलाकों में पैदल गश्त किया गया। इस दौरान अधिकारियों ने बाजारों और सार्वजनिक जगहों पर सुरक्षा के इंतिजामों का जायजा लिया। साथ ही लोगों को उनकी सुरक्षा के लिये भरोसा दिलाया। जिलाधिकारी सहित पुलिस कप्तान ने अधिकारियों के साथ ही पुलिस कर्मियों को अपने-अपने ड्यूटी प्वाइंट पर होशियारी के साथ ड्यूटी करने, भीड़भाड़ वाली जगहों पर खास निगरानी रखने के साथ ही किसी भी एमरजेंसी हालात से निपटने के लिये तैय्यार रहने की हिदायत दी। *इस मौके पर पर एसडीएम सरीला के साथ ही सीओ सरीला शाहरुख खान के साथ ही जरिया थानाध्यक्ष मनोज पाण्डेय सहित कर्मचारी मौजूद रहे।

# दो युवकों की मौत, बाइक की टक्कर से मजदूर ने तोड़ा दम; अज्ञात वाहन ने राहगीर को कुचला

एजेंसी




**वाराणसी।** बीती रात दो अलग-अलग सड़क हादसों में दो लोगों की मौत हो गई। बीकापुर में तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से बिहार निवासी मजदूर सुनील साहनी की जान चली गई। शहावाबाद में अज्ञात वाहन ने एक व्यक्ति को कुचल दिया। दूसरे मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। वाराणसी के रोहनिया थाना क्षेत्र में रविवार रात हुए दो अलग-अलग सड़क हादसों में दो लोगों की मौत हो गई। बीकापुर में तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से पैदल जा रहे मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि शहावाबाद में अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक व्यक्ति ने दम तोड़ दिया। दूसरे मृतक की अब तक पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पहली घटना बीकापुर स्थित सर्विस रोड की है। मूल रूप से बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के मीनापुर थाना क्षेत्र के पुरैनिया गांव निवासी सुनील साहनी (25) जगतपुर में रहकर मजदूरी करते थे। रविवार रात वह बीकापुर की सर्विस रोड से पैदल जा रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार और अनियंत्रित बाइक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि सुनील सड़क पर गिर पड़े और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। हादसे के बाद बाइक चालक वाहन को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। त्योहार पर छाया मातम सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मर्चरी भिजवाया और परिजनों को घटना की जानकारी दी। मृतक के भाई राजकुमार ने बताया कि सुनील तीन भाइयों में सबसे छोटा था। परिवार में पत्नी नीलू देवी, एक बेटा और एक बेटी हैं। उसकी मौत की खबर मिलते ही पिता बैजू साहनी, मां जोखनिया देवी और पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। दूसरी घटना शहावाबाद की है। यहां सड़क से गुजर रहे एक व्यक्ति को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी।

वाहन की चपेट में आने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पहचान कराने का प्रयास किया। हालांकि, काफी प्रयास के बाद भी उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी। पुलिस के अनुसार, मृतक देखने से मानसिक रूप से अस्वस्थ प्रतीत हो रहा है। प्रभारी निरीक्षक राजू सिंह ने बताया कि दोनों मामलों में आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। बीकापुर में घटनास्थल से बरामद बाइक के नंबर के आधार पर उसके मालिक और चालक का पता लगाया जा रहा है। वहीं, दूसरे मृतक की पहचान कराने का प्रयास जारी है।

# भाई-भाई के विवाद में खूनी खेल, छोटे ने ईंट से कुचलकर की बड़े भाई की हत्या

एजेंसी



**कानपुर।** पारिवारिक विवाद में भाई ने भाई को मौत के घाट उतार दिया। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। हनुमंत विहार थाना क्षेत्र के संजय गांधी नगर में पारिवारिक विवाद ने खूनी रूप ले लिया। आरोप है कि छोटे भाई ने बड़े भाई की ईंट से कुचलकर हत्या कर दी और शव को पड़ोस के खाली प्लाट में फेंककर फरार हो गया। मृतक की पहचान आनंद सिंह उर्फ रगडू (40) के रूप में हुई है। वह संजय गांधी नगर में रहता था। जबकि आरोपी छोटा भाई प्रियम सिंह (37) अपनी पत्नी रानी और 15 वर्षीय बेटी शीतल के साथ रहता है। जानकारी के अनुसार, रविवार देर रात नशे की हालत में दोनों भाइयों के बीच पारिवारिक विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि मारपीट शुरू हो गई। आरोप है कि इस दौरान छोटे भाई ने बड़े भाई को ईंट से कुचलकर मार डाला। हत्या के बाद शव को सचिन कुमार पाल के खाली प्लाट में फेंक दिया गया। मोहल्ले वालों के अनुसार, झगड़े के दौरान प्रियम, उसकी पत्नी रानी और बेटी शीतल तीनों आनंद को घसीट-घसीट कर मार रहे थे। बताया जा रहा है कि हत्या से पहले घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे को भी बंद कर दिया गया था। सुबह पड़ोसियों ने खाली प्लाट में शव देखा तो पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची हनुमंत विहार पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने पत्नी रानी और बेटी शीतल को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। वहीं छोटा भाई प्रियम सिंह फरार बताया जा रहा है, जिसकी तलाश की जा रही है। फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस पूरे मामले की जांच-पड़ताल में जुटी है।

## कांग्रेस नेता ने किया भाजपा कार्यकर्ता और विधायक के रिश्तेदार का मर्डर

एजेंसी

**कन्नौज।** यूपी के कन्नौज जिले में चुनावी रंजिश में भाजपा विधायक के रिश्तेदार की गोली मारकर हत्या करने का मामला सामने आया है। आरोपी ने कोतवाली के पास अधिवक्ता को तीन गोलियां मारीं। आरोपी विधानसभा चुनाव निर्दलीय लड़ चुका है। आरोपी वर्तमान में कांग्रेस का जिला पदाधिकारी है। कन्नौज में रविवार शाम कोतवाली के पास विधानसभा चुनाव की रंजिश में छिबरामऊ विधायक अर्चना पांडेय के रिश्तेदार अधिवक्ता को गोली मार दी गई। गंभीर रूप से घायल अधिवक्ता को उनके सहयोगी आनन-फानन सौ शैय्या अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अस्पताल सूत्रों के मुताबिक, उन्हें तीन गोलियां मारी गईं। दिवाली के दिन सरेशाम हुई इस वारदात से नगर में सनसनी फैल गई। 2022 में निर्दलीय चुनाव लड़ चुका आरोपी खुद को कांग्रेस का जिला महासचिव बताता है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। शहर के मोहल्ला सुभाष नगर, पश्चिमी बाईपास निवासी अधिवक्ता अनुज चतुर्वेदी (38) रविवार को अपने घर से बाजार जाने के लिए निकले थे। कोतवाली के पास ही कोयला वाली गली में सामने से आ रहे अमोल दीक्षित से उनका विवाद हो गया। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर अमोल दीक्षित ने अपनी लाइसेंसी रिवॉल्वर से अनुज चतुर्वेदी को गोली मार दी। गोली लगते ही वह लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़े। गोली चलने की आवाज सुनकर हड़कंप मच गया। इस बीच उनके कुछ सहयोगी मौके पर पहुंचे और उन्हें अस्पताल ले गए। सूचना पर सीओ मयंक मिश्रा कोतवाल कपिल दुबे मौके पर पहुंचे और जांच की। सीओ ने बताया कि सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। 2022 के विधानसभा चुनाव में हुई थी मारपीट हत्यारोपी अमोल ने 2022 में निर्दलीय विधानसभा चुनाव लड़ा था। कोतवाल कपिल दुबे के अनुसार, मतदान के दिन नगर के एक बूथ पर अमोल और अनुज के बीच मारपीट हुई थी। तब से दोनों के बीच रंजिश चली आ रही थी। जानकारी के अनुसार, पूर्व में अमोल आम आदमी पार्टी में था फिर उसने कांग्रेस की सदस्यता ले ली थी। अपने लेटर पैड में वह खुद को कांग्रेस का जिला महासचिव बताता है। कांग्रेस के प्रदेश सचिव विजय मिश्रा ने बताया कि अमोल कांग्रेस का कार्यकर्ता है लेकिन पद की जानकारी नहीं है। भाजपा छिबरामऊ अध्यक्ष दिलीप गुप्ता ने बताया कि अनुज पार्टी के सक्रिय कार्यकर्ता थे। हत्याकांड का है एक चश्मदीद अपर पुलिस अधीक्षक अजय कुमार ने बताया कि अधिवक्ता को अमोल दीक्षित ने गोली मारी है। वारदात का एक चश्मदीद भी है। आरोपी को गिरफ्तार करने का प्रयास किया जा रहा है। नौ साल की बेटी के सिर से उठा पिता का साया अधिवक्ता अनुज चतुवेर्दी की मौत की खबर मिलते ही परिवार में चीखपुकार मच गई। पत्नी लक्ष्मी और मां सुमन का रो-रोकर बुरा हाल है। उनकी नौ वर्षीय बेटी सिद्धू है। पिता की मौत से मासूम बेटी के सिर से हमेशा के लिए पिता का साया उठ गया।

# दीपावली की रात आग का कहर, पांच दुकानें जलकर राख, पूजा करने गई बुजुर्ग महिला झुलसी

एजेंसी



**इटावा।** दीपावली की रात जिले में आग लगने की चार घटनाओं में पांच दुकानें जलकर राख हो गईं, जबकि मंदिर में पूजा करने गई एक बुजुर्ग महिला गंभीर रूप से झुलस गई। दुकानों में आग लगने से लाखों रुपये का सामान नष्ट हो गया। दमकल कर्मियों और स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पाया गया। झुलसी महिला को गंभीर हालत में आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय रेफर किया गया है। शहर में रविवार रात शास्त्री चौराहे के पास श्री बिहारी जी धाम अपार्टमेंट स्थित मेडिकल स्टोर में भीषण आग लग गई। दुकान में रखा सामान पूरी तरह जलकर राख हो गया। सूचना पर पहुंची दमकल की दो गाड़ियों ने मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। समय रहते आग बुझने से अपार्टमेंट के अन्य फ्लैट आग की चपेट में आने से बच गए। दुकान में जलता दीपक छोड़ने से आग लगने की आशंका जताई गई है। दूसरी घटना अशोक नगर की पुरानी पीएसी गली में रात करीब 10 बजे हुई। यहां कॉस्मेटिक और टेलर की दुकान में अज्ञात कारणों से आग लग गई। धुआं देखकर मोहल्ले के लोगों ने ताला तोड़कर शटर खोला, लेकिन तब तक दुकान का सामान जल चुका था। दुकान संचालिका प्रीति की दो सिलाई मशीनें और कॉस्मेटिक का पूरा सामान राख हो गया।वहीं, लवेदी थाना क्षेत्र के लवेदी गांव में आधार केंद्र समेत दो दुकानों में आग लग गई। इसमें कुलवंत का ग्राहक सेवा केंद्र भी शामिल है, जिसे वह पिछले 20 वर्षों से चला रहे थे। आग से लाखों रुपये का सामान जल गया। ग्रामीणों ने सामूहिक प्रयास से आग पर काबू पाया। चौथी घटना लवेदी क्षेत्र के बसइयाहार गांव में हुई। यहां मंदिर में पूजा करने गईं सत्यवती की साड़ी में अचानक आग लग गई। महिला की चीख-पुकार सुनकर पहुंचे परिजनों ने किसी तरह आग बुझाई। गंभीर रूप से झुलसी सत्यवती को जिला अस्पताल ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उन्हें आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय सैफई रेफर कर दिया।

## दीपावली के दिन भी आठ उड़ानें लेट, त्योहार पर समय से नहीं पहुंच पाए यात्री; परेशानी

एजेंसी

**वाराणसी।** दीपावली के दिन भी हवाई यात्रियों को उड़ानों के संचालन में गड़बड़ी का सामना करना पड़ा। आठ उड़ानें देरी से संचालित हुईं, जबकि छह उड़ानें निरस्त रहीं। इसके चलते यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ी। त्योहार पर घर पहुंचने की तैयारी कर रहे कई यात्री समय से अपने गंतव्य तक नहीं पहुंच सके। एयरपोर्ट पर यात्रियों को इंतजार करना पड़ा। मौसम और तकनीकी कारणों से दिवाली के दिन भी विमानों का संचालन प्रभावित रहा। रविवार को आठ उड़ानें देर से आईं-गईं और छह निरस्त रहीं। निरस्त उड़ानों की जानकारी पहले से यात्रियों को दी गई थी। वहीं, देरी के कारण कुछ यात्रियों को एयरपोर्ट पर लंबा इंतजार करना पड़ा। संचालन प्रभावित होने के कारण दिवाली के दिन भी यात्री समय से अपने घरों पर नहीं पहुंच पाए। रविवार को इंडिगो की बंगलूरू-वाराणसी-बंगलूरू 1.10 घंटे और दिल्ली-वाराणसी-दिल्ली की उड़ानें 34 मिनट की देरी से आईं और प्रस्थान कीं। ऐसे ही एयर इंडिया एक्सप्रेस की बंगलूरू-वाराणसी-बंगलूरू 21 मिनट और मुंबई-वाराणसी-मुंबई की उड़ानें 23 मिनट की देरी से पहुंचीं और प्रस्थान कीं। वहीं, स्पाइस जेट की छह उड़ानें निरस्त रहीं। स्पाइस जेट की मुंबई-वाराणसी-मुंबई, पुणे-वाराणसी-पुणे और दिल्ली-वाराणसी-दिल्ली की उड़ानें निरस्त रहीं। एयरपोर्ट अधिकारियों ने बताया कि उड़ानों की देरी और निरस्त होने की सूचना पहले से ही यात्रियों को दी गई थी। एयरपोर्ट पर देर से आए उड़ानों के यात्रियों को पूरी व्यवस्था कराई गई थी। त्योहारों पर विशेष ट्रेन चलने से यात्रियों को मिलेगी राहत रेलवे की ओर से त्योहारों पर भीड़ को देखते हुए स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया

KL राहुल ने जीता दिल

# अवॉर्ड में मिला महंगा फोन मैच अधिकारी को किया गिफ्ट



## फोन मिलने पर हैरान रह गई महिला अधिकारी

बीसीसीआई ने राहुल के इस खास पल का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। वीडियो में महिला अधिकारी फोन मिलने के बाद अपनी खुशी और हैरानी जाहिर करती नजर आ रही हैं। उन्होंने कहा कि राहुल ने उन्हें अपना फोन दे दिया और वह इस तरह के तोहफे की बिल्कुल उम्मीद नहीं कर रही थीं। उन्होंने इस gesture के लिए भारतीय बल्लेबाज का आभार भी जताया।

**वेलिंगटन, एजेंसी।** भारतीय क्रिकेटर केएल राहुल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे वनडे में शानदार बल्लेबाजी के बाद मैदान के बाहर भी ऐसा काम किया, जिसने फैंस का दिल जीत लिया। भारत की 4 रन से रोमांचक जीत के बाद राहुल को 'गेमचेंजर ऑफ द मैच' का अवॉर्ड मिला था। लेकिन उन्होंने इनाम में मिले महंगे स्मार्टफोन को अपने पास रखने के बजाय स्टेडियम की एक महिला अधिकारी को गिफ्ट कर दिया। उनका यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

पेरिस मास्टर्स

# अल्काराज ने रूड को हराकर फाइनल में बनाई जगह



## सातवें अलग मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचे

कैस्पर रूड के खिलाफ जीत के साथ ही अल्काराज सात अलग-अलग एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। एटीपी की रिपोर्ट के मुताबिक, 23 वर्षीय स्पेनिश खिलाड़ी अब तक मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट में कुल 11 चैंपियनशिप मुकाबले खेल चुके हैं।

**पेरिस, एजेंसी।** कार्लोस अल्काराज ने पेरिस मास्टर्स के सेमीफाइनल में कैस्पर रूड को 6-4, 6-4 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। अब उनका सामना बेन शेल्टन से होगा। शेल्टन ने हाल ही में यूएस ओपन में अल्काराज को हराया था। दोनों के बीच अब तक हुए चार मुकाबलों में स्पेनिश खिलाड़ी ने तीन जीत दर्ज की हैं। स्पेन के स्टार टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने पेरिस मास्टर्स के फाइनल में जगह बना ली है। शनिवार को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में उन्होंने नॉर्वे के कैस्पर रूड को सीधे सेटों में 6-4, 6-4 से हराया।

# एलेना ने 2026 डब्ल्यूटीए फाइनल्स से नाम वापस लिया



**नई दिल्ली, एजेंसी।** दुनिया की नंबर 1 एलेना रायबाकिना ने वायरल बीमारी के कारण इंडियन वेल्स में होने वाले 2026 डब्ल्यूटीए फाइनल्स से नाम वापस ले लिया है। रायबाकिना ने कहा, 'मुझे अपने सभी फैंस और समर्थकों को यह बताते हुए बहुत दुख हो रहा है कि बदकिस्मती से मुझे इस साल डब्ल्यूटीए फाइनल्स से नाम वापस लेना पड़ रहा है।' उन्होंने कहा, 'मेरा सीजन बहुत अच्छा रहा है, लेकिन मेरा शरीर अभी मुकाबला करने के लिए तैयार नहीं है। मैं घर पर आराम करने और ठीक होने में कुछ समय बिताऊंगी और 2027 सीजन के लिए खुद को तैयार करूंगी। डब्ल्यूटीए फाइनल्स एक बहुत ही खास टूर्नामेंट है और मैं सभी को शुभकामनाएं देती हूं। मार्च में इंडियन वेल्स में वापस आने का इंतजार नहीं कर सकती।'

डब्ल्यूटीए की रिपोर्ट के मुताबिक, मार्टा कोस्त्युक ग्रुप 1 में रायबाकिना की जगह लेंगी, और रविवार को टूर्नामेंट के पहले मैच में लिंडा नोस्कोवा का सामना करेंगी। इसके अलावा, कोको गॉफ और जेसिका पेगुला भी बाद के राउंड रॉबिन मैचों में उनका सामना करेंगी। रायबाकिना ने साल के आखिर में होने वाले इस इवेंट में डिफेंडिंग चैंपियन के तौर पर एंट्री की थी, और सऊदी अरब के रियाद में 2025 एडिशन में आखिरी क्वालीफायर के तौर पर बिना हारे रहीं। इस सीजन में, वह यूएस ओपन में अपना तीसरा ग्रैंड स्लैम जीतने के बाद पहली सिंगल्स क्वालिफायर थीं, जहां उन्होंने नंबर 1 रैंकिंग भी हासिल की थी। रायबाकिना डब्ल्यूटीए पर अपना 2026 सीजन 54-14 के रिकॉर्ड और चार खिताब – ऑस्ट्रेलियन ओपन, स्टटगार्ट, यूएस ओपन और निंगबो के साथ खत्म करेंगी। नाम वापस लेने के बावजूद, उन्होंने टोक्यो में पीआईएफ द्वारा पेश की गई डब्ल्यूटीए साल के आखिर की नंबर 1 सिंगल्स रैंकिंग हासिल की। वर्ल्ड नंबर 1 और डिफेंडिंग चैंपियन के हटने के बाद, कोस्त्युक पहले अल्टरनेट के तौर पर कॉम्पिटिशन में उतरीं।

# दीपक चाहर कप्तान, मानव सुतार उपकप्तान, अभिषेक-कार्तिक भी टीम में; सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए राजस्थान का स्क्वाड





**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत के प्रतिष्ठित घरेलू टी20 टूर्नामेंट सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026-27 के लिए लगातार अब टीमों के स्क्वाड जारी होने का सिलसिला जारी है। 32 टीमों वाला एलीट राउंड का यह टूर्नामेंट 14 नवंबर से शुरू हो जाएगा। इसी बीच रविवार रात एलीट ग्रुप ए में शामिल राजस्थान ने अपने स्क्वाड का ऐलान हुआ है। इस टीम की कप्तानी दीपक चाहर को सौंपी गई है, वहीं मानव सुतार उपकप्तान बनाए गए हैं। दीपक चाहर के भाई राहुल चाहर भी इस टीम का हिस्सा हैं। इसके अलावा विकेटकीपर बल्लेबाज कार्तिक शर्मा को भी स्क्वाड में जगह मिली है। बाएं हाथ के 18 वर्षीय बल्लेबाज और दाएं हाथ के गेंदबाज अभिषेक मूंद को भी राजस्थान के स्क्वाड में शामिल किया गया है। वहीं अनुभवी महिपाल लोमरोर भी स्क्वाड का हिस्सा हैं।

**मुकुल की एंट्री, खलील अहमद बाहर** – लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए शानदार खेल दिखाकर आईपीएल 2026 में सुर्खियां बटोरने वाले मुकुल चौधरी को भी इस टीम में जगह मिली है। कार्तिक, मुकुल के अलावा तीसरे विकेटकीपर बल्लेबाज कुणाल सिंह राठौर का भी चयन हुआ है। हैमस्ट्रिंग इंजरी से रिकवर हो रहे खलील अहमद का इस टीम में चयन नहीं हो पाया है।

# हैमिल्टन वनडे में कप्तान शुभमन गिल करेंगे फेरबदल



**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की वनडे सीरीज का तीसरा मुकाबला मंगलवार को हैमिल्टन के सेडॉन पार्क में खेला जाएगा. भारतीय समयानुसार ये मुकाबला सुबह 7.30 बजे शुरु होगा. भारतीय टीम शुरुआती दोनों मैच जीतकर 2-0 की बढ़त बना चुकी है. अब इस मुकाबले को जीतकर वो सीरीज पर कब्जा जमाना चाहेगी. शुभमन गिल की अगुवाई वाली भारतीय टीम इस मुकाबले के लिए अपनी प्लेइंग इलेवन में कम से कम एक बदलाव कर सकती है. अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को मौका मिलने की उम्मीद है.

# अक्षय कुमार की समुक में नया एक्टर बनेगा विलेन

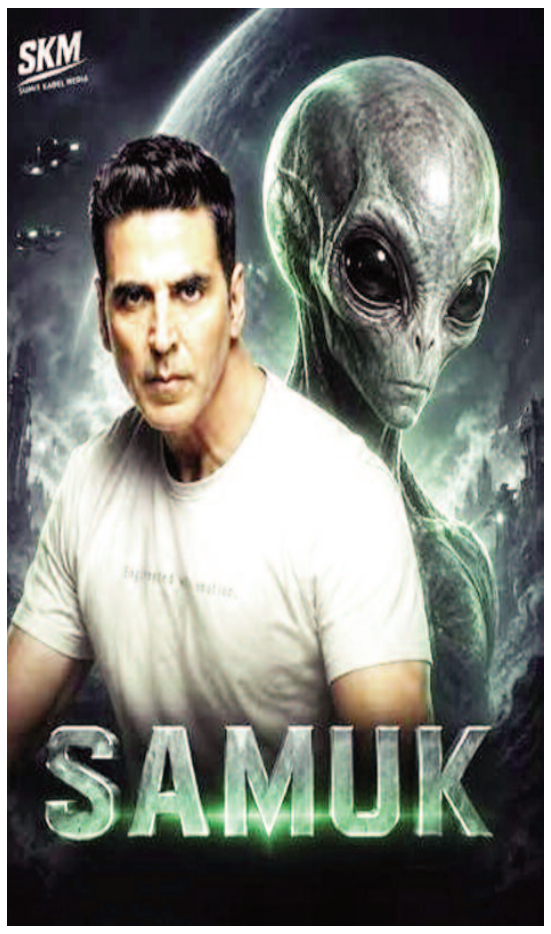


अक्षय कुमार इन दिनों दो अलग-अलग जॉनर की फिल्मों में व्यस्त हैं। निर्देशक कनिष्क वर्मा की साइंस-फिक्शन एक्शन-सर्वाइवल फिल्म 'समुक' के दूसरे शेड्यूल के लिए करीब 300 लोगों की टीम उत्तराखंड पहुंच चुकी है। वहीं, अनीस बज्मी की कॉमेडी फिल्म की शूटिंग भी अंतिम दौर में बताई जा रही है। दोनों फिल्मों की शूटिंग अक्षय के फिल्मी कैलेंडर के साथ तालमेल बनाकर पूरी की जा रही है।

## 'समुक' के लिए देहरादून में एक सप्ताह की शूटिंग शुरू हो गई है...

'समुक' का नया शेड्यूल देहरादून में शुरू होने की जानकारी है। विपुल अमृतलाल शाह के निर्माण में बन रही इस फिल्म में अक्षय के साथ रुक्मिणी मैत्रा, विनीत कुमार सिंह, राजत कपूर, स्वानंद किरकिरे, सुशांत सिंह और बनिता संधू नजर आएंगे। फिल्म में एक नए एक्टर को निगेटिव रोल में पेश किए जाने की चर्चा है। हालांकि, 'समुक' के विलेन और उसकी कास्टिंग को लेकर अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

## अनीस की फिल्म में कॉमिक टाइमिंग पर होगा खास फोकस



दूसरी ओर, अनीस की कॉमेडी फिल्म में अक्षय के साथ विद्या बालन और राशि खन्ना हैं। विजय राज, राजपाल यादव और सुदेश लहरी जैसे कलाकार भी फिल्म का हिस्सा हैं। यहां स्टंट और विजुअल इफेक्ट्स के बजाय कलाकारों की केमिस्ट्री, संवादों की लय और कॉमिक टाइमिंग खास होगी। अक्षय ने मई में फिल्म का केरल शेड्यूल पूरा होने की जानकारी दी थी। अब अलग-अलग लोकेशन पर शूटिंग के लिए कलाकारों की डेट्स तकनीकी संसाधनों और यूनिट की आवाजाही के बीच तालमेल बनाया जा रहा है।

## 'हैवान' के बाद कॉमेडी पर ही प्रियदर्शन का भरोसा

वहीं प्रियदर्शन और अक्षय की जोड़ी 'हेरा फेरी', 'गरम मसाला', 'भागम भाग' और 'भूल भुलैया' जैसी फिल्मों के लिए पहचानी जाती है। उनकी साथ में आखिरी फिल्म इसी साल 'हैवान' रिलीज हुई। इसमें अक्षय को निगेटिव किरदार में पेश करना उनकी छवि से अलग प्रयोग था। प्रियदर्शन ने अगस्त के आखिर में कहा था कि अक्षय लंबे समय से ऐसा किरदार निभाना चाहते थे और उन्होंने खुद इसमें रुचि दिखाई थी। सितंबर की शुरुआत में निर्देशक ने 'पैडमैन' और 'रुस्तम' जैसी फिल्मों का उल्लेख करते हुए अक्षय की कॉमेडी से आगे की अभिनय क्षमता पर भी जोर दिया। सितंबर के अंतिम सप्ताह की रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'हैवान' के बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन के बाद प्रियदर्शन ने अक्षय के साथ कॉमेडी पर ज्यादा ध्यान देने की बात कही। उनकी अगली कॉमेडी-थ्रिलर में अक्षय के शिकारी की भूमिका निभाने की चर्चा भी सामने आई है। हाल ही में प्रियदर्शन ने स्वीकार किया कि दर्शक उन्हें गंभीर या नॉन-कॉमेडी विषयों में स्वीकार नहीं करते हैं। उन्होंने याद दिलाया कि पहले 'खट्टा मीठा' जैसी गंभीर फिल्मों के साथ भी ऐसा ही हुआ था। 'हैवान' के परिणाम के बाद प्रियदर्शन ने कहा है कि वे अब अक्षय के साथ भविष्य में सिर्फ कॉमेडी फिल्मों पर ही काम किया करेंगे।



# कोच भी डरते हैं...




# विराट कोहली को सुझाव देना हो सकता है खतरनाक

**नई दिल्ली, एजेंसी।** विराट कोहली को लेकर टीम इंडिया के पूर्व असिस्टेंट कोच रायन टेन डेस्काथे ने एक दिलचस्प किस्सा शेयर किया है. उन्होंने बताया कि कैसे ऑस्ट्रेलिया दौरे पर कोहली की बल्लेबाजी में एक तकनीकी खामी को दूर करने के लिए उन्हें काफी सावधानी बरतनी पड़ी? रायन टेन डेस्काथे ने ये किस्सा टॉकस्पोर्ट क्रिकेट पॉडकास्ट में बताया. उनके मुताबिक कोहली उस दौरे पर ऑफ स्टंप के बाहर की गेंदों पर ड्राइव करने की कोशिश में बार-बार आउट हो रहे थे. इस तरह से उनका लगातार आउट होना चर्चा का विषय बन गया था, और सवाल उठ रहे थे कि क्या कोचिंग स्टाफ इस मुद्दे पर काम कर रहा है या नहीं?

## कोच के लिए ये हो सकता है खतरनाक

हालांकि, डेस्काथे ने माना कि कोहली जैसे कद के खिलाड़ी के साथ ऐसी बातचीत शुरू करना एक नाजुक काम हो सकता है. उनके अनुसार, कोचों को न केवल यह सोचना चाहिए कि वे क्या कहना चाहते हैं, बल्कि यह भी कि वे संदेश कैसे और कब देते हैं? डेस्काथे ने आगे कहा कि उनका मानना है कि एक कोच के लिए विराट कोहली जैसे खिलाड़ी के पास जाना और हस्तक्षेप करना, और लगभग उन्हें ये बताना कि क्या हो रहा है, आपके लिए एक कोच के तौर पर खतरनाक हो सकता है. इसके लिए शब्दों का सही चुनाव और संदेश देने का तरीका बहुत महत्वपूर्ण है.

## 'विराट को सलाह देने से कोच भी डरते हैं'

रायन टेन डेस्काथे ने पॉडकास्ट में बताया कि विराट कोहली जैसे इंटरनेशनल क्रिकेटर को तकनीकी सुझाव देना आसान नहीं होता है. इतने बड़े कद वाले खिलाड़ी को तकनीकी सलाह देने से कोच भी डरते हैं. रायन टेन डेस्काथे नेबताया कि मैं कभी ऐसा कोच नहीं बनना चाहता जो सही बात कहने के लिए किसी और की राय से डरे. ऑस्ट्रेलिया दौरे पर चौथे टेस्ट में, मैं उनसे बात करने गया. बड़ी बात ये है कि वास्तव में विराट भी यही चाहते थे कि कोई उनसे उस खामी पर बात करे.

'दुनिया हिला देंगे...'

# अक्षर पटेल ने अर्शदीप सिंह को चिढ़ाया

● ऋतुराज गायकवाड़ के सामने खुद भी घिरे



**नई दिल्ली, एजेंसी।** न्यूजीलैंड के हैमिल्टन में रविवार (9 नवंबर) को बारिश ने भारतीय टीम का अभ्यास सत्र रोक दिया, लेकिन खिलाड़ियों की मस्ती जारी रही. इस दौरान अक्षर पटेल ने साथी गेंदबाज अर्शदीप सिंह को (इंडियन प्रीमियर लीग) 2027 से पहले ट्रेड की अफवाहों को लेकर जमकर चिढ़ाया. अक्षर ने मुंबई इंडियंस का मशहूर स्लोगन 'दुनिया हिला देंगे' कहकर अर्शदीप की खिंचाई की. दरअसल, अर्शदीप सिंह को लेकर चर्चा है कि वह पंजाब किंग्स से मुंबई इंडियं में जा सकते हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों फ्रेंचाइजी के बीच हार्दिक पंड्या और अर्शदीप सिंह की अदला-बदली पर बातचीत पूरी हो चुकी है. इस संभावित सौदे पर खिलाड़ियों की सहमति और ढक्कन अधिकारियों की मंजूरी बाकी है. अर्शदीप सिंह के बाद खिलाड़ियों ने अक्षर पटेल की भी खिंचाई की. दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर को चेन्नई सुपर किंग्स से जोड़ने वाली अटकलों पर मजाक किया गया.

संक्षिप्त समाचार

## जापान में फिर हिली धरती, भूकंप के तेज झटकों से 22 लोग घायल

**तोक्यो , एजेंसी।** जापान के मध्य हिस्से में रविवार तड़के भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए और इस दौरान कम से कम 22 लोग घायल हो गए। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी। भूकंप के कारण दुकानों की खिड़कियों के शीशे टूट गए और लोग इमारतों से बाहर निकल आए। जापान की मौसम विज्ञान एजेंसी ने भूकंप की तीव्रता 5.7 बताई, जबकि अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार इसकी तीव्रता 5.5 थी। भूकंप के बाद कम तीव्रता के कई और झटके भी महसूस किए गए। भूकंप का असर आइची प्रांत के आसपास के एक बड़े इलाके में महसूस किया गया, जिसमें हमामात्सु शहर, जापान की प्राचीन राजधानियां क्योटो और नारा तथा आसपास के यामानाशी और गिफू प्रांत शामिल हैं। जापान का प्रसिद्ध माउंट फूजी पर्वत यामानाशी प्रांत में स्थित है। जापानी टेलीविजन चैनलों पर प्रसारित फुटेज में दुकानों की खिड़कियों के शीशे टूटे हुए और सड़कों पर कांच के टुकड़े बिखरे दिखाई दिए। भूकंप के कारण 22 लोग घायल हो गए जिनमें ऐसे लोग भी शामिल हैं, जो इमारतों से बाहर निकलने की कोशिश में सीढ़ियों से गिर गए। स्थानीय समयानुसार देर रात एक बजकर चार मिनट पर आए इस भूकंप का केंद्र शिजुओका प्रांत में जमीन से करीब 40 किलोमीटर नीचे था। आइची और शिजुओका पड़ोसी प्रांत हैं। आधिकारिक आकलन के अनुसार सबसे तेज झटके आइची में महसूस किए गए। भूकंप के कारण रेल पटरियों को नुकसान पहुंचने की आशंका को देखते हुए एहतियात के तौर पर प्रभावित इलाकों में शिंकानसेन बुलेट ट्रेन धीमी गति से चलाई जा रही हैं। जापान भूकंप संभावित क्षेत्र में स्थित है।

## कॉलेज के एक समारोह में गोलीबारी, जश्न के बीच अचानक हुआ हमला

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका के नॉर्थ कैरोलाइना स्थित एक ऐतिहासिक अश्वेत विश्वविद्यालय में होमकमिंग समारोह के दौरान हुई गोलीबारी के मामले में पुलिस ने एक 20 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है। इस घटना में 19 वर्षीय युवक की मौत हो गई, जबकि 22 वर्षीय महिला घायल हो गई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या और शिक्षण संस्थान की संपत्ति पर हथियार रखने का मामला दर्ज किया है। घटना के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने समारोह की बाकी गतिविधियां रद्द कर दीं। परिसर में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और जांच जारी है। विंस्टन-सलेम स्टेट यूनिवर्सिटी में शनिवार रात करीब 9 बजकर 45 मिनट पर गोलीबारी की आवाज सुनाई दी। इसके बाद पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। वहां उन्हें 19 वर्षीय युवक गोली लगने से घायल मिला। अधिकारियों ने उसे बचाने के लिए जरूरी कदम उठाए, लेकिन उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। इसी जगह पुलिस को 22 वर्षीय महिला भी मिली, जिसे गोली लगी थी। उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। इलाज के बाद महिला को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। पुलिस के मुताबिक, इस मामले में जियायरे स्पिंक्स नाम के 20 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी पर कौन-कौन से आरोप लगाए गए हैं? पुलिस के सहायक प्रमुख जेसन स्वेम के मुताबिक, आरोपी को बिना जमानत हिरासत में रखा गया है। उसके खिलाफ हत्या और शिक्षण संस्थान की संपत्ति पर बंदूक रखने के आरोप लगाए गए हैं। पुलिस ने बताया कि गोलीबारी के पीछे की पूरी वजह अभी स्पष्ट नहीं हुई है। जांचकर्ता मामले से जुड़े तथ्यों और परिस्थितियों का पता लगा रहे हैं। हालांकि, शुरुआती जांच के आधार पर पुलिस ने इसे एक अलग-थलग घटना बताया है। इसका मतलब है कि फिलहाल इस गोलीबारी को किसी दूसरी घटना से जुड़ा हुआ नहीं माना जा रहा है। पुलिस ने रविवार तड़के हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया था कि शनिवार रात विश्वविद्यालय परिसर में दो अलग-अलग जगहों पर गोलीबारी हुई थी। हालांकि, दूसरी घटना के बारे में अधिकारियों ने अभी कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी है। यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि दूसरी गोलीबारी में कोई घायल हुआ या नहीं। पुलिस ने दोनों घटनाओं से जुड़े तथ्यों की जांच जारी रखी है। अधिकारियों ने फिलहाल यह भी नहीं बताया है कि दोनों घटनाओं के बीच कोई संबंध है या नहीं। ऐसे में दूसरी गोलीबारी से जुड़ी जानकारी सामने आना अभी बाकी है।

# एलिस हुआंग: एनवीडिया सीईओ जेनसन के साथ अफेयर, चीन के लिए जासूसी के आरोप; चिप खरीद में आया नाम

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** दुनिया की प्रमुख चिप निर्माता कंपनी एनवीडिया के संस्थापक और सीईओ जेनसन हुआंग इन दिनों निजी रिश्तों और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े गंभीर सवालों के कारण चर्चा में हैं। उनके साथ कथित करीबी संबंध रखने वाली एलिस हुआंग पर चीन की खुफिया एजेंसी के लिए काम करने का संदेह जताया गया है। अमेरिकी खुफिया अधिकारियों को आशंका है कि एलिस ने एनवीडिया प्रमुख से जुड़ी जानकारियां जुटाने और कंपनी के चीन में चिप कारोबार को प्रभावित करने की कोशिश की।

इस मामले में करीब 4.8 अरब डॉलर के उन्नत एआई उपकरणों की खरीद का भी जिक्र है। एलिस हुआंग से जुड़ी कारोबारी कंपनियों ने दक्षिण-पूर्व एशिया में डेटा सेंटर बनाए और एनवीडिया के चिप वाले उपकरण खरीदे। अमेरिकी एजेंसियां यह भी जांच कर रही हैं कि कहीं इन उपकरणों को गैरकानूनी तरीके से चीन तो नहीं पहुंचाया गया। विवाद के बीच जेनसन हुआंग ने अपनी पत्नी से बेवफाई करने की बात स्वीकार की है। उन्होंने परिवार से माफी मांगते हुए कंपनी के निदेशक मंडल की ओर से शुरू की गई स्वतंत्र जांच में सहयोग करने का भरोसा दिया है।

इस पूरे मामले में जिस महिला का नाम सामने आया है, वह एलिस हुआंग हैं। उनका उपनाम जेनसन हुआंग से मिलता है, लेकिन दोनों के बीच कोई पारिवारिक रिश्ता नहीं है। उन्हें हुआंग ले के नाम से भी जाना जाता है। जून 2024 में ताइवान की राजधानी ताइपे के एक बार में एलिस को जेनसन हुआंग के साथ देखा गया था। उस दौरान दोनों गीगाबाइट और नेटथंडर से जुड़े अधिकारियों के साथ मौजूद थे। वे वहां व्हिस्की पी रहे थे। इस मुलाकात की एक तस्वीर लिंक्डइन पर भी सामने आई थी।

मई 2025 में एआई आपूर्तिकर्ताओं के साथ रात्रिभोज के बाद ताइपे के एक रेस्तरां के बाहर भी एलिस, जेनसन हुआंग के पीछे खड़ी दिखाई दी थीं। उस समय एनवीडिया प्रमुख पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इसी अवधि में एलिस से जुड़ी एक कंपनी एनवीडिया के उन्नत उपकरण बड़े पैमाने पर खरीद रही थी।



न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, जेनसन हुआंग कंपनी के निदेशक मंडल के सामने एलिस के साथ अपने करीबी संबंधों की बात स्वीकार कर चुके थे। हालांकि, कर्मचारियों को भेजे गए अपने ईमेल में उन्होंने महिला का नाम नहीं लिया।

एलिस हुआंग के पेशेवर सफर के बारे में चीन के एक निजी फंड डेटाबेस में उपलब्ध प्रोफाइल से जानकारी मिलती है। इसके मुताबिक, उन्होंने हुनान टीवी और चीन के सरकारी प्रसारक सीसीटीवी में पत्रकार के रूप में काम किया था। इसके बाद वह एचएसबीसी से जुड़ीं। वहां उन्हें प्राइवेट बैंकिंग डिवीजन के अध्यक्ष की सहायक बताया गया। बाद में उन्होंने सीआईटीआईसी सिक्योरिटीज में उपाध्यक्ष का पद संभाला।

हालांकि, उनके पत्रकारिता करियर से जुड़े दावों पर सवाल भी उठे। न्यूयॉर्क पोस्ट ने हुनान टीवी के एक अधिकारी से संपर्क किया तो उन्होंने कहा कि उन्होंने एलिस हुआंग का नाम पहले कभी नहीं सुना। अखबार को सीसीटीवी की वेबसाइट पर भी उनके नाम से कोई प्रोफाइल नहीं मिली। अमेरिकी खुफिया अधिकारियों को आशंका हुई कि एलिस हुआंग चीन की राजधानी बीजिंग तक सूचनाएं पहुंचा रही थीं। न्यूयॉर्क टाइम्स और फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्टों में एक गोपनीय ज्ञापन का हवाला दिया गया। इसमें दावा किया गया कि चीन के राज्य सुरक्षा मंत्रालय ने एलिस को जेनसन हुआंग के बारे में जानकारी जुटाने के लिए भर्ती किया था। आशंका यह भी जताई गई कि उन्हें एनवीडिया की ओर से चीन को उन्नत चिप बेचने की कोशिशों को प्रभावित करने का काम सौंपा गया था। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि चीन ने एलिस को मेगास्पीड से जुड़ने से पहले भर्ती किया था या जेनसन हुआंग से परिचित होने के बाद। दोनों की पहली मुलाकात कब हुई, इस बारे में भी रिपोर्टों में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई। कॉरपोरेट रिकॉर्ड के मुताबिक, चीन के मोबाइल गेमिंग कारोबार से जुड़ी सिंगापुर की कंपनी 7रोड इंटरनेशनल ने मार्च 2023 में अपना नाम बदलकर मेगास्पीड कर लिया था। इसी महीने एलिस हुआंग कंपनी की प्रबंध निदेशक बनीं। मार्च 2023 में कंपनी का स्वामित्व हुआंग ले लिमिटेड को सौंपा गया।

## हमने ईरान को हरा दिया: डोनाल्ड ट्रंप का दावा; समझौते की उम्मीद के बीच सैन्य कार्रवाई का विकल्प खुला

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान पर दोबारा सैन्य हमले किए जाने की संभावना बेहद कम है, बशर्ते दोनों देशों के बीच बातचीत में प्रगति हो और कोई मजबूत समझौता हो जाए। हालांकि, उन्होंने ईरान के खिलाफ आगे सैन्य कार्रवाई की संभावना से पूरी तरह इनकार नहीं किया। ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिका ईरान को पहले ही भारी नुकसान पहुंचा चुका है और फिलहाल आगे हमले करने की जरूरत पड़ने की संभावना बहुत कम है। रविवार को सीएनएन को फोन पर दिए एक इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा कि यह इस बात पर निर्भर करेगा कि ईरान एक मजबूत समझौते पर हस्ताक्षर करता है या नहीं। उनका इशारा ईरान के परमाणु कार्यक्रम और होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खोलने से जुड़ी शर्तों की ओर था।

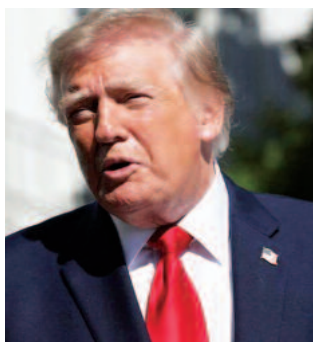

समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिका ने ईरान के महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे से जुड़े संभावित ठिकानों की पहचान कर ली है। इनमें बिजली संयंत्र और पुल भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका एक घंटे में ईरान के 38 पुलों को तबाह कर सकता है। ट्रंप ने दोहराया, 'सबसे अधिक संभावना यही है कि इसकी जरूरत नहीं पड़ेगी। वे बहुत बेताबी से समझौता करना चाहते हैं।'

इससे पहले ट्रंप ने व्हाइट हाउस से रवाना होने से पहले पत्रकारों से बातचीत में कहा था कि अमेरिका ईरान के साथ बातचीत कर रहा है और यह संपर्क पहले से जारी है। उन्होंने कहा, 'हम ईरान के साथ बातचीत कर रहे हैं। हम पहले से ऐसा करते रहे हैं।' ट्रंप ने सैन्य स्थिति को अमेरिका के पक्ष में बताते हुए दावा किया कि ईरान को हराया जा चुका है और होर्मुज जलडमरूमध्य भी खुल रहा है। उन्होंने कहा, 'हमने ईरान को हरा दिया है। हम ईरान के मामले में बहुत अच्छा कर रहे हैं।'

ट्रंप के ये बयान ऐसे समय आए हैं, जब अमेरिकी प्रशासन ने ईरान से जुड़े वित्तीय नेटवर्क पर कार्रवाई तेज कर दी है। अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने कनाडा स्थित आठ वित्तीय सेवा कंपनियों पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। इन कंपनियों पर ईरान को क्रिप्टोकरेंसी नेटवर्क के जरिए धन हस्तांतरित करने में मदद करने का आरोप है। यह कार्रवाई 'ऑपरेशन इकोनॉमिक आउटकास्ट' के तहत की गई है। अमेरिकी वित्त मंत्रालय के अनुसार, इन कंपनियों ने ईरानी रियाल और अन्य मुद्राओं को डिजिटल संपत्तियों में बदलकर ईरान से जुड़े अंतरराष्ट्रीय लेनदेन को सुविधाजनक बनाया। मंत्रालय ने आरोप लगाया कि इनमें से कई कंपनियों का प्रतिबंधित ईरानी क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंजों या इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) से जुड़े क्रिप्टोकरेंसी पतों के साथ लेनदेन रहा है।

## मिस्र में दो ट्रेनों की भीषण टक्कर: सात यात्रियों की मौत और 100+ घायल; एक ट्रेन पटरी से उतरी

**काहिरा, एजेंसी।** मिस्र की राजधानी काहिरा के दक्षिण में रविवार को दो ट्रेनों के बीच जोरदार टक्कर हो गई। इस हादसे में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई, जबकि 100 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। यह दुर्घटना गीजा प्रांत के अल-अय्यात जिले में हुई, जो काहिरा से करीब 52 किलोमीटर दक्षिण में स्थित है। परिवहन मंत्रालय के मुताबिक, एक ट्रेन दक्षिण-पश्चिमी फय्यूम प्रांत की ओर जा रही थी। इसी दौरान वह दक्षिणी असवान प्रांत की ओर जाने वाली दूसरी ट्रेन के पिछले हिस्से से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि एक ट्रेन पटरी से उतर गई। हालांकि,



अधिकारियों ने यह स्पष्ट नहीं किया कि दोनों में से कौन सी ट्रेन पटरी से उतरी। मिस्र के स्वास्थ्य मंत्रालय ने हादसे में सात लोगों की मौत और 100 से ज्यादा लोगों के घायल होने की पुष्टि की है। दुर्घटना के बाद घायलों को इलाज के लिए आसपास के अस्पतालों में पहुंचाया गया। हादसे के बाद मौके पर राहत और बचाव दल तैनात किए गए। दुर्घटनास्थल पर क्षतिग्रस्त डिब्बों और मलबे को हटाने के लिए क्रेन भी भेजी गईं, ताकि राहत कार्य जल्द पूरा किया जा सके। मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी ने रेल हादसे पर संज्ञान लिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए बताया कि उन्होंने दुर्घटना की तत्काल जांच के आदेश दिए हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि जांच के जरिए हादसे के लिए जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय की जाएगी। वहीं, मिस्र रेलवे प्राधिकरण ने कहा कि दुर्घटनास्थल से मलबा हटाने और रेल सेवाओं को जल्द से जल्द सामान्य समय-सारिणी के मुताबिक बहाल करने के लिए टीमें काम कर रही हैं।

## चीनी हनीट्रैप विवाद: ट्रंप ने किया एनवीडिया सीईओ का बचाव, कहा- वह अच्छे शख्स; जेनसन हुआंग के खिलाफ जांच शुरू

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एनवीडिया के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जेनसन हुआंग का बचाव किया है। चीन के लिए जासूसी करने की संदिग्ध महिला के साथ उनके संबंधों को लेकर उठे विवाद के बीच ट्रंप ने हुआंग को 'सम्मानित व्यक्ति' बताया। उन्होंने कहा कि हुआंग को दुनिया की दिग्गज चिप कंपनी के प्रमुख पद पर बने रहना चाहिए। पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप ने कहा कि उन्होंने इस मामले को



लेकर हुआंग से सीधे बात नहीं की है, लेकिन उनका मानना है कि हुआंग ने देश के लिए बहुत अच्छा काम किया है। ट्रंप ने कहा, 'मैंने इस बारे में उनसे बात नहीं की है। मैं सिर्फ इतना जानता हूं कि वह एक अच्छे व्यक्ति हैं, हालांकि आप कभी नहीं जानते कि क्या चल रहा है। मुझे उम्मीद है कि वहां सब कुछ ठीक होगा। उन्होंने इतना शानदार काम किया है। मेरी राय में वह अच्छे व्यक्ति हैं।' जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या खुफिया एजेंसियों से संदिग्ध विदेशी जासूसी नेटवर्क के बारे में जानकारी मिलने के बाद पहले कार्रवाई नहीं करने का उन्हें अफसोस है, तो उन्होंने इसका बचाव किया। ट्रंप ने कहा कि किसी भी व्यक्ति को अपनी बात रखने का मौका मिलना चाहिए। उन्होंने कहा, 'नहीं, मुझे ऐसा नहीं लगता। मेरे विचार से वह सम्मानित व्यक्ति हैं। मुझे लगता है कि उनके पास इसका कोई स्पष्टीकरण होगा और हमें उसे सुनना चाहिए। आप लोगों के साथ ऐसा नहीं कर सकते। उन्होंने हमारे देश के लिए शानदार काम किया है।' हुआंग के सीईओ पद पर बने रहने के सवाल पर ट्रंप ने कहा, 'मुझे ऐसा ही लगता है। बिल्कुल।' ट्रंप का यह बयान एनवीडिया के निदेशक मंडल की ओर से मामले की स्वतंत्र जांच शुरू किए जाने के कुछ समय बाद आया है। कंपनी के बोर्ड ने उन आरोपों की जांच के लिए स्वतंत्र समिति बनाई है, जिनके मुताबिक हुआंग को एक विदेशी खुफिया अभियान के जरिए निशाना बनाया गया था। रिपोर्टों में दावा किया गया है कि हुआंग ने एक महिला टेक अधिकारी के साथ विवाहेतर संबंध स्वीकार किया है। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने इस महिला को चीन की एजेंट होने का संदिग्ध बताया है।

# पाकिस्तान में 79 साल बाद खुला ऐतिहासिक गुरुद्वारा: बंटवारे के बाद से था बंद

**लाहौर, एजेंसी।** पाकिस्तान के लाहौर में एक ऐतिहासिक गुरुद्वारा रविवार को धार्मिक पूजा के लिए फिर से खोल दिया गया। यह गुरुद्वारा 1947 में भारतीय उपमहाद्वीप के बंटवारे के बाद से बंद था। यानी 79 साल बाद यहां फिर से धार्मिक गतिविधियां शुरू हुई हैं। गुरुद्वारे को दोबारा खोलने के मौके पर एक समारोह आयोजित किया गया। इसमें सिख धार्मिक परंपराओं का पालन किया गया। सिख समुदाय के कई लोग भी इसमें शामिल हुए। इस गुरुद्वारे का नाम गुरुद्वारा छेवीं पातशाही श्री गुरु हरगोबिंद साहिब है। यह लाहौर की टेंपल रोड पर स्थित है। इसका संबंध गुरु हरगोबिंद साहिब की लाहौर यात्रा से है।

गुरु हरगोबिंद साहिब का जीवनकाल 1595 से 1644 तक था। वह 10 सिख गुरुओं में छठे गुरु थे। उन्हें एक ऐसे संत-योद्धा के रूप में सम्मान दिया जाता है, जिन्होंने धार्मिक उत्पीड़न से बचाव के लिए सिख समुदाय को तैयार किया।

गुरुद्वारे को दोबारा खोलने के समारोह में पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री और पाकिस्तान सिख गुरुद्वारा प्रबंधक समिति के अध्यक्ष सरदार रमेश सिंह अरोड़ा शामिल हुए। इसके अलावा इवैक्यूई ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड (ईटीपीबी) के सचिव नासिर मुश्ताक और अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

समारोह में अरोड़ा ने कहा कि ऐतिहासिक गुरुद्वारे की मरम्मत का काम पूरा हो चुका है। अब इसे सिख समुदाय के लोगों के धार्मिक पूजन के लिए खोल दिया गया है। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान में 50 से ज्यादा गुरुद्वारों का नवीनीकरण किया जा रहा है। इसका मकसद सिख धार्मिक विरासत को सुरक्षित रखना और तीर्थयात्रियों को सुविधाएं देना है।

ईटीपीबी के सचिव नासिर मुश्ताक ने कहा कि गुरुद्वारे की मरम्मत और इसे दोबारा खोलने



का मकसद सिख समुदाय को बेहतर धार्मिक सुविधाएं देना है। साथ ही, लाहौर की ऐतिहासिक और धार्मिक विरासत को आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखना भी इसका मकसद है।

सिख ऐतिहासिक विवरणों के अनुसार, गुरु हरगोबिंद साहिब को स्थानीय सिख संगत ने लाहौर आने का निमंत्रण दिया था। गुरु साहिब ने यह निमंत्रण स्वीकार किया था। इसके बाद वह लाहौर आए और तीन दिन तक भाई जीवन नाम के एक श्रद्धालु के घर पर रुके। भाई जीवन गुरु साहिब की मेजबानी करने का सम्मान पाकर बेहद भावुक हो गए थे। इसके बाद उन्होंने अपने घर को गुरुद्वारे में बदल दिया। यही स्थान आगे चलकर गुरुद्वारा छेवीं पातशाही श्री गुरु हरगोबिंद साहिब के नाम से जाना गया। इस गुरुद्वारे का संबंध सिख धर्म के प्रचारक और योद्धा भाई विधि चंद से भी है। वह दो बार लाहौर आए थे। उस समय के मुगल गवर्नर ने कुछ घोड़ों को जब्त कर लिया था। ये घोड़े श्रद्धालुओं ने गुरु हरगोबिंद साहिब को भेंट के रूप में दिए थे। सिख ऐतिहासिक विवरणों के अनुसार, भाई विधि चंद ने घोड़ों को वापस लाने के लिए अलग-अलग अभियान चलाए। उन्होंने एक बार घास बेचने वाले और दूसरी बार ज्योतिषी का भेष धारण किया। इस तरह उन्होंने दोनों घोड़ों को वापस हासिल किया और गुरु हरगोबिंद साहिब को लौटा दिया। साल 1915 में स्थानीय सिख संगत ने गुरुद्वारे के हॉल का विस्तार कराया था। इसके बाद गुरुद्वारे के तत्कालीन देखरेख करने वाले प्रमुख सेवादार हरि सिंह पर गलत काम करने के आरोप लगे। इसके बाद 1921 में संगत ने गुरुद्वारे का प्रबंधन अपने हाथ में ले लिया। इसके लिए एक स्थानीय समिति भी बनाई गई।

साल 1927 में शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति (एसजीपीसी) ने इस गुरुद्वारे का प्रशासनिक नियंत्रण संभाल लिया। एसजीपीसी एक शीर्ष संस्था है। यह ऐतिहासिक सिख गुरुद्वारों के प्रबंधन की जिम्मेदारी संभालती है।

### 1947 के बंटवारे के बाद क्यों बंद हुआ था गुरुद्वारा?

साल 1947 में भारतीय उपमहाद्वीप के बंटवारे के बाद इस गुरुद्वारे में सिख समुदाय की नियमित धार्मिक गतिविधियां बंद हो गई थीं। सिख ऐतिहासिक विवरणों में यह भी दर्ज है कि बंटवारे के दौरान हुई हिंसा में समुदाय के कई लोगों की हत्या कर दी गई थी, जो इस जगह की पवित्रता की रक्षा कर रहे थे। इसके बाद से गुरुद्वारा धार्मिक पूजा के लिए बंद रहा। अब 79 साल बाद इसे फिर से खोल दिया गया है।

# क्या बिखरे विपक्ष को एकजुट कर पाएंगे गादी: राष्ट्रपति ने पहले सरकार बनाने का दिया मौका

**यरूशलम , एजेंसी।** इस्राइल में नई सरकार के गठन की कवायद शुरू हो गई है। विपक्षी नेता गादी आइजेनकोट को नई सरकार बनाने का मौका दिया गया है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के सत्तारूढ़ गठबंधन को अक्तूबर में हुए चुनावों में संसद में बहुमत नहीं मिला। इससे नेतन्याहू के लंबे शासन का अंत होने की संभावना बढ़ गई है।

राष्ट्रपति इसाक हर्जोग ने शनिवार को राजनीतिक दलों से बातचीत के बाद आइजेनकोट को सरकार बनाने के लिए चुना। आइजेनकोट को गठबंधन तैयार करने के लिए 28 दिन का समय दिया गया है। अगर वह इस अवधि में सरकार नहीं बना पाते हैं, तो 14 दिन का अतिरिक्त समय मांग सकते हैं।

आइजेनकोट यशर पार्टी के नेता हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, अब राष्ट्रीय आपातकालीन सरकार बनाने का समय है। मैं यह सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव प्रयास करूंगा कि हम इस जिम्मेदारी के योग्य साबित हों।

हालांकि, 66 साल के आइजेनकोट के सामने बड़ी चुनौती है। विपक्षी दलों के बीच राष्ट्रीय सुरक्षा, धर्म और फलस्तीनी क्षेत्रों पर इस्राइली नियंत्रण को लेकर गहरे मतभेद हैं। इस्राइल की 120 सदस्यीय संसद को नेसेट कहा जाता है। इसमें बहुमत के लिए 61 सीटों की जरूरत होती है। आइजेनकोट और नेतन्याहू, दोनों के पास 61 सीटों का समर्थन नहीं है। ऐसे में अरब समर्थित पार्टियों की भूमिका अहम हो सकती है। उनके समर्थन से तय हो सकता है कि इस्राइल में किसकी सरकार बनेगी। हालांकि, आइजेनकोट और उनके संभावित सहयोगी इन पार्टियों के समर्थन पर निर्भर नहीं रहना चाहते।

आइजेनकोट के संभावित गठबंधन में चार पार्टियां शामिल हैं। इनमें उनकी अपनी यशर पार्टी, यायर गोलान के नेतृत्व वाली मध्य-वामपंथी डेमोक्रेट्स पार्टी, नफ्ताली बेनेट की मध्य-दक्षिणपंथी टुगेदर पार्टी और एविगडोर लिबरमैन की दक्षिणपंथी यिस्राएल बेतेनु (इस्राइल हमारा घर) पार्टी शामिल हैं। इन चारों पार्टियों के पास कुल 48 सीटें हैं। यह बहुमत के लिए जरूरी 61 सीटों से काफी कम है।

अरब नेतृत्व वाली दो पार्टियों रआम (संयुक्त सूची) और संयुक्त सूची ने भी आइजेनकोट की सरकार बनाने की कोशिश का समर्थन किया है। संयुक्त सूची में तीन पार्टियां हदाश, ताल और बलाद शामिल हैं। इन दोनों गठबंधनों के पास मिलाकर 19 सीटें हैं। अगर इनका समर्थन मिलता है, तो नेतन्याहू विरोधी खेमे की कुल सीटें 67 हो सकती हैं।



हदाश अरब और यहूदी समुदाय के लोगों की पार्टी है। ताल इस्राइल के फलस्तीनी नागरिकों के अधिकारों की पैरवी करती है। वहीं, बलाद देश के सभी नागरिकों के लिए समान अधिकारों की मांग करती है। हालांकि, आइजेनकोट ने अरब पार्टियों को अपनी सरकार में शामिल करने से इनकार किया है। लिबरमैन भी कई बार कह चुके हैं कि वह ऐसी अल्पमत सरकार बनाने के पक्ष में नहीं हैं, जो अरब पार्टियों के समर्थन पर निर्भर हो।

वहीं, गोलान की डेमोक्रेट्स पार्टी रआम और संयुक्त सूची (ज्वाइंट लिस्ट) के साथ मिलकर काम करने के लिए ज्यादा तैयार है। चुनाव के बाद गोलान ने कहा, हमें अब नेतन्याहू के उस नस्लवादी विभाजन को स्वीकार नहीं करना चाहिए, जिसमें यहूदी और अरब वोटों को अलग-अलग देखा जाता है।

नेतन्याहू के धार्मिक और राष्ट्रवादी गठबंधन की सीटें घट गई हैं। साल 2022 में इस गठबंधन के पास 64 सीटें थीं। अब यह संख्या घटकर 53 रह गई है। यानी बहुमत से यह गठबंधन आठ सीट पीछे है।

नेतन्याहू की लिकुड पार्टी सबसे बड़ी अकेली पार्टी है। इसके पास 27 सीटें हैं। वहीं, आइजेनकोट की याशर पार्टी ने 21 सीटें जीती हैं। नेतन्याहू को एक और झटका तब लगा, जब उनकी लंबे समय से सहयोगी रही यूनाइटेड टोरा यहूदी पार्टी ने राष्ट्रपति हर्जोग से बातचीत के दौरान उनका या किसी दूसरे उम्मीदवार का समर्थन करने से इनकार कर दिया।

इस फैसले से नेतन्याहू की सत्ता में वापसी की संभावनाओं को नुकसान पहुंचा है। हालांकि, पार्टी ने भविष्य में गठबंधन को लेकर बातचीत में नेतन्याहू का समर्थन करने का रास्ता बंद नहीं किया है।

इसका फैसला उसकी मांगों पर निर्भर करेगा। इनमें अति-रूढ़िवादी यहूदी समुदाय के लोगों के लिए अनिवार्य सैन्य सेवा का मुद्दा भी शामिल है। यह समुदाय सैन्य सेवा से छूट की मांग करता रहा है। अगर आइजेनकोट गठबंधन बनाने में सफल नहीं होते हैं, तो वह अरब पार्टियों के बाहरी समर्थन से अल्पमत सरकार बना सकते हैं। अल्पमत सरकार तब बनती है, जब सरकार में शामिल पार्टियों के पास संसद में कुल बहुमत नहीं होता। ऐसी सरकार को सत्ता में बने रहने और कानून पास कराने के लिए गठबंधन से बाहर के सांसदों का समर्थन लेना पड़ता है। आइजेनकोट अपनी चार पार्टियों के गठबंधन के साथ ऐसी सरकार बना सकते हैं। इसके लिए उन्हें रआम और जॉइंट लिस्ट का बाहरी समर्थन लेना होगा। इस व्यवस्था में अरब नेतृत्व वाली पार्टियों को सरकार में मंत्री पद देना जरूरी नहीं होगा। उन्हें औपचारिक रूप से गठबंधन में शामिल करना भी जरूरी नहीं होगा।

नेक्सटऐज मीडिया एंड कांलटिंग प्राइवेट लिमिटेड के लिए, प्रकाशक, संपादक अनीता यादव द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी मेसेर्स साईं प्रिंटिंग प्रेस डी-85 सेक्टर-06 201301 से मुद्रित कराकर 962 सरफाबाद सेक्टर-73, नोएडा-201304 से प्रकाशित किया,
प्रधान संपादक : रिंकू यादव संपादक : अनीता यादव PRGI No. UPHIN/26/A8255 Ph. : 4403949, Email : unplugindia26@gmail.com